विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 73 अंक 87 पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 25 दिसंबर, 2025
पौष शुक्ल पक्ष 05, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

इसरो ने लॉन्च किया अब तक का सबसे भारी उपग्रह

'बाहुबली रॉकेट' ने 6100 किलोग्राम वजनी अमेरिकी सैटेलाइट अंतरिक्ष में पहुंचाया

श्रीहरिकोटा, जेएनएन। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) ने बुधवार सुबह आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से बड़ी उपलब्धि हासिल की। इसरो ने अपने भारी-भरकम रॉकेट एलवीएम3-एम6 के जरिए अमेरिका का नेक्स्ट-जेन कम्युनिकेशन सैटेलाइट ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इस सैटेलाइट का वजन 6,100 किलोग्राम है, जो भारत से लॉन्च किया गया अब तक का सबसे भारी उपग्रह है। यह लॉन्च बुधवार सुबह 8:55:30 बजे दूसरे लॉन्च पैड से किया गया। इससे पहले नवंबर में लॉन्च किया गया एलवीएम3-एम5 कम्युनिकेशन सैटेलाइट-03 करीब 4,400 किलोग्राम का था। इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने इस मिशन को देश के लिए एक बड़ी तकनीकी और व्यावसायिक उपलब्धि बताया।

बिना टावर धरती के किसी भी कोने से 4जी-5जी कॉल संभव

ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 एक अत्याधुनिक कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जिसका उद्देश्य सामान्य स्मार्टफोन तक सीधे हाई-स्पीड सेल्युलर ब्रॉडबैंड पहुंचाना है। इसके जरिए धरती पर कहीं से भी बिना मोबाइल टावर 4जी और 5जी वॉयस कॉल, वीडियो कॉल, मैसेजिंग, स्ट्रीमिंग और डेटा सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

15 मिनट बाद रॉकेट से अलग हुआ सैटेलाइट

43.5 मीटर ऊंचे और 640 टन वजनी एलवीएम3-एम6 ने उड़ान के 15 मिनट बाद ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को सफलतापूर्वक अलग किया और सैटेलाइट 520 किमी ऊपर लो अर्थ ऑर्बिट में स्थापित कर दिया।

'बाहुबली रॉकेट' एलवीएम3 की लगातार सफलता

इसरो के भारी लॉन्च व्हीकल एलवीएम3-एम6 में स्वदेशी क्रायो जेनिक इंजन है। इसी से चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचा था। विशाल क्षमता के कारण इसे 'बाहुबली रॉकेट' भी कहा जाता है।

अंतरिक्ष यात्रा का गौरवशाली पलः मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सफल लॉन्च पर इसरो को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि यह भारत की अंतरिक्ष यात्रा का एक गौरवपूर्ण मील का पत्थर है, जो न सिर्फ देश की भारी लॉन्च क्षमता को मजबूत करता है, बल्कि ग्लोबल कॉमर्शियल लॉन्च मार्केट में भारत की भूमिका को भी सशक्त बनाता है।

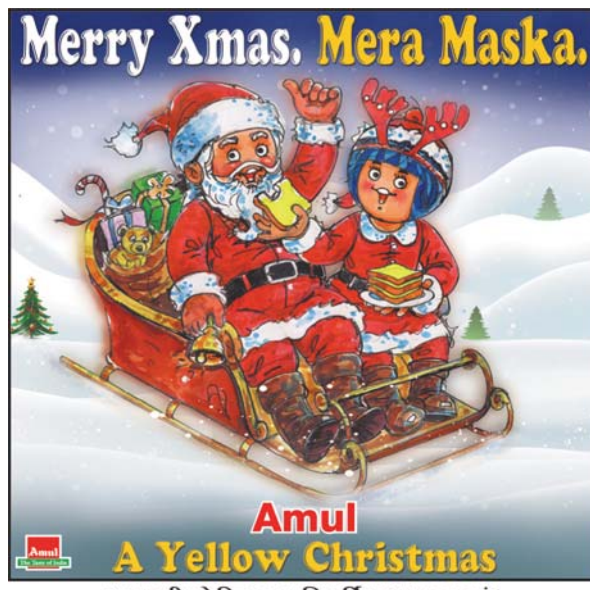

आप सभी को क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं !

अरावली पर्वत श्रृंखला की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

नई खनन लीज पर लगाई पूरी तरह रोक

नई दिल्ली, जेएनएन। अरावली पर्वत श्रृंखला को बचाने के लिए केंद्र सरकार ने एक अहम और दूरगामी कदम उठाया है। पर्यावरण मंत्रालय ने अरावली क्षेत्र में किसी भी नई खनन लीज देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्देश राज्यों को दिया है। यह रोक गुजरात से लेकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) तक फैली पूरी अरावली श्रृंखला पर समान रूप से लागू होगी। सरकारी बयान के मुताबिक, इस फैसले का उद्देश्य अरावली को एक सतत और अखंड भू-वैज्ञानिक पर्वत श्रृंखला के रूप में संरक्षित करना और अनियंत्रित खनन गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाना है। अरावली दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में से एक मानी जाती है और इसका पर्यावरणीय महत्व अत्यंत संवेदनशील है।

इसलिए अहम है अरावली

सरकार ने दोहराया कि अरावली पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित से जुड़ा हुआ है।

- अरावली मरुस्थलीकरण रोकने में अहम भूमिका निभाती है
- जैव विविधता संरक्षण का बड़ा केंद्र है
- भूजल रिचार्ज और जल स्रोतों के संरक्षण में मदद करती है
- उत्तर भारत के लिए महत्वपूर्ण पर्यावरणीय सेवाएं प्रदान करती है
- विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली का क्षरण एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण, जल संकट और जलवायु असंतुलन से सीधे जुड़ा हुआ है।

एमपीएसएम योजना के बिंदु

- कुल पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन
- इकोलॉजिकल कैरिंग कैपेसिटी की पहचान
- अत्यंत संवेदनशील और संरक्षण-आवश्यक क्षेत्रों का चिन्हांकन
- क्षतिग्रस्त इलाकों के लिए पुनर्स्थापन और पुनर्वास उपाय

सफल परीक्षणः 80 किलोमीटर तक कोई भी लक्ष्य भेदने में सक्षम

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय सेना ने मंगलवार को आकाश नेक्स्ट जेनरेशन (आकाश-एनजी) मिसाइल डिफेंस सिस्टम का ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज में सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण देश की स्वदेशी वायु रक्षा क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है।डीआरडीओ के अनुसार, ट्रायल के दौरान आकाश-एनजी ने अलग-अलग दूरी और ऊंचाई पर मौजूद हवाई लक्ष्यों को अत्यंत सटीकता के साथ नष्ट किया। इनमें सीमा के पास कम ऊंचाई पर उड़ने वाले लक्ष्य और लंबी दूरी पर अधिक ऊंचाई पर मौजूद लक्ष्य भी शामिल थे। आकाश-एनजी सिस्टम फाइटर जेट, क्रूज मिसाइल, ड्रोन और यूएवी जैसे खतरों को 80 किलोमीटर तक की दूरी और 20 किलोमीटर तक की ऊंचाई पर मार गिराने में सक्षम है। इसकी एक बड़ी खासियत यह है कि यह एक साथ 10 से अधिक हवाई हमलों को रोक सकता है।

रणनीतिक महत्व

- चीन-पाकिस्तान से आने वाले हवाई खतरों के खिलाफ
- भारत के लेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम का मजबूत स्तंभ

विशेषताएंः रेंजः 70-80 किमी- (पुरानी आकाश प्रणाली की 25-30 किमी रेंज से लगभग 3 गुना ज्यादा) **टारगेट हाइटः** 30 मीटर से 20 किमी तक **टारगेट्सः** फाइटर जेट, क्रूज मिसाइल, ड्रोन /यूएवी **टारगेट कैपेसिटीः** सैचुरेशन अटैक यानी एक साथ 10 टारगेट को मार गिराने की क्षमता (एक साथ कई हमले), मल्टी-ट्रैक, मल्टी-एंगेज **स्पीडः** एमएसीएच 2.5 (ध्वनि की गति से 2.5 गुना तेज)

VANASTHALI COLLEGE OF PHARMACY, REWA

सत्र 2025-26 में फार्मेसी पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु विशेष अवसर

कॉलेज लेवल काउंसलिंग (CLC)

B.Pharma D.Pharma

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रारंभ - 24.12.2025 से 31.12.2025 (दोपहर 1 बजे तक)

CLC दिनांक :- 26, 27, 30 एवं 31 दिसम्बर 2025

नोट :- संस्था स्तर में प्रवेश हेतु छात्र उक्त दिनांक में संस्था में प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकते है।

FOR ADMISSION AND COUNSELLING

Contact: 9111100493, 8109412689

Add.: JNCT Campus, Near Bypass Crossing, Ratahra, Rewa.

Shree Krishna Pharmacy College Mangawan, Rewa

सत्र 2025-26 में फार्मेसी पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु विशेष अवसर

कॉलेज लेवल काउंसलिंग (CLC)

B.Pharma D.Pharma M.Pharma

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रारंभ - 24.12.2025 से 31.12.2025 (दोपहर 1 बजे तक)

CLC दिनांक :- 26, 27, 30 एवं 31 दिसम्बर 2025

नोट :- संस्था स्तर में प्रवेश हेतु छात्र उक्त दिनांक में संस्था में प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकते है।

FOR ADMISSION AND QUERY

Call US: 9111100486, 9111100493

9755102929, 9425186337, Visit : www.skpcrewa.com

Address : Near Mangawan Basti, Rewa Madhya Pradesh

पेट, लिवर, आंत, पैंक्रियाज रोगों के मरीज के लिए नई उम्मीद, विंध्य के वरिष्ठ डॉ. प्रदीप निगम

रीवा। रीवा के जाने-माने पेट, लिवर, आंत और पैंक्रियाज रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप निगम अब संजय गांधी हॉस्पिटल में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पेट से संबंधित जटिल बीमारियों का इलाज और हजार से अधिक दूरबीन (एंडोस्कोपी और कॉलोनस्कोपी) द्वारा जटिल प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक की गई हैं।

डॉ. निगम द्वारा इलाज की जाने वाली बीमारियों में शामिल हैं- गैस और अपच की समस्या पेट से जुड़ा कैंसर, बार-बार डायरिया या कब्ज की शिकायत पेट फूलने की समस्या, शराब के कारण लिवर की खराबी, लिवर सिरोसिस, खाने को निगलने में कठिनाई, हेपेटाइटिस B और C लिवर से जुड़ी अन्य समस्याएं नई तकनीकों द्वारा इलाज- डॉ. निगम की टीम द्वारा उन्नत तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है, जिनमें फाइब्रोस्कैन शामिल है। इस तकनीक की मदद से शुरुआती दिनों में ही लिवर की खराबी का पता लगाया जा सकता है, जिससे समय पर इलाज संभव हो पाता है।

रीवा और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को उच्च-स्तरीय सुविधाएं और विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध कराकर, डॉ. प्रदीप निगम ने चिकित्सा क्षेत्र में नई उम्मीद जगाई है।

डॉ सोनल निगम डायटिशियन एवं न्यूट्रिशंस

हमें अच्छी सेहत के लिए हमेशा अपने खाने में क्षेत्रीय व्यंजनों को शामिल करना चाहिए यहां तक की फल भी हमें मौसम के हिसाब खाये कुदरत ने हमें बडी ही सुंदर उपहार दिए हैं. हमें घर के खाना का ही स्वस्थ रखता है और बाहर के खाने से बचना चाहिये. घर का खाने में ही अच्छी सेहत का राज छुपा है। बाल भारती स्कूल के आने, समदड़िया गोल्ड सिरमौर चौराहा रीवा, 7024352872. ADVT

जागरण रीवा
रीवा, 25 दिसम्बर 2025
www.dainikjagranmpcg.com

कोहली ने तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड, रोहित ने की वॉर्नर की बराबरी (पेज : 09)

उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों का किया गया सम्मान

जागरण, रीवा। स्वच्छता ही सेवा 2025 के तहत निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर अपने वार्ड की सफाई व्यवस्था एवं स्वच्छता के कार्यस्थल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सभी सफाई मित्रों को बुधवार को सफाई मित्र सेवा सम्मान प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इस सम्मान समारोह में स्वास्थ्य अधिकारी दीपक तोमर, सहायक नोडल एसबीएम अपूर्वा चतुर्वेदी, स्वच्छता निरीक्षक महादेव राठौर, आईईसी प्रोजेक्ट हेड विवेक परमार, आईसी टीम लीडर अवनीश शुक्ला, वार्ड दरोगा एवं सफाई मित्र उपस्थित रहे।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह प्राकृतिक खेती प्रकल्प का आज करेंगे शुभारंभ

किसान सम्मेलन में होंगे शामिल, देंगे करोड़ों की सौगात

जागरण, रीवा। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज 25 दिसम्बर को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा आएंगे। केन्द्रीय गृह मंत्री दोपहर 3 बजे बसामन मामा पहुंचकर गौ अभ्यारण्य में प्राकृतिक खेती प्रकल्प का शुभारंभ करेंगे। प्राकृतिक खेती के प्रकल्प में परंपरागत बीजों का संचय, गोमूत्र तथा गोबर से निर्मित खाद एवं कीटनाशक, अन्तवर्तीय फसल, औषधीय पौधों की खेती तथा फलोउद्यान विकास को शामिल किया गया है। केन्द्रीय गृह मंत्री इन सभी का अवलोकन करेंगे। केन्द्रीय गृह मंत्री गौ अभ्यारण्य के समीप आयोजित विशाल किसान सम्मलेन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल तथा रीवा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल मंत्री ग्रामीण विकास विभाग तथा श्रम एवं सांसद रीवा जनार्दन मिश्र भी इस महत्वपूर्ण अवसर पर उपस्थित रहेंगे। बसामन मामा गौ अभ्यारण्य का निर्माण बेसहारा और बीमार गौवंश को आश्रय देने के लिए किया गया है। इसमें वर्तमान में 9 हजार से अधिक गौवंश को आश्रय दिया गया है। इनकी सेवा के लिए 100 से अधिक कर्मचारी और गौ सेवक तैनात हैं। बीमार गौवंश के उपचार के लिए पशु चिकित्सक भी यहाँ तैनात हैं। बता दें कि सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए कार्यक्रम स्थल बसामन मामा गौशाला से 3 किमी. दूर तक व रीवा एयरपोर्ट के समीप नो फ्लाई जोन व रेड जोन घोषित किया गया है। यह प्रतिबंध शाम 5 बजे तक रीहेगा।

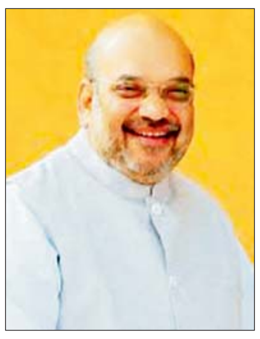

संभाग की 25 औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन और लोकार्पण आज

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह समारोह में 2 लाख करोड़ के पूंजी निवेश करने वाली औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। समारोह की अध्यक्षता प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। समारोह में रीवा संभाग की 25 औद्योगिक इकाइयों का भी भूमिपूजन और लोकार्पण किया जायेगा। अभ्योदय एमपी ग्रोथ समिट में मऊगंज जिले में पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड द्वारा ग्राम घुरेहटा में 560 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित की जा रही इकाई का भूमिपूजन होगा। कार्यक्रम में सिंगरौली जिले की दो, सतना जिले की सात तथा रीवा जिले की दो इकाईयों का भूमिपूजन किया जायेगा। इसके साथ-साथ रीवा जिले की सात औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण भी किया जायेगा। समिट में रीवा जिले के 4 उद्योमियों को औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए आशय पत्र का भी वितरण किया जायेगा।

तैयारियों का लिया जायजा

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने गौअभ्यारण्य तथा सम्मेलन स्थल का भ्रमण करके सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लिया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बसामन मामा गौअभ्यारण्य में निराश्रित और बीमार गौवंश को आश्रय दिया जा रहा है। गौमाता के आशीर्वाद से विन्ध्य क्षेत्र में विकास के कार्य सफलतापूर्वक किये जा रहे हैं। हम सबका सौभाग्य है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का बसामन मामा गौअभ्यारण्य में 25 दिसंबर को आगमन हो रहा है। केन्द्रीय गृह मंत्री प्राकृतिक खेती प्रकल्प का उद्घाटन करने के साथ विशाल किसान सम्मेलन में किसानों को संबोधित करेंगे।

बंग्लादेश के हिंदुओं के विरोध में बजरंग दल ने किया पुतला दहन

रीवा। शिल्पी प्लाजा चौराहा के पास बंग्लादेश मे हिंदुओं की निर्मम हत्या के विरोध में व्यापक विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन किया। विरोध करते बजरंग दल जिला संयोजक रामकृष्ण गौतम एवं जिला सहसंयोजक आशीष सेन ने संयुक्त जानकारी देते हुए बताया की यह विषय विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं का बस नहीं है, समूचे हिंदू समाज का है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उग्र विरोध प्रदर्शन किया तथा नारे लगाए और दीपू दास पर हुए अत्याचार की निंदा की। भगवा झंडे लहराते हुए और यूनुस शासन के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारी दीपू दास के लिए न्याय की मांग की। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस का पुतला भी जलाया। प्रदर्शन के दौरान बजरंग दल के लाल बहादुर सिंह,जिला मंत्री दिव्यांशु गौतम, जिला कोषाध्यक्ष हरीश ढींगरा, प्रदीप पाठक, जिला संयोजक रामकृष्ण गौतम, आशीष सेन, ऊषा शुक्ला, रिचा मिश्रा, सुमित डिगवानी, लखन यादव , नारायण ताम्रकार, नेमीचंद गुप्ता, आनंद गौतम, राजेश तिवारी, विश्वनाथ , सुमित मांजवानी , विनय गौतम,संजीव गुप्ता मोहित गुप्ता विपिन मिश्रा प्रकाश गुप्ता अंशुमान गुप्ता, वरुण श्रीवास्तव शिवम विश्वकर्मा, रत्नेश चतुर्वेदी, संध्या मिश्रा, जलसा विश्वकर्मा, अंशिका तिवारी, मनीषा मिश्रा, नीलू सिंह, अलका सिंह सुनील चौरसिया, प्रांतु तिवारी विक्रांत यादव, नंदन दुबे श्रीकांत साकेत, अमर शुक्ला अमन मिश्रा, अरमान सिंह सोमवंशी, सचिन, अभय बघेल, सनी कुशवाहा, जयशंकर शुक्ला, विजय शुक्ला भूपेंद्र मिश्रा एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लेखा समिति की बैठक में आय वृद्धि सहित अन्य बिंदुओ पर हुई चर्चा

जागरण, रीवा। नगर निगम रीवा की लेखा समिति की बैठक का आयोजन बुधवार को निगम सभागार में किया गया। बैठक में लेखा समिति अध्यक्ष अमिता सिंह, लेखा समिति सदस्य संजय खान, पूजा प्रमोद सिंह, गंगा प्रसाद यादव, रफीकुन्निशा शहनाज अंसारी तथा उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, सहायक आयुक्त रामनरेश तिवारी, लेखाधिकारी अवनीश त्रिपाठी एवं स्वास्थ्य अधिकारी मुरारी कुमार उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष लेखा समिति द्वारा विभिन्न एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा की गई जिसमें वित्तीय वर्ष के मासिक एवं त्रैमासिक आय-व्यय की जानकारी लेते हुए समीक्षा की गई। सहायक आयुक्त (वित्त) द्वारा निगम की मासिक आय-व्यय का लेखा-जोखा सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सदस्यों द्वारा निगम की संपत्ति कर आय में वृद्धि हेतु सभी मोहर्रिरों द्वारा घर-घर जाकर संपत्ति कर के बिल वितरित किए जाने के संबंध में निर्देशित करने की बात कही गई। बैठक में सुझाव दिया गया कि संपत्ति कर एवं जलकर टीम संयुक्त रूप से भ्रमण कर बिल वितरण एवं वसूली करें, जिससे निगम की आय में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित हो सके। विज्ञापन कर की वसूली हेतु प्रक्रिया के सरलीकरण का सुझाव संजय खान द्वारा दिया गया। आउटडोर नियमों के अंतर्गत अवैध विज्ञापन बोर्डधारियों पर कार्रवाई करने तथा पंजीयन शुल्क जमा कर नियमानुसार विज्ञापन की अनुमति प्रदान किए जाने का सुझाव दिया गया। जलकर की वसूली के लिए नियमित रूप से घर-घर बिल भेजे जाने पर बल दिया गया, ताकि वसूली में वृद्धि दर्ज की जा सके। होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों से कचरा शुल्क नियमित रूप से वसूल किए जाने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, जलकर के अवैध कनेक्शनों को ऑन-स्पॉट वैध कर शुल्क जमा कर वैध करने का सुझाव भी सदस्यों द्वारा दिया गया। बारातघरों में प्रत्येक कार्यक्रम को आधार मानकर कचरा वसूली की रसीद काटना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही प्रावधान रखा जाय सभी बारातघर प्रत्येक बुकिंग की जानकारी निगम को प्रदाय करें। उपायुक्त वित्त द्वारा निगम द्वारा म्यूनिशिपल ब्रॉड जारी किये जाने की आवश्यकता एवं उसकी प्रक्रिया के बारे विस्तार से सदस्यों को बताया गया।

विद्युत पेंशनरों को ट्रेजरी से भुगतान कराएं: केएन. पाण्डेय

रीवा। मप्र. विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन रीवा शाखा की श्रमिक समस्याओं के सम्बन्ध में बैठक वरिष्ठ उपाध्यक्ष लक्ष्मी प्रकाश मिश्रा की अध्यक्षता में पावर हाउस स्थित कार्यालय मे पदाधिकारियों की बीच सम्पन्न हुई, जिसका संचालन कर रहे फेडरेशन के क्षेत्रीय सचिव के.एन. पाण्डेय ने बताया कि धारा 49(6) समाप्त न करने से विद्युत पेंशनरों को भारी आर्थिक नुकशान हो रहा है। कई-कई वर्षों के डी.ए. मार दिया जाता है। संघ मांग करता है कि राज्य सरकार धारा 49(6) अविलम्ब समाप्त करके उत्तर प्रदेश सरकार की तरह विद्युत पेंशनरों का भुगतान ट्रेजरी से कराया जाय। साथ ही 25 प्रतिशत एनर्जी चार्ज की सुविधा भी चालू की जाय।

साधन सुविधाओं और पर्यावरण संरक्षण के लिए याद किया जाएगा साल 2025

नगर निगम रीवा के लिए अनेकों उपलब्धिओं से भरा रहा गुजरा साल

जागरण, रीवा। नगर निगम रीवा के लिए वर्ष 2025 कई मायनों में लंबे समय तक याद किया जाएगा। इस गुजरे साल में नगर निगम में कई उल्लेखनीय कार्य किए गए। स्वच्छता के मामले में इसी वर्ष नगर निगम रीवा को फाइव स्टार का रैंक मिला। नगर निगम के कर्मचारियों को वॉकी-टॉकी की सुविधा से लैस किया गया। अधिकारियों को इलेक्ट्रिक कारें उपलब्ध कराई गई, ई-ऑफिस की शुरुआत की गई। नगर निगम में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई और शहर में सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से निगरानी प्रारंभ की गई। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण के लिए शहर में कई स्थानों पर वृहद पौधरोपण किया गया और शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में कई उल्लेखनीय कार्य किए गए। यही वजह है कि शहर अब विकास के साथ-साथ सुंदरता के मामले में भी काफी आगे जा चुका है। अतिक्रमणकारियों के लिए गुजरा साल कब्रगाह साबित हुआ। शहर में कई स्थानों से सालों पुराने अतिक्रमण हटाए जाकर यातायात सुगम बनाया गया और शहर के सौन्दर्यीकरण के काम किए गये। जल गंगा अभियान के तहत न केवल तालाबों की सफाई की गई बल्कि प्राचीन कुओं को भी पुनर्जीवित किया गया। इसी वर्ष में मुख्यमंत्री द्वारा माय रीवा सिटीजन एप लांच किया गया जिसके माध्यम से कामकाज में आसानी हो रही है। शहर की छोटी गलियों की सफाई के लिए छोटी कचरा गाड़ी खरीदी गई जिससे वहां का कचरा भी संग्रह किया जा सके। शहर की नागरिकों की सुविधा के लिए नगर निगम में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई और शहर में प्रमुख चरणों पर सीसीटीवी कैमरे लगाकर उसके माध्यम पर निगरानी प्रारंभ की गई है। अब किसी भी समस्या के लिए नगर निगम के टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज करा कर उसका निराकरण कराया जा रहा है। स्वच्छता कर्मचारियों को एवं अधिकारियों को सीधे बात करने के लिए बाकी ताकि उपलब्ध कराया गया है। नगर निगम के अधिकारियों को इलेक्ट्रिक कारों की सुविधा देकर प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया गया। अब तो सूत्र सेंवा के तहत इलेक्ट्रिक बसे भी आ गई जो रोडवेज बनकर संचालित की जाएगी।

शहर का किया गया सौंदर्यीकरण

शहर को स्वच्छता के साथ-साथ सुंदर बनाने के लिए भी अनेक उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। कालेज चौराहों का सौंदर्यीकरण किया गया है। सिविल लाइन क्षेत्र में मिहिरसेन तरणताल के सामने रीवा हैज टैग का निर्माण किया गया। पीटीएस मार्ग में ग्रीन स्पेस विकसित किया गया। कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम परिसर एवं झिरिया पुल में लगाई गई जाली में वर्टिकल गार्डन तैयार किया गया। सैनिक स्कूल में कबाड़ के जुगाड़ से अफसर सिंदूर की स्मृति में सौयता के प्रतीक प्रतिमाओं का निर्माण किया गया। इसके साथ ही कबाड़ से तैयार की गई कई आकर्षक प्रतिमाए शहर की शोभा बढ़ा रही हैं।

कई पुराने अतिक्रमण हटाये गये

अतिक्रमणकारियों के लिए गुजरा साल सबसे खराब रहा। पिछले साल सालों पुराने कई ऐसे अतिक्रमण ध्वस्त किए गए जिनके बारे में लोगों ने कल्पना तक नहीं की थी। पिछले साल के दौरान सबसे बड़ा अतिक्रमण निराला नगर स्लम बस्ती का हटाया गया और कई एकड़ सरकारी जमीन खाली कराई गई। इसके अलावा अंबेडकर बाजार के पीछें पार्किंग जानकी पार्क की दुकानों का अतिक्रमण जिला पंचायत से खन्ना चौराहा तक, बिछिया में तोपखाना के पास का अतिक्रमण हटाया गया। कॉलेज चौराहा का अतिक्रमण हटाया गया। होमगार्ड कार्यालय के पास सड़क के किनारे का सालों पुराना अतिक्रमण हटाया जाकर सड़को चौड़ाई बढ़ाई गई। इसके अलावा अन्य स्थान से पुराने अतिक्रमण हटाए गए।

तालाबों से साफ की गई जलकुंभी

जल गंगा अभियान के तहत शहर के सबसे महत्वपूर्ण चिरहुला मंदिर के सामने स्थित तालाब को जलकुंभी से मुक्त किया गया यह तालाब पूरी तरह जलकुंभी से पता हुआ था। इसी तरह बांट सागर तलैया से भी जलकुंभी की सफाई की गई। इसके अलावा शहर के प्राचीन 90 को की सफाई कर उन्हें पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया गया है। इसके तहत 31 कुओं को पुनर्जीवित किया जा चुका है।

फाइव स्टार का रैंक हासिल किया

स्वच्छता के मामले में नगर निगम रीवा ने गुजरे साल में उल्लेखनीय प्रगति की है। स्वच्छता राय के मामले में पिछले कई वर्षों से 3 स्टार में अटके नगर निगम रीवा को फाइव स्टार रैंक प्राप्त हुआ। फाइव स्टार रैंक स्वच्छता के मामले में की गई उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाता है। घर घर जाकर गाड़ियां कचरा संग्रह करके स्वच्छता अभियान में जुटी हुई है। नगर निगम रीवा ने न केवल फाइव स्टार का रैंक हासिल किया है बल्कि शहर सीवर के गंदे जल के शोधन की हाईटेक तकनीक का अध्ययन करने के लिए नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे को प्रदेश सरकार की ओर से इजरायल भेजा गया। डॉ. सौरभ सोनवणे इजराइल जाने वाले देश के 20 अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे।

एनर्जी ऑडिट से खर्च कम किया

नगर निगम रीवा ने खपत होने वाली बिजली की ऑडिट कराकर इसके बिलों में होने वाले भारी भरकम खर्चों को काम करने का अनुकरणीय प्रयास किया है। इसके तहत नगर निगम रीवा प्रदेश का ऐसा पहला नगर निगम बना जिसने अपनी स्वयं की एनर्जी एडिट कराई है। इसके माध्यम से नगर निगम के बिजली खर्चों में उल्लेखीय कमी आई है।

हैप्पी स्ट्रीट का आयोजन एक नवाचार

नगर निगम द्वारा नवनिर्मित अटल पार्क में हैप्पी स्टेट का आयोजन किया जाकर नवाचार किया गया। इसके माध्यम से बच्चों से लेकर वृद्ध तक के लिए पुराने पारंपरिक खेलों का आयोजन किया जाता है। बड़ा दौड़ कुर्सी दौड़ रास्ता काशी साइकिल स्टंट जुंबा आज खेलों के माध्यम से लोगों का मनोरंजन किया जाता है।

जीवन रक्षक सीपीआर पद्धति के प्रति किया जागरूक

व्यंकट संस्कृत कॉलेज में फेस संस्था की वर्कशॉप

रीवा। फेस संस्था रीवा द्वारा शासकीय व्यंकट संस्कृत महाविद्यालय, रीवा में जीवन रक्षक तकनीक सी.पी.आर. (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) पर आधारित एक जागरुकता वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में फेस संस्था की मास्टर ट्रेनर डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी ने सी.पी.आर. से संबंधित सूक्ष्म एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सी.पी.आर. देने की सही विधि का व्यावहारिक डेमो भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कल्पना तिवारी, समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी ने प्रतिभागियों को बताया कि हृदय गति रुकने या अचानक बेहोशी की स्थिति में समय पर दी गई सी.पी.आर. किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य एवं महाविद्यालय के स्टाफ द्वारा फेस संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा गया कि जनहित में किया जा रहा यह कार्य अत्यंत प्रशंसनीय एवं समाज के लिए आवश्यक है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर फेस संस्था का स्टाफ भी उपस्थित रहा, जिनकी भूमिका आयोजन को सफल बनाने में सराहनीय रही। उल्लेखनीय है कि फेस संस्था विगत कई माहों से जन जागरुकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं शासकीय कार्यालयों में सी.पी.आर. वर्कशॉप आयोजित कर आमजन को जीवन रक्षक सी.पी.आर. पद्धति के प्रति जागरूक कर रही है।

पहले दिन मुनादी की, दूसरे दिन पेड़ पर टंगा बैनर फाड़ा, फिर भी अतिक्रमण नहीं हटा

उड़नदस्ता वाहनों में बैठे जिम्मेदार अतिक्रमण हटाने के नाम पर कर रहे खिलवाड़

जागरण, रीवा। शहर से अतिक्रमण हटाने के लिए वरिष्ठ अधिकारी भरसक प्रयास कर रहे हैं, किन्तु जिन्हें अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह बखूबी अपना दायित्व न निभाते हुए अतिक्रमण हटाने के नाम पर महज खिलवाड़ कर रहे हैं। शहर को अतिक्रमण मुक्त करने निगम द्वारा उड़नदस्ते को वाहन दे रखे हैं जिनमें प्रतिदिन दर्जनों लीटर डीजल फूंका जा रहा है, लेकिन उसका प्रतिफल निगम को नहीं मिल पा रहा। शहर में किए गए अतिक्रमण यथावत देखने को मिल रहे हैं, यदि कहीं से अतिक्रमण हटाया भी जाता है तो दूसरे-तीसरे दिन वहां पुनः पुरानी स्थिति देखने को मिलती है। अतिक्रमण हटाने वाले उड़नदस्ते में शामिल अधिकारी, कर्मचारी सिर्फ टाइम पास कर रहे हैं। मंगलवार को सिरमौर चौराहे पर निगम का उड़नदस्ता वाहन खड़ा था, जिसमें बैठे जिम्मेदारों ने निर्धारित स्थान पर ही अपने ठेले लगाए, जहां जगह दी गई वहीं लगाए उक्ताशय की मुनादी की और उड़नदस्ता वाहन वहां से चल दिया। बुधवार को उड़नदस्ता वाहन फिर कॉलेज चौराहे पर आया और उसमें हाथ में लकड़ी लेकर लटके एक कर्मचारी ने पेड़ पर लगा बैनर लकड़ी से खींचा और दुकानदार को चिल्लाकर बोले के यहां से दुकानें हटाओ, दुकानदार उस समय तो अपना सामान समेटने लगा जिसके चलते उड़नदस्ता वाहन वहां से रवाना हो गया, दुकानपदारने सामान समेटना बंद कर दिया। इसी दुकान के आगे एक अन्य दुकान भी एनसीसी मैदान की बाउंड्री पर सजी थी, उसके भी हिदायत देते हुए उड़नदस्ता वाहन सिविल लाइन जाने वाले रास्ते पर मुड़ गया। जिन दुकानदारों को उड़नदस्ते वाहन में बैठे अधिकारी, कर्मचारी दुकान हटाने की हिदायत देकर गए थे उनकी दुकानें शाम तक यथावत वहीं सजी रही, जिससे जाहिर होता है या तो उड़नदस्ते में शामिल अधिकारी, कर्मचारियों का अतिक्रमणकारियों में भय नहीं अथवा किए गए अतिक्रमण में उनकी मौन स्वीकृति शामिल हो?

क्रिसमस पर्व को लेकर प्रार्थना करते हुए ईसाई समाज के लोग।

वर्ष 73 अंक 87 पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 25 दिसंबर, 2025
पौष शुक्ल पक्ष 05, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
www.dainikjagranmpcg.com

साहस रखो, मेरे मित्रो; एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए अभी देर नहीं हुई है।
-टॉमी डगलस

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा 39 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड

रांची, जेएनएन। भारतीय क्रिकेट की युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी (84 गेंद 190 रन) ने बुधवार को विजय हजारे ट्रॉफी के पहले दिन शतक जड़कर इतिहास रच दिया। वह 14 साल और 272 दिन की उम्र में पुरुषों की लिस्ट-ए क्रिकेट में शतक जड़ने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले रिकॉर्ड जहूर इलाही का था, जिन्होंने पाकिस्तान रेलवे के खिलाफ 1986 में 15 साल और 209 दिन की उम्र में शतक लगाया था। यह वैभव का लिस्ट-ए में केवल सातवां मैच था। सूर्यवंशी ने सिर्फ 36 गेंदों में शतक पूरा किया, जो टी-20 के इतर सीनियर क्रिकेट में उनका पहला शतक है। सूर्यवंशी ने 59 गेंदों में 150 रन पूरे किए, जो कि विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने एबी डिविलियर्स का रिकॉर्ड तोड़ा। डिविलियर्स ने 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सिर्फ 64 गेंदों में 150 रन बनाए थे। सूर्यवंशी के नाम सीनियर क्रिकेट में अब चार शतक हैं, जिसमें से तीन शतक टी-20 में आए हैं। इससे पहले 15 साल की उम्र से पहले और किसी ने लिस्ट ए और टी-20 में शतक नहीं लगाया था।

सुनवाई के बीच एनएचएआई ने काटे 35 सौ से ज्यादा पेड़

एनजीटी सख्त: अगली सुनवाई तक पेड़ों की कटाई पर लगाई रोक, मांगी जानकारी

जागरण संवाददाता, भोपाल। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) द्वारा अयोध्या बायपास के चौड़ीकरण के लिए की जा रही पेड़ों की कटाई पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की सेंट्रल जोन बेंच ने 8 जनवरी तक रोक लगा दी है। इस मामले में एनएचएआई ने बेंच की अवमानना भी की है, क्योंकि 22 दिसंबर को मामले की सुनवाई के बाद पेड़ों की कटाई पर रोक थी, लेकिन 23 और 24 दिसंबर को 12 किमी लंबी सड़क पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई करते हुए 3500 से ज्यादा पेड़ काट दिए गए।

एनएचएआई के कॉन्ट्रेक्टर ने यह कटाई 12 किमी लंबी गांधी नगर से मिनाल के गेट नंबर-4 तक की सड़क पर की है। अब केवल मिनाल गेट नंबर-4 से रत्नागिरी तक के पेड़ों को ही काटा जाना है। इस सड़क की लंबाई केवल 4 किमी है। एनएचएआई ने पेड़ों की कटाई के एवज में किए जाने वाले प्रतिपूरक वनीकरण (कटाई के एवज में विकसित वनक्षेत्र) के आंकड़ों की जानकारी भी अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है, जिसे एनजीटी ने निर्देशों की गंभीर अवमानना माना है। दो दिनों तक चली पेड़ों की कटाई के बाद मुख्य याचिकाकर्ता नितिन सक्सेना ने जस्टिस पुष्पा सत्यनारायणा और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ के समक्ष कटाई पर रोक लगाने की मांग की। जिस पर सुनवाई करते हुए बेंच ने सड़क चौड़ीकरण के कार्य के दौरान पेड़ काटने पर रोक लगा दी है।

अयोध्या बायपास पर पेड़ों की कटाई का दृश्य।

16 किमी लंबी सड़क को किया जाना है 10 लेन

एनएचएआई शहर के अंदर स्थित 16 किमी सड़क को 10-लेन करने के लिए पेड़ काट रही है। इसमें करीब 8,000 से 12,000 पेड़ काटने का अनुमान है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि यह प्रोजेक्ट मध्य प्रदेश वृक्षों का परिरक्षण (नगरीय क्षेत्र) अधिनियम, 2001 के नियमों और ट्रिब्यूनल द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन न करते हुए पूरा किया जा रहा है। इस कारण इस पर रोक लगाई जानी चाहिए। क्योंकि निर्माणाधीन एजेंसी ने काटे गए पेड़ों के एवज में प्रतिपूरक वनीकरण कहां किया जाएगा। इसके आंकड़े व जानकारी सार्वजनिक नहीं की है।

इसलिए लगाई गई रोक

मामले में एनजीटी ने पाया है कि पेड़ों की कटाई के वैकल्पिक रास्तों और प्रतिपूरक वनीकरण पर विचार करने के लिए बनाई गई सेंट्रली एम्पावर्ड कमेटी की बैठक के नतीजे सार्वजनिक किए बिना ही एनएचएआई ने जल्दबाजी में पेड़ काट दिए। साथ ही एनएचएआई ने यह कटाई एनजीटी में चल रही सुनवाई के बीच की है। इस पर बेंच ने सख्त रुख अपनाते हुए निर्देश दिया है कि कमेटी की बैठक के मिनट्स अभी तक पेश नहीं किए गए हैं, इसलिए अगली सुनवाई तक परियोजना स्थल पर पेड़ों की कटाई पर पूर्ण रूप से रोक रहेगी।

एक साल में साढ़े 6 लाख करोड़ के काम पूर्णता की ओर: सीएम

केंद्रीय मंत्री शाह पहुंचे ग्वालियर, आज ग्रोथ समिट में लेंगे भाग

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उद्योग और रोजगार वर्ष के दौरान राज्य में लगभग 8.5 लाख करोड़ के औद्योगिक विकास कार्यों को धरातल पर लाने का कार्य प्रारंभ हुआ है। इसमें अब तक 6.5 लाख करोड़ लागत के कार्य पूर्ण हो रहे हैं, इनमें शामिल कई इकाइयों ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में गुरुवार को एक साथ 2 लाख करोड़ के विकास कार्यों की सौगात प्रदेशवासियों को मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने समूचे प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में काम करना शुरू किया है। वर्ष 2025 को उद्योग और रोजगार वर्ष के रूप में मनाया गया है। इसमें प्रदेश में उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में बड़ी सफलता मिली है। कई उद्योग जहां स्थापित होने के लिए निर्माणाधीन स्थिति में हैं, तो कुछ ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है। सीएम ने बताया कि शुक्रवार को ग्वालियर में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर आयोजित अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट में केंद्रीय मंत्री शाह भाग लेंगे। जिसमें 2 लाख करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल निवेश प्रस्तावों और औद्योगिक घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस समग्र सोच को सामने लाता है, जिसमें उद्योग, नगरीय विकास, पर्यटन, एमएसएमई, स्टार्ट-अप और रोजगार एक साथ आगे बढ़ते हुए दिखाई देते हैं। यही वजह है कि यह समिट राज्य की विकास यात्रा में एक साधारण कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक समन्वित विकास मंच के रूप में उभर रहा है।

रीवा में प्राकृतिक खेती प्रकल्प का शुभारंभ करेंगे शाह

ग्वालियर के आयोजन के बाद केंद्रीय मंत्री शाह मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ रीवा पहुंचेंगे, जहां उनके द्वारा किसान सम्मेलन में भाग लेकर रीवा के बसामन मामा गौ अभ्यारण्य में प्राकृतिक खेती प्रकल्प का शुभारंभ किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि डॉ. यादव ने वर्ष 2026 को कृषि वर्ष घोषित किया है। जिसकी औपचारिक शुरुआत रीवा के कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री शाह द्वारा की जाएगी।

वाजपेयी के पैतृक निवास जाएंगे शाह

ग्वालियर प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री अमित शाह गुरुवार 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के ग्वालियर के शिंदे की छावनी क्षेत्र के कमल सिंह बाग स्थित पैतृक निवास जाएंगे। जहां उनके द्वारा स्व. वाजपेयी को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि दी जाएगी। यहां से शाह सीधे ग्वालियर मेला मैदान पहुंचेंगे, जहां ग्रोथ समिट में शामिल होंगे।

राष्ट्रद्रोह के आरोप में नोटिस

राहुल, सोनिया, प्रियंका से 5 तक जवाब तलब

लखनऊ, जेएनएन। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और मल्लिकार्जुन खड़गे को लखनऊ की एमपी/एमएलए कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। यह नोटिस राहुल गांधी के एक बयान को लेकर है। कोर्ट ने सभी पक्षों को 5 जनवरी 2026 तक जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। आरोप के मुताबिक, 15 जनवरी 2025 को नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' के उद्घाटन कार्यक्रम में राहुल ने कहा था कि 'हमारी लड़ाई भाजपा, आरएसएस और इंडियन स्टेट से है।' शिकायतकर्ता का दावा है कि यह बयान भारत राष्ट्र और उसकी संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ है। कोर्ट में 'इंडियन स्टेट' की व्याख्या करते हुए कहा गया कि इसका अर्थ केवल सत्ताधारी दल नहीं बल्कि भारत की संसद, न्यायपालिका, कार्यपालिका और समूची संवैधानिक व्यवस्था है। इस आधार पर भारत की संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ लड़ने की बात करना राष्ट्र की एकता और अखंडता के विरुद्ध माना गया, जिसे राष्ट्रद्रोह की श्रेणी में रखा जा सकता है।

उन्नाव रेप केस: पीड़िता ने राहुल से मांगी मदद

दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देगी सीबीआई

नई दिल्ली, जेएनएन। उन्नाव रेप केस की जांच कर चुकी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया है, जिसमें दोषी पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित करते हुए उसे जमानत दी गई थी। सीबीआई ने बुधवार देर रात जारी बयान में कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ शीघ्र ही विशेष अनुमति याचिका दायर की जाएगी।

एजेंसी ने स्पष्ट किया कि उसने समय पर लिखित जवाब और तर्क अदालत में रखे थे, जबकि पीड़िता का परिवार भी जमानत याचिका का विरोध करता रहा है, क्योंकि उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंका है।

सीबीआई का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब उन्नाव रेप पीड़िता और उनकी मां दिल्ली में हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ लगातार विरोध कर रही हैं। इस दौरान सीआरपीएफ द्वारा कथित बदसलूकी के आरोपों ने देशभर में नाराजगी पैदा की। सामाजिक कार्यकर्ता योगिता भयाना के साथ पीड़िता का परिवार दिल्ली में प्रदर्शन करता नजर आया।

पीड़िता ने भी स्पष्ट किया है कि वह खुद भी दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगी। उन्होंने फैसले को अपने और अपने परिवार के लिए 'काल (मौत) जैसा' बताया है। घटना के कुछ ही घंटों बाद पीड़िता और उनकी मां ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से मुलाकात की। पीड़िता ने कानूनी लड़ाई के लिए एक वरिष्ठ वकील उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इसके साथ ही, उन्होंने अपनी जान को खतरा बताते हुए मामले को कांग्रेस शासित राज्य में स्थानांतरित करने की मांग रखी। पीड़िता का कहना है कि दोषसिद्धि के बाद उन्हें और उनके परिवार को दी गई सुरक्षा पहले ही हटा ली गई है।

मंडी हाउस पर प्रदर्शन में हंगामा

बुधवार को पीड़िता, उनकी मां मंडी हाउस में मीडिया को संबोधित करना चाहते थे, लेकिन सीआरपीएफ ने उन्हें रोक दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पीड़िता की बुजुर्ग मां को चलती बस से उतरने के लिए मजबूर किया गया, जबकि पीड़िता को बस में ही बैठाए रखा गया। इस दौरान बस में महिला सुरक्षाकर्मियों की अनुपस्थिति पर भी सवाल उठे।

कैट 2025: 12 अभ्यर्थियों ने 100 पर्सेंटाइल स्कोर किया

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोझिकोड ने बुधवार को कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) 2025 का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। कैट 2025 का आयोजन 30 नवंबर 2025 को देश के 170 शहरों में स्थित 339 परीक्षा केंद्रों पर किया गया था। इस साल परीक्षा के लिए कुल 2.95 लाख उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिनमें से 2.58 लाख परीक्षार्थी वास्तव में परीक्षा में शामिल हुए। कैट 2025 में 12 उम्मीदवारों ने 100 पर्सेंटाइल स्कोर किया है। इनमें सबसे ज्यादा टॉपर दिल्ली से हैं, जबकि हरियाणा और गुजरात दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा 26 उम्मीदवारों ने 99.99 पर्सेंटाइल, 26 उम्मीदवारों ने 99.9 और 99.8 पर्सेंटाइल हासिल किया है। 99.99 पर्सेंटाइल पाने वालों में हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों के छात्र शामिल हैं। भोपाल के आकाशदीप गोयल ने 99.67 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। शामिल उम्मीदवारों में 1.61 लाख पुरुष, 97 हजार महिला और 9 ट्रांसजेंडर उम्मीदवार शामिल थे।

कट ऑफ के बाद होगा मुकाबला

रिजल्ट जारी होने के बाद अब शॉर्ट लिस्टिंग शुरू होगी। हर आईआईएम अपनी अलग-अलग कट ऑफ पर्सेंटाइल तय करता है। जो उम्मीदवार इस न्यूनतम कट ऑफ को पूरा करेंगे, उन्हें दूसरे चरण के लिए बुलाया जाएगा। कट ऑफ टॉप आईआईएम के लिए ऊंचा होता है। शॉर्ट लिस्ट किए गए उम्मीदवारों को चयन के दूसरे चरण से गुजरना होगा। इसमें लिखित परीक्षा, पर्सनल इंटरव्यू और कुछ संस्थान ग्रुप डिस्कशन या अन्य मूल्यांकन पद्धतियां भी अपनाते हैं। इस चरण में उम्मीदवार की सोच, व्यक्तित्व, संचार कौशल और प्रबंधन क्षमता को परखा जाता है।

महाराष्ट्र: 20 साल बाद ठाकरे बंधुओं के बीच चुनावी गठबंधन

राज-उद्धव बोले- हमारी सोच एक जैसी, मराठी अस्मिता के लिए साथ

मुंबई, जेएनएन। बुधवार को महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़ा और प्रतीकात्मक मोड़ आया है। करीब 20 साल बाद ठाकरे परिवार एक बार फिर चुनावी मंच पर एकजुट नजर आया। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मुंबई में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव एक साथ लड़ने का ऐलान किया। इसके साथ ही शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बीच औपचारिक चुनावी गठबंधन हो गया।

इससे पहले दोनों नेताओं ने शिवाजी पार्क स्थित बालासाहेब ठाकरे स्मारक पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद मंच पर दोनों परिवारों की मौजूदगी ने गठबंधन को सियासी के साथ भावनात्मक संदेश भी दिया। महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 नगर निगमों के लिए 15 जनवरी को मतदान होगा, 16 जनवरी को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

बंटेंगे तो मिट जाएंगे: उद्धव

उद्धव ने कहा, 'हमारी सोच एक है। महाराष्ट्र और मराठी अस्मिता के लिए हम एक हैं। हम बंटेंगे तो बिखरेंगे। अगर अब चूक हुई तो सब खत्म हो जाएगा।

मुंबई का मेयर मराठी होगा

राज ठाकरे ने कहा, हमारी आपसी लड़ाइयों से महाराष्ट्र बड़ा है। यह फैसला उसी सोच का नतीजा है। मुंबई का मेयर मराठी होगा। वह हमारे गठबंधन से होगा।

देवास: अतिक्रमण हटाने से नाराज दंपति ने लगाई आग

इंदौर रेफर, तहसीलदार और सीएमओ निलंबित

जागरण, सतवास। देवास जिले के सतवास में बुधवार को अतिक्रमण हटाने से नाराज एक दंपति ने प्रशासनिक अमले के सामने खुद को आग के हवाले कर दिया। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दंपति को इंदौर रेफर कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार सतवास नगर के वार्ड क्रमांक 5 में नाले पर अतिक्रमण कर मकान बनाने की शिकायत की गई थी। कलेक्टर और एसडीएम के निर्देश पर तहसीलदार अरविंद दिवाकर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को अंजाम देने लगे। इसी बीच अतिक्रमणकर्ता परिवार के संतोष व्यास और पत्नी जयश्री व्यास ने कार्रवाई को भेदभावपूर्ण बताते हुए खुद को आग लगा ली। लोगों के गुस्से की वजह से तहसीलदार सहित प्रशासनिक अमले को जान बचाकर मौके से भागना पड़ा। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने तहसीलदार और सीएमओ चुन्नी लाल जोनवाल को निलंबित कर दिया है।

वायु प्रदूषण | राजधानी की बिगड़ती हवा पर दिल्ली हाईकोर्ट का केंद्र सरकार से सवाल

साफ हवा नहीं तो एयर प्यूरीफायर पर 18% जीएसटी क्यों

नई दिल्ली, जेएनएन। राजधानी दिल्ली में लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से कड़ा सवाल किया है। अदालत ने पूछा कि जब हालात 'एयर इमरजेंसी' जैसे बने हुए हैं और सरकार नागरिकों को साफ हवा उपलब्ध कराने में नाकाम है, तो फिर एयर प्यूरीफायर पर 18 फीसदी जीएसटी क्यों लगाया जा रहा है। कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसी स्थिति में एयर प्यूरीफायर को 'लग्जरी आइटम' मानना तर्कसंगत नहीं है। मामले की अगली सुनवाई 26 दिसंबर को होगी।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गडेला की डिवीजन बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि हर नागरिक को साफ हवा में सांस लेने का मौलिक अधिकार है। जब राज्य यह बुनियादी जिम्मेदारी निभाने में असफल है, कम से कम ऐसे उपकरणों पर कर बोझ घटाया जाना चाहिए, जो लोगों को जहरीली हवा से बचाने में मदद करते हैं। अदालत ने साफ किया कि वह केवल तारीखें नहीं चाहती, बल्कि मौजूदा हालात में ठोस प्रस्ताव देखना चाहती है।कोर्ट ने केंद्र सरकार के वकील से दोपहर बाद विस्तृत जवाब मांगा और संकेत दिया कि यदि दीर्घकालिक समाधान में समय लगता है, तो अस्थायी टैक्स राहत जैसे कदमों पर भी विचार किया जा सकता है- भले ही वह 15 दिनों या किसी तय अवधि के लिए क्यों न हो। याचिका एडवोकेट कपिल मदान ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि केंद्र की अधिसूचना के अनुसार, एयर प्यूरीफायर 'मेडिकल डिवाइस' की परिभाषा में आते हैं।

18 फीसदी से 5 फीसदी जीएसटी की मांग

अदालत के समक्ष दायर जनहित याचिका में मांग की गई है कि एयर प्यूरीफायर को मेडिकल डिवाइस की श्रेणी में रखा जाए और इन पर जीएसटी 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया जाए। याचिका में दलील दी गई कि खराब से गंभीर एक्यूआई के दौर में एयर प्यूरीफायर अब विलासिता नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सुरक्षा का साधन बन चुके हैं।

गडकरी का बयान: 40 फीसदी प्रदूषण ट्रांसपोर्ट सेक्टर से

इसी बीच सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम में स्वीकार किया कि दिल्ली के प्रदूषण का करीब 40 फीसदी हिस्सा ट्रांसपोर्ट सेक्टर से आता है। उन्होंने कहा, 'दिल्ली में दो-तीन दिन रहने पर मुझे खुद इन्फेक्शन हो जाता है। प्रदूषण का बड़ा हिस्सा उस सेक्टर से फैल रहा है, जिसका मैं मंत्री हूं।'

कोर्ट की तीखी टिप्पणियां

- जब सरकार खुद साफ हवा देने में विफल है, तो एयर प्यूरीफायर पर टैक्स घटाना सबसे बुनियादी राहत हो सकती है।
- लोग कब तक इंतजार करें? एक व्यक्ति दिन में करीब 21 हजार बार सांस लेता है, और जहरीली हवा का सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है।
- जब हालात एयर इमरजेंसी जैसे हों, तो क्या आपात प्रावधानों के तहत अस्थायी जीएसटी छूट नहीं दी जा सकती?

सरकार का पक्ष: फैसला जीएसटी काउंसिल लेगी

केंद्र सरकार की ओर से पेश वकील ने कहा कि एयर प्यूरीफायर पर टैक्स से जुड़ा फैसला जीएसटी काउंसिल के अधिकार क्षेत्र में आता है। यह एक पॉलिसी निर्णय है, जिसमें सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल होते हैं और इसकी एक तय प्रक्रिया है।

याचिकाकर्ता के तर्क: याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट अरविंद नायर ने तर्क दिया कि 2020 की अधिसूचना में सांस लेने से जुड़े उपकरणों को शामिल किया गया है और सरकार चाहें तो आसानी से एयर प्यूरीफायर को उस सूची में जोड़ सकती है।

कोर्ट की टिप्पणी: इस पर कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में कोई कारण नहीं दिखता कि अधिसूचना के आधार पर एयर प्यूरीफायर को 5 फीसदी जीएसटी क्यों न मिले।

16 साल ट्रायल के बाद एसिड अटैक केस में आरोपी बरी

पीड़िता बोली- हाथों-हाथ ही बदला ले लेना चाहिए था

नई दिल्ली, जेएनएन। हरियाणा के पानीपत की मैनेजमेंट स्टूडेंट शाहीन मलिक पर हुए सनसनीखेज एसिड अटैक मामले में 16 साल बाद आया फैसला पीड़िता के लिए गहरे सदमे और सवालों के साथ आया है। दिल्ली की रोहिणी कोर्ट ने साल 2009 के इस मामले में सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। बुधवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जगमोहन सिंह ने फैसला सुनाते हुए कहा कि पुलिस जांच में गंभीर खामियां रहीं, जिसके चलते आरोप साबित नहीं हो सके। फैसले के वक्त कोर्ट परिसर में मौजूद शाहीन ने रोते हुए कहा, '16 साल तक अदालतों के चक्कर लगाने के बाद अगर यही नतीजा निकलना था, तो शायद उसी वक्त हाथों-हाथ बदला ले लेना चाहिए था।' गौरतलब है कि 2009 में शाहीन पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी, पानीपत में एमबीए की छात्रा थीं। उनके तत्कालीन बॉस ने, जो शादीशुदा था, लंबे समय तक उनका मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न किया। पुलिस जांच में सामने आया था कि विवाद बढ़ने पर आरोपी की पत्नी ने यूनिवर्सिटी के ही एक छात्र के साथ मिलकर शाहीन पर एसिड अटैक की साजिश रची।

हमले ने शाहीन की जिंदगी पूरी तरह बदल दी। यह मामला उस दौर में देशभर में चर्चा का विषय बना और एसिड अटैक के खिलाफ आक्रोश भी देखने को मिला था। केस की गंभीरता को देखते हुए साल 2013 में ट्रायल हरियाणा से दिल्ली ट्रांसफर कर दिया गया था। इसी मामले के दौरान एसिड अटैक का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

आशंका में घिर रहे मतदाता सूची से बाहर हुए लोग

बिहार की तर्ज पर अब अन्य राज्यों में भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में लोगों के नाम इस सूची से हटाए जाने की आशंका है। चुनाव आयोग की ओर से हाल में जारी मसौदा सूची में मध्यप्रदेश में 42 लाख , तमिलनाडु में 97.40 लाख और गुजरात में 73.73 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। लोगों को मतदाता सूची से बाहर रखने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें समय पर आवश्यक दस्तावेज दर्ज न कराना भी शामिल है।

अंतिम सूची जारी होने से पहले ऐसे लोगों को अपनी आपत्तियां और दावे पेश करने का मौका दिया जाएगा और संभव है कि कई मतदाताओं के नाम फिर से जुड़ जाएंगे। मसौदा सूची के आंकड़ों पर गौर किया जाए, तो उससे यही लगता है कि नाम दर्ज कराने के आखिरी अवसर के बाद भी बड़ी संख्या में लोग इस सूची से बाहर रह जाएंगे। सवाल है कि अगर इन लोगों के पास मतदान की पात्रता नही है, तो पहले इनका नाम क्यों और कैसे मतदाता सूची में था?

बिहार में एसआइआर की प्रक्रिया को लेकर सबसे पहले पहचान पत्र के मसले पर विवाद पैदा हुआ था। चुनाव आयोग ने आधार कार्ड को नागरिकता का पहचान पत्र मानने से इनकार दिया था। बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर आधार को पहचान पत्र के दस्तावेजों में शामिल किया गया। बिहार में भी मसौदा सूची में करीब पैंसठ लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे।

हालांकि बाद में उसमें कई नाम जोड़े गए, इसके बावजूद अंतिम सूची में करीब सैंतालीस लाख लोग मतदाता सूची से बाहर हो गए। शीर्ष अदालत ने इस पर सूची से हटाए गए लोगों का कारण सहित विस्तृत ब्योरा मांगा। यही स्थिति अब अन्य राज्यों में भी देखने को मिल रही है। इस सबके बीच विशेष पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को भी कसौटी पर कसा जा रहा है। पश्चिम बंगाल में तो मसविदा सूची से हटाए गए लोगों का सत्तारूढ़ दल ने अपने स्तर पर सत्यापन करने की मुहिम शुरू कर दी है।

ऐसे में यह सवाल महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि आखिर चुनाव आयोग पर आम लोगों और राजनीतिक दलों का भरोसा क्यों डगमगाने लगा है? इसमें दोराय नहीं है कि चुनावी प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखने के लिए मतदाता सूची में समय-समय पर संशोधन कर अपात्र लोगों या मृतकों के नाम हटाए जाने जरूरी है।

मगर इस प्रक्रिया में पारदर्शिता का पैमाना भी उतना ही आवश्यक है, ताकि न तो किसी के मन में कोई आशंका रहे और न ही कहीं से कोई सवाल उठने की गुंजाइश बचे। यह चुनाव आयोग की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि अगर किसी को कोई आशंका हो, तो उसका तत्काल निराकरण किया जाए। ऐसा न होने पर आयोग की विश्वसनीयता पर अंगुली उठना स्वाभाविक है। एसआईआर को 21 साल बाद अंजाम दिया जा रहा है। वोटर लिस्ट में समय-समय पर सुधार जरूरी है और इस प्रक्रिया के औचित्य पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता, लेकिन इसे अंजाम देने के तरीके पर जरूर ध्यान देना चाहिए।

एसआईआर का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे। एक अहम सवाल यह भी है कि जिन लोगों को मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाएगा, उनका भविष्य क्या होगा? क्या वे देश के नागरिक बने रहेंगे या नहीं, क्योंकि देश के हर नागरिक को मतदान का अधिकार है और जब उनका यही अधिकार खत्म हो जाएगा, तो उनकी नागरिकता पर भी देर-सवेर सवाल उठेगा ही। यह चिंता इसलिए गंभीर है, क्योंकि देश भर में गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची से बाहर होने वाले लोगों की संख्या करोड़ों में हो सकती है। चुनाव आयोग और सरकार को इस पहलू को भी ध्यान में रखना होगा।

ग्रामीण आजीविका को मजबूत करता है नया अधिनियम

रोजगार गारंटी मिशन

शिवराज सिंह चौहान

> भारत के राष्ट्रपति ने विकसित भारत- रोज़गार और आजीविका के लिये गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 को मंजूरी दी है। यह कानून वैधानिक मजदूरी रोजगार गारंटी को बढ़ाकर 125 दिन करता है और सशक्तिकरण, विभिन्न योजनाओं के आपसी समन्वय और व्यापक वितरण के माध्यम से ग्रामीण आजीविका को मजबूत करता है, ताकि ग्रामीण भारत मजबूत, सक्षम और आत्मनिर्भर बन सके।

वीबी- जी राम जी अधिनियम लागू होते ही कुछ लोगों ने ऐसी बातें कही हैं, जो गहराई से देखने पर सही नहीं ठहरतीं। कहा जा रहा है कि रोजगार गारंटी कमजोर कर दी गई है, विकेंद्रीकरण और मांग-आधारित अधिकारों को बिना परामर्श के कमज़ोर किया गया है और यह सुधार असल में राजकोषीय खर्च घटाने का तरीका है, जिसे ढांचे में बदलाव के रूप में पेश किया जा रहा है। लेकिन ये सभी दावे इस कानून के असली उद्देश्य और प्रावधानों को ठीक से न समझ पाने के कारण किए जा रहे हैं।

इस गलतफहमी का मूल कारण एक गहरी वैचारिक त्रुटि है- यह मान लेना कि कल्याण और विकास एक दूसरे के विरोधी विकल्प हैं। नया ढांचा इसके बिल्कुल उलट सोच पर आधारित है - कल्याण, जो कि वैधानिक आजीविका गारंटी को मजबूत करने पर केंद्रित है, और विकास, जो कि टिकाऊ बुनियादी ढांचे के निर्माण और उत्पादकता वृद्धि पर केंद्रित है, परस्पर एक दूसरे को मजबूत करते हैं। आय सहायता, संपत्ति सृजन, कृषि स्थिरता और लंबे समय की ग्रामीण उत्पादकता को अलग-अलग नहीं, बल्कि एक साथ चलने वाली प्रक्रिया माना गया है। यह केवल कोरी कल्पना नहीं है, बल्कि कानूनी संरचना में ही शामिल सोच है।

यह कहना कि कानूनी रोजगार अधिकार कमजोर कर दिया गया है, सही नहीं है। इस कानून में रोजगार गारंटी का वैधानिक और न्यायिक अधिकार बरकरार रखते हुए उसे और मजबूत किया गया है। अधिकार घटाने के बजाय इसे 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। पहले जो प्रक्रियागत शर्तें बेरोजगारी भत्ता मिलने में रुकावट बन जाती थीं, उन्हें हटा दिया गया है और समयबद्ध शिकायत निवारण व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है।

यह भी कहा जा रहा है कि मांग-आधारित रोजगार छोड़कर ऊपर से थोपे गए योजनागत मॉडल को लागू कर दिया गया है। यह भी एक गलत धारणा है। काम की मांग पहले की तरह ग्रामीण मजदूरों से ही आती है। फर्क यह है कि अब काम तभी शुरू नहीं किया जाएगा जब मजबूरी या संकट बढ़ जाए, बल्कि पहले से ही भागीदारी आधारित ग्राम-स्तरीय योजना बनाकर तैयारी कर ली जाएगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि जब मजदूर काम मांगें, तो उनके लिए तुरंत काम उपलब्ध हो, और प्रशासनिक तैयारी न होने के कारण उन्हें मना न किया जाए।

केंद्रीकरण का आरोप इस कानून की पूरी संरचना को नज़रअंदाज़ करता है। ग्राम पंचायतें पहले की तरह ही योजना बनाने और लागू करने की प्रमुख संस्था बनी रहती हैं और ग्राम सभाओं के पास स्थानीय योजनाओं को मंजूरी देने का अधिकार यथावत है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब विकेंद्रीकरण बिना व्यवस्था के या कभी-कभार होने वाली प्रक्रिया नहीं रहेगा, बल्कि एक नियमित, व्यवस्थित और सहभागी प्रणाली के रूप में होगा। विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं को ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जोड़ा जाएगा ताकि विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर तालमेल, समन्वय और पारदर्शिता हो सके। केंद्रित किया गया है सिर्फ व्यवस्था और सामंजस्य को, निर्णय लेने का अधिकार स्थानीय ही रहेगा। इस तरह यह कानून बिखराव को ठीक करता है, विकेंद्रीकरण को कमज़ोर नहीं करता।

यह आरोप भी सही नहीं है कि इस सुधार को बिना किसी परामर्श के लागू कर दिया गया। इस विधेयक से पहले राज्य सरकारों के साथ व्यापक विचार-विमर्श, तकनीकी कार्यशालाएँ और विभिन्न हितधारकों के साथ विस्तृत चर्चाएँ की गईं। यह धारणा भी तथ्यों से मेल नहीं खाती कि पिछले दशक में रोजगार गारंटी को लगातार कमजोर किया गया। बजट आवंटन 2013-14 के रु 33,000 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में रु 2,86,000 करोड़ हो गया। महिलाओं की भागीदारी 48 फीसद से बढ़कर 56.73 फीसद हो गई। अब 99 फीसद से अधिक फंड ट्रांसफर आदेश समय पर जारी होते हैं। ये सभी रुझान उपेक्षा नहीं, बल्कि निरंतर प्रतिबद्धता और बेहतर प्रदर्शन को दिखाते हैं।

नए कानून के तहत की गई वित्तीय व्यवस्था को भी गलत तरीके से सरकारी जिम्मेदारी छोड़ने के रूप में गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है। सच यह है कि केंद्र सरकार का योगदान बढ़ रहा है। केंद्र का हिस्सा रु 86,000 करोड़ से बढ़कर लगभग रु 2,95,000 करोड़ तक हो रहा है, जो ग्रामीण रोजगार के प्रति मजबूत और बढ़ते समर्थन को दर्शाता है। 60:40 की फंडिंग व्यवस्था वैसे ही है जैसी अन्य केंद्रीय सहायता प्राप्त योजनाओं में वर्षों से लागू है, जबकि पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों तथा जम्मू-कश्मीर के लिए 90:10 का अलग अनुपात रखा गया है। इसलिए यह किसी तरह की वित्तीय पीछे हटने का संकेत नहीं,बल्कि साझा जिम्मेदारी और जवाबदेही को और मजबूत करने का संकेत है। राज्यों को सिर्फ लागू करने वाली एजेंसियों की तरह नहीं, बल्कि विकास के भागीदार के रूप में देखा गया है, जिन्हें कानूनी ढांचे के भीतर अपनी योजना अधिसूचित करने और लागू करने का अधिकार दिया गया है। लचीलापन भी बरकरार रखा गया है। इस तरह नियम-आधारित आवंटन और परिस्थितियों के अनुसार लचीलापन, दोनों के बीच संतुलन बनाते हुए सहकारी संघवाद को मजबूत किया गया है। यह कानून राज्यों को यह अधिकार देता है कि वे पहले से ही एक वित्तीय वर्ष में कुल 60 दिनों की अवधि तय कर सकें, जो बुआई और कटाई जैसे कृषि के व्यस्त मौसमों को कवर करे, और उन दिनों के दौरान काम न कराया जाए। यह घोषणा ज़िला, ब्लॉक या ग्राम पंचायत स्तर पर, स्थानीय मौसम और कृषि परिस्थितियों के आधार पर अलग-अलग ढंग से की जा सकती है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि बढ़ी हुई रोजगार गारंटी कृषि कार्यों में बाधा न बने, बल्कि उसके साथ संतुलन बनाकर चले।

केंद्र सरकार ने खुद स्वीकार किया कि राज्य सरकारें इस योजना के तहत मनमाने ढंग से काम कर रही थीं और मज़दूरी न बढ़ाने का कारण भी राज्यों के अनियंत्रित बढ़ोतरी को बताया। यह स्वीकारोक्ति अपने आप में शासन की एक गंभीर विफलता दिखाती है। 2010-11 में रु2,40,100 करोड़ के बजट को घटाकर 2012-13 तक सिर्फ रु 33,000 करोड़ कर दिया गया, जबकि राज्यों की ओर से मांग बढ़ रही थी। धन जारी करने में देरी, भुगतान में पारदर्शिता की कमी और प्रशासनिक उदासीनता ने मजदूरों को काम मांगने से हतोत्साहित किया, जिससे कानून में दी गई रोजगार गारंटी कमजोर पड़ गई।

महालेखा परीक्षक (कैग) की 2013 की रिपोर्ट ने यूपीए के समय मनरेगा की असल स्थिति उजागर कर दी। रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन सामने आया। जिन राज्यों में सबसे ज्यादा ग्रामीण गरीब हैं-बिहार, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र, वे अपने आवंटित धन का केवल लगभग 20त्न ही खर्च कर पाए। यानी योजना वहीं नाकाम रही, जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। कल्याण और विकास के बीच चयन के रूप में बहस को प्रस्तुत करना गलत है। जब कल्याण मजबूत रोजगार गारंटी पर आधारित हो और विकास टिकाऊ ग्रामीण बुनियादी ढांचे और उत्पादकता पर आधारित हो, तो ये एक-दूसरे के विरोध में नहीं बल्कि एक-दूसरे पर निर्भर हैं। असली निर्णय यह था कि क्या उस ढांचे को स्थिर रखा जाए जो अक्सर उम्मीदों पर खरा नहीं उतरता था, या इसे एक आधुनिक, लागू करने योग्य और एकीकृत रोजगार गारंटी प्रणाली में सुधारा जाए जो विकास के माध्यम से कल्याण को बढ़ावा दे। नया कानून रोजगार का कानूनी अधिकार बनाए रखता है, अधिकारों को बढ़ाता है, श्रमिक सुरक्षा को मजबूत करता है और वर्षों के कार्यान्वयन में सामने आई संरचनात्मक कमजोरियों को ठीक करता है। यह विनाश नहीं, बल्कि नवीनीकरण की प्रक्रिया है।

(लेखक भारत सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री हैं।)

विकसित भारत का कृषि मॉडल: गौ-आधारित प्राकृतिक खेती और स्वस्थ जीवन : राजेन्द्र शुक्ल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विकास के उस मार्ग पर अग्रसर है, जहाँ आर्थिक प्रगति के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सांस्कृतिक मूल्यों को समान महत्व दिया जा रहा है। इसी समग्र दृष्टि के अंतर्गत भारतीय कृषि को भी एक नए युग की ओर ले जाया जा रहा है। कृषि सदियों से हमारी सभ्यता की रीढ़ रही है। आधुनिक युग में रासायनिक उर्वरकों और सिंथेटिक कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भरता ने खेती की लागत बढ़ाने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता, उसकी जलधारण क्षमता और दीर्घकालिक स्थिरता को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप, हमारे भोजन की गुणवत्ता और नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने बार-बार इस बात पर ज़ोर दिया है कि भारत की समस्याओं का समाधान हमारी अपनी परंपराओं और ज्ञान प्रणाली में निहित है। इसी विचार से प्राकृतिक खेती को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन मिल रहा है, जो भारतीय कृषि की मूल आत्मा से जुड़ी हुई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि कृषि को केवल उत्पादन के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, स्थिरता और आत्मनिर्भरता के व्यापक संदर्भ में देखा जाए। भारत की पारंपरिक कृषि व्यवस्था सह-अस्तित्व और संतुलन पर आधारित रही है, जिसमें गौमाता की भूमिका केंद्रीय रही है। गौ केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि उत्पादकता और पोषण सुरक्षा का आधार रही हैं। हमारे पूर्वज जानते थे कि गौवंश का संरक्षण सीधे मिट्टी के स्वास्थ्य से जुड़ा है। गोबर और गोमूत्र से भूमि को पोषण मिलता है, सूक्ष्म जीव सक्रिय होते हैं और मिट्टी पुनः जीवंत होती है। स्वस्थ मिट्टी से प्राप्त अन्न अधिक पौष्टिक, सुरक्षित और मानव शरीर के अनुकूल होता है।

प्राकृतिक खेती कृषि तकनीक नहीं, बल्कि जीवन जीने की पद्धति : प्रधानमंत्री मोदी जी की दृष्टि में प्राकृतिक खेती केवल एक कृषि तकनीक नहीं, बल्कि जीवन जीने की भारतीय पद्धति है। वे इसे किसानों की लागत घटाने, आय बढ़ाने और उन्हें बाहरी निर्भरता से मुक्त करने का सशक्त माध्यम मानते हैं। साथ ही, यह देशवासियों को रसायन-मुक्त, विषरहित भोजन उपलब्ध कराने का मार्ग है। यही कारण है कि प्राकृतिक खेती को आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के लक्ष्य से जोड़ा गया है। प्राकृतिक खेती की कार्यप्रणाली सरल, स्वदेशी और प्रभावशाली है। इसमें गौशालाओं को केवल संरक्षण केंद्र नहीं, बल्कि कृषि आदानों के उत्पादन के आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है। गोबर और गोमूत्र से तैयार जीवामृत, बीजामृत और पंचगव्य जैसे प्राकृतिक इनपुट मिट्टी के सूक्ष्म जीवों को सक्रिय करते हैं और भूमि की उर्वरता को दीर्घकालिक रूप से बढ़ाते हैं। पलवार (मल्चिंग) जैसी तकनीकें मिट्टी की नमी बनाए रखती हैं, जल संरक्षण में सहायक होती हैं और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से फसलों की रक्षा करती हैं। इन उपायों से खेती की लागत में उल्लेखनीय कमी आती है, जिससे शून्य बजट प्राकृतिक खेती का लक्ष्य व्यवहारिक रूप से संभव होता है।

सहकारिता से समृद्धि और संस्थागत शक्ति : प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन बनाने में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी का मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके विजन 'सहकारिता से समृद्धि' के तहत, प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को संगठित किया जा रहा है एवं किसान उत्पादक संगठनों को सशक्त बनाया जा रहा है ताकि छोटे किसानों को न केवल सस्ती दरों पर प्राकृतिक खाद-बीज मिल सकें, बल्कि उनके विषमुक्त उत्पादों को उचित बाजार और लाभकारी मूल्य भी प्राप्त हो सके।

गौ-आधारित प्राकृतिक खेती और सहकारिता का मेल ही ग्रामीण समृद्धि का नया मार्ग है। प्राकृतिक खेती का महत्व केवल खेत तक सीमित नहीं है; इसका सीधा संबंध मानव स्वास्थ्य और जीवनशैली से है। आज जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं, जिनका एक बड़ा कारण रासायनिक अवशेषों से युक्त भोजन है। प्राकृतिक खेती से प्राप्त शुद्ध और विषमुक्त अन्न पाचन तंत्र को सुदृढ़ करता है, रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और दीर्घकालिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा योग और आयुष को वैश्विक पहचान दिलाना इसी समग्र स्वास्थ्य दृष्टि का हिस्सा है। योग, प्राणायाम और संतुलित दिनचर्या तभी पूर्ण लाभ देती है जब भोजन भी शुद्ध और प्राकृतिक हो। प्राकृतिक खेती, स्वस्थ भोजन और योग—तीनों मिलकर स्वस्थ भारत की परिकल्पना को साकार करते हैं। प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का व्यावहारिक मंत्र—'एक एकड़, एक मौसम'—किसानों के लिए प्रेरणास्रोत है। छोटे स्तर पर प्रयोग कर किसान बिना जोखिम उठाए परिणाम देख सकता है और फिर धीरे-धीरे विस्तार कर सकता है। केंद्र सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन, आदानों की उपलब्धता और बाजार से जोड़ने के लिए मजबूत संस्थागत समर्थन दिया जा रहा है। किसान उत्पादक संगठन इस दिशा में अहम भूमिका निभा रहे हैं, जिससे छोटे और सीमांत किसानों को सामूहिक शक्ति प्राप्त हो रही है। यह भी उल्लेखनीय है कि महिला किसान इस परिवर्तन में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। इस संपूर्ण प्रयास में गौ-सेवा का स्थान केंद्रीय है। गौवंश का संरक्षण और संवर्धन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण रोजगार और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी जी की दृष्टि में गौ-आधारित प्राकृतिक खेती ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने और सतत विकास सुनिश्चित करने का एक प्रभावी माध्यम है। मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी की इस दूरदर्शी सोच को धरातल पर उतारने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। राज्य में प्राकृतिक खेती, गौ-संवर्धन और किसान कल्याण को समन्वित रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। हमारा लक्ष्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि मिट्टी, किसान और उपभोक्ता—तीनों के स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

गौ-आधारित प्राकृतिक खेती, भारतीय जीवनदृष्टि का पुनर्जागरण : गौ-आधारित प्राकृतिक खेती केवल कृषि सुधार की पहल नहीं, बल्कि भारतीय जीवनदृष्टि का पुनर्जागरण है। गौमाता और मिट्टी की रक्षा के अपने सांस्कृतिक दायित्व को निभाते हुए, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ भोजन, संतुलित जीवनशैली और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। यही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित, आत्मनिर्भर और स्वस्थ भारत के स्वप्न को साकार करने का सशक्त मार्ग है।

(लेखक मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं)

प्रसंगवश

अटलजी: राष्ट्र सेवा और सुशासन के युगपुरुष

हितानंद शर्मा

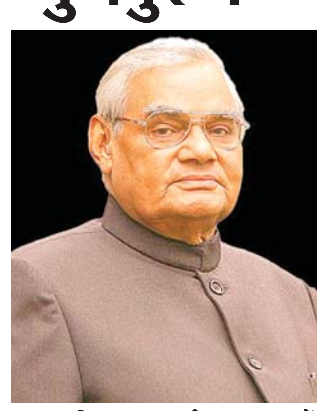

भारतीय लोकतंत्र के लिए 25 दिसंबर एक जननायक की जन्मतिथि मात्र नहीं है। यह उस विचार, संस्कार और राजनीतिक परंपरा का स्मरण दिवस है, जिसने सत्ता को सेवा, राजनीति को मर्यादा और राष्ट्रनीति को नैतिक बल प्रदान किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक से लेकर जनसंघ और फिर भाजपा की उनकी राजनैतिक यात्रा सर्वसमावेशी व्यक्तित्व की प्रतीक रही है। यही कारण है कि विश्व ने उन्हें अजातशत्रु के रूप में जाना। अटल जी का जन्मदिवस आज अटल स्मृति वर्ष के रूप में मना जा रहा है। यह इस बात का संकेत है कि भारत केवल व्यक्तियों को नहीं बल्कि उनके विचारों और मूल्यों का भी स्मरण करता है।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के उन दुर्लभ नेताओं में थे जिनका व्यक्तित्व सत्ता से बड़ा और समय से आगे दिखाई देता था। संसद में भले ही विषय कितना ही संवेदनशील क्यों न हो अटलजी का वक्तव्य कभी कटु नहीं होता था। वे शब्दों से आघात नहीं करते थे, बल्कि तर्क, तथ्य और भाव से अपनी बात रखते थे। उनकी यह विशेषता भारतीय लोकतंत्र को एक नैतिक ऊँचाई प्रदान करती है जिसमें असहमति शालीनता से व्यक्त की जा सकती है और विरोध भी गरिमामय तरीके से किया जा सकता है।

अटल जी को भाजपा का प्रथम अध्यक्ष होने का गौरव भी प्राप्त है। मुंबई अधिवेशन में दिया गया उनका वह भाषण प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए मानों संकल्प और संबल बन गया जिसमें उन्होंने कहा था अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। उनकी राजनीति में राष्ट्र सर्वोपरि था और राष्ट्र का अर्थ केवल सीमाएँ नहीं बल्कि जनता, संस्कृति और मानवीय संवेदना भी थी। यही कारण है कि वे दृढ़ निर्णय लेने वाले नेता थे और करुणा से भरे कवि भी थे।

प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल आज के भारत के विकास की नींव का कालखंड माना जाता है। स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना ने देश को भौगोलिक रूप से जोड़ा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने गाँवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा, किसान फसल बीमा योजना ने किसानों को संबल प्रदान किया, दूरसंचार क्रांति ने भारत को डिजिटल भविष्य की ओर अग्रसर किया। अटलजी जब 1996 में देश की पहली गैर कांग्रेसी सरकार के प्रधानमंत्री बने तो भारत की जनता ने महसूस किया कि लोकतंत्र की अवधारणा के अनुसार जनता के द्वारा, जनता के लिए जनता की सरकार सही अर्थों में क्या होती है।

अटलजी गठबंधन की सरकार के प्रधानमंत्री थे। यह अटलजी की ऐतिहासिक सफलता थी कि उन्होंने गठबंधन की राजनीति को स्थायित्व दिया। राष्ट्र प्रथम की नीति पर चलते हुए पोखरण परमाणु परीक्षण-2 का निर्णय लेकर अटलजी ने भारत की सामरिक क्षमता को वैश्विक मंच पर दमदार तरीके से स्थापित किया। यह निर्णय साहस, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक था। अटलजी ने लाहौर बस यात्रा कर यह संदेश भी दिया कि भारत की नीति में शक्ति का उद्देश्य युद्ध नहीं बल्कि शांति है।

केवल राजनीतिक निर्णयों के माध्यम से अटल बिहारी वाजपेयी के पूरे व्यक्तित्व को नहीं समझा जा सकता वे एक संवेदन-शील कवि थे, जिनकी रचनाओं में आशा, विश्वास, दृढ़ता के साथ राष्ट्र के पुनर्निर्माण का संकल्प भी है। वे शब्दों के माध्यम से समाज का जागरण करते थे तो भारत के स्वर्णिम भविष्य के प्रति आश्वस्त भी करते थे। आज भी उनकी कविताएँ भारतीय चेतना को जागृत करती हैं।

अटल स्मृति वर्ष और 25 दिसंबर हमें यह विचार करने का अवसर देते हैं कि हम अटल जी के बताए मार्ग पर कितनी दृढ़ता से चलते हुए उनसे प्रेरणा प्राप्त कर रहे हैं। अटल जी किसी एक दल या कालखंड के नहीं, बल्कि समूचे भारतीय लोकतंत्र की धरोहर हैं। उनका स्मरण केवल अतीत की ओर देखने का नहीं, बल्कि भविष्य के लिए मार्गदर्शन लेने का अवसर है। 25 दिसंबर और अटल स्मृति वर्ष हमें यह संकल्प दिलाते हैं कि राजनीति राष्ट्रसेवा और लोककल्याण का साधन है।

(लेखक प्रदेश संगठन महामंत्री है)

॥गीता॥

श्लोक

**यथैधांसि समिद्धोऽग्निर्भस्मसात्कुरुतेऽर्जुन।
ज्ञानाग्निः सर्वकर्माणि
भस्मसात्कुरुते तथा।।**

भावार्थ

हे अर्जुन ! जैसे प्रज्वलित अग्नि ईंधनों को भस्ममय कर देती है, वैसे ही ज्ञानरूप अग्नि सम्पूर्ण कर्मों को भस्ममय कर देती है।

अपने ईश्वर की प्रार्थना के भजन हैं क्रिसमस कैरोल

रेणुका नारायणन

आपको क्रिसमस की शुभकामनाएँ। मैं जब छोटी थी और इंग्लिश भाषा में पढ़ाई कर रही थी, तब बाइबल में विश्वास के लिए बहुत अच्छी बातें थीं, जैसे, 'क्योंकि भगवान कन्फ्यूजन का नहीं, बल्कि शांति का भगवान है', कोरिंथियंस 14.33। मुझे मैथ्यू 11.30 में जीसस की कही बात भी बहुत पसंद आई, 'मेरा कंधे पर रखने वाला जुआ आसान है इसलिए मेरा बोझ हल्का है', जो उस हिस्से का आखिरी हिस्सा है जहाँ जीसस ने थके हुए और बोझ से दबे लोगों को आराम के लिए अपने पास आने के लिए बुलाया था।

मुझे लगा कि ऐसी बातें मुझ पर भी लागू होती हैं, एक हिंदू के तौर पर, और उन्होंने सनातन धर्म के प्रति मेरे उस समय के शांत लगाव को और मज़बूत किया। जब मैं बड़ी हो रहा था तो इंग्लिश में बाइबल मुझे इतनी आसानी से मिल गई, जिससे भगवान से जुड़ने की मेरी अंदर की अधूरी इच्छा पूरी हुई।

मुझे पता था कि मैं अपनी हिंदू पहचान के प्रति वफादार रहूँगी, लेकिन मुझे यह भी लगता था, जीसस में ऐसा क्या है जो पसंद न आए? जब मैं छोटी लड़की थी, तो मैं क्रॉस के स्टेशनों के बारे में पढ़कर रोती थी, और बहुत चाहती थी कि काश मैं जीसस को उनकी आखिरी, दुख भरी यात्रा पर पानी पिला पाती। यह बात आज भी मुझ पर बहुत असर डालती है। जब मैं बड़ी हुई, तो मुझे ओल्ड टेस्टामेंट की चार किताबों से बहुत लगाव हो गया। वे थीं एक्लेसियास्ट्स, साम्स, प्रोवर्ब्स और द सॉन्ग ऑफ़ सोलोमन। एक्लेसियास्ट्स मुझे अपनी समझदारी में एक उपनिषद जैसा लगा। साम्स में सच्ची भावनाएँ और गहरा विश्वास था। प्रोवर्ब्स ने मुझे सोशल और इमोशनल दिशा दी, जबकि द सॉन्ग ऑफ़ सोलोमन अपने गहरे भक्ति भाव में जयदेव के गीतात्मक गीत गोविंदम जैसा लगा।

मैं धर्म बदलने के एजेंडा से असहज थी। मुझे एहसास हुआ कि क्राइस्ट और ईसाई धर्म हमेशा एक जैसे नहीं थे। सभोपदेशक 1-7 कहता है, 'सारी नदियाँ समुद्र में मिल जाती हैं'। क्योंकि मैं हर साल क्रिसमस मनाती हूँ और मैं रेगुलर तौर पर क्रिश्चियन दोस्तों के साथ मिडनाइट मास में जाती थी, जब तक कि वे खुद बंद नहीं कर देते, ताकि मैं बचपन में सीखे गए कैरल और भजन गा सकूँ। इस बारे में चेन्नई में एक क्रिसमस पार्टी में हिंदू दोस्तों के घर पर थी। वह नॉर्थ इंडिया से है, और वह साउथ से। वे एक प्यारे, खुले विचारों वाले कपल हैं जो दिवाली और क्रिसमस दोनों मनाते हैं, जैसा कि पूरे इंडिया में कई हिंदू करते हैं। मैंने उनसे कहा, जीसस के बारे में क्या पसंद नहीं है, जिन्होंने 'भगवान प्यार है' का उपदेश दिया। एक तो, यह 'अनबे सिवम' से मेल खाता है, जिसका तमिल में मतलब है 'प्यार ही भगवान है'। वैसे भी, मेरे दोस्त न सिर्फ़ घर पर क्रिसमस ट्री लगाते हैं, बल्कि वे अपने कुछ करीबी दोस्तों को भी क्रिसमस पार्टी में बुलाते हैं, जिसमें त्योहार की सभी पारंपरिक चीज़ें होती हैं, खासकर प्लम केक। उस साल, उनके दोस्तों में कई क्रिश्चियन, कुछ अच्छे, खुले विचारों वाले मुस्लिम और मैं थी। होस्ट कपल और मैं ही अकेले हिंदू थे। एक क्रिश्चियन मेहमान कैरोल के प्रिंटआउट लाया था ताकि सब मिलकर गा सकें। हम सबकी परवरिश लिबरल, शहरी माहौल में हुई थी, और जो लोग कैरोल से अनजान थे, वे कम से कम उनके बोल तो देख ही सकते थे। फिर, हम उस पुराने महान कैरल 'वी थ्री किंग्स ऑफ़ ओरिएंट आर' पर आए। लेकिन प्रिंटआउट में एक लाइन नहीं थी।

दसवीं में बड़ा परिवर्तन, गलत खंड के उत्तर लिखने पर नहीं मिलेंगे अंक

सीबीएसई ने नियमों में किया बदलाव

जागरण, रीवा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वर्ष 2026 की कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से प्रारंभ होंगी। सीबीएसई ने यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुसार वर्ष 2026 से कक्षा 10वीं के लिए दो बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्था लागू होगी। सीबीएसई सर्कुलर के अनुसार डेटशीट तैयार करते समय दोनों कक्षाओं के प्रमुख विषयों के बीच पर्याप्त अंतराल दिया है। कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों की प्रवेश परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए बोर्ड परीक्षाओं को पहले समाप्त करने का प्रयास किया है, जिससे विद्यार्थियों को बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं के बीच समय प्रबंधन में सहायता मिल सके।सीबीएसई ने 10वीं की परीक्षा प्रणाली में बदलाव किया है। नए नियम अनुसार विज्ञान के पेपर को तीन खंडों खंड क (जीव-विज्ञान), खंड ख (रसायन विज्ञान) व खंड ग (भौतिक विज्ञान) में बांटा है। छात्रों को प्रत्येक प्रश्न का उत्तर उसी खंड में लिखना अनिवार्य होगा। यदि कोई छात्र उत्तर गलत खंड में लिखता है, तो उस उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और उसे अंक नहीं मिलेंगे। इसी प्रकार सामाजिक विज्ञान को इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र चार भागों में बांटा गया है। गलत भाग में लिखा उत्तर स्वतः गलत माना जाएगा।

10वीं की समय-सारिणी

तारीख	विषय
17 फरवरी	मैथमेटिक्स (स्टैंडर्ड, बेसिक)
18 फरवरी	होम साइंस
20 फरवरी	फिजिकल, एक्टिविटी ट्रेनर, डाटा साइंस
21 फरवरी	इंग्लिश, कम्युनिकेटिव, इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर
23 फरवरी	उर्दू अन्य भाषाएं
25 फरवरी	साइंस
26 फरवरी	एग्रीकल्चर
27 फरवरी	कंप्यूटर एप्लीकेशंस,आइटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
28 फरवरी	संस्कृत (कम्युनिकेटिव संस्कृत)
2 मार्च	हिंदी (कोर्स ए व बी)
6 मार्च	पेंटिंग
7 मार्च	सोशल साइंस
9 मार्च	हिंदुस्तानी म्यूजिक

12वीं की समय सारिणी

17 फरवरी	बायोटेक्नोलॉजी
18 फरवरी	फिजिकल एजुकेशन
19 फरवरी	हॉर्टिकल्चर
20 फरवरी	फिजिक्स
24 फरवर	अकाउंटेंसी
26 फरवरी	ज्योग्राफी पत्रिका
28 फरवरी	केमिस्ट्री
2 मार्च	उर्दू, संस्कृत,इलेक्टिव
3 मार्च	लीगल स्टडीज
5 मार्च	साइकोलॉजी
7 मार्च	योग
9 मार्च	मैथमेटिक्स, अप्लाइड मैथमेटिक्स
12 मार्च	इंग्लिश इलेक्टिव, इंग्लिश कोर
14 मार्च	होम साइंस
16 मार्च	हिंदी (इलेक्टिव हिंदी कोर)
17 मार्च	हिंदुस्तानी म्यूजिक वोकल
18 मार्च	इकोनॉमिक्स
19 मार्च	फिजिकल एक्टिविटी ट्रेनर
23 मार्च	पॉलिटिकल साइंस
24 मार्च	एआई
25 मार्च	इंफॉर्मेशन प्रैक्टिस, कंप्यूटर साइंस, आईटी
27 मार्च	बायोलॉजी
28 मार्च	बिजनेस स्टडीज, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
30 मार्च	हिस्ट्री
1 अप्रैल	एग्रीकल्चर
2 अप्रैल	एनसीसी
4 अप्रैल	सोशियोलॉजी
6 अप्रैल	बैंकिंग
8 अप्रैल	संस्कृत कोर
9 अप्रैल	डाटा साइंस

डी व ई ग्रेड वाले 12 हजार कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष फोकस

बोर्ड परीक्षा की तैयारी तेज, तैयारियों में जुटा विभाग

जागरण, रीवा। आगामी फरवरी 2026 से शुरू होने जा रही कक्षा 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर शिक्षा विभाग ने तैयारी तेज कर दी है। इस बार डी और ई ग्रेड प्राप्त करने वाले करीब 12 हजार विद्यार्थियों को विशेष श्रेणी में रखते हुए उनके परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए प्राचार्यों और शिक्षकों को खास जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिक्षा विभाग के अनुसार इन विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं, विषयवार पुनरावृत्ति, मॉडल पेपर अभ्यास और व्यक्तिगत मार्गदर्शन की व्यवस्था की गई है, ताकि कमजोर छात्रों की शैक्षणिक कमियों को दूर किया जा सके।

94 केन्द्रों में होगी परीक्षा

जिले से इस बार बोर्ड परीक्षा में करीब 25 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे, जो जिले के 94 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा देंगे। परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन और परीक्षा विभाग ने व्यापक इंतजाम किए हैं।

परीक्षा केंद्र पर रहेंगे कड़े इंतजाम : परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, गोपनीय सामग्री की सुरक्षित व्यवस्था, उड़नदस्तों की तैनाती और सख्त अनुशासन सुनिश्चित किया जाएगा। वहीं विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हुए केंद्रों पर मूलभूत व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं।

वनस्थली मे मनाया गया तुलसी पूजन संग क्रिसमस डे

रीवा। वनस्थली विद्यालय में 25 दिसंबर के खास अवसर तुलसी पूजन दिवस मनाया गया। यूं तो बच्चे सांता को बहुत प्यार करते हैं तो सांताक्लाज के साथ नृत्य करके क्रिसमस डे भी मनाया गया। बच्चों ने तुसली के पौधे का पूजन किया और उन्हें माँ का दर्जा देकर हमारी तुसली माँ की धुन पर नृत्य किया। कार्यक्रम की शुरुआत तुलसी पूजन से हुई। सभी धर्मों को एक बताते हुए जीसस के जन्म पर एक नाट्य प्रस्तुति दी गई। विद्यालय डायरेक्टर मनोज तिवारी ने बच्चों को बतलाया के हर साल दिसंबर की 25 तारीख को हमारी संस्कृति के अनुसार तुलसी पूजन दिवस के रूप मे मनाया जाता है। प्राचार्य दीप्ति अग्रवाल ने तुलसी की उपयोगिता और उसकी महत्ता बताते हुए हर घर में इसे पूजने का सन्देश बच्चों को दिया। कार्यक्रम का संचालन डांस टीचर संजय सिंह अध्यापिका प्रिया परोहा स्पोर्ट्स टीचर सौरभ सिंह एवं ओम प्रकाश द्विवेदी द्वारा किया गया।

'जादू नहीं विज्ञान है' प्रतियोगिता में सांदीपनि पीके. स्कूल प्रथम

रीवा। गत दिवस समग्र शिक्षा अभियान लोक शिक्षण संचालनालय मध्य प्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार 'जादू नहीं विज्ञान है' पर केंद्रित जिला स्तरीय प्रतियोगिता शा.उमा विद्यालय बदरांव में आयोजित की गई, जिसमें रीवा एवं मऊगंज जिले के सभी विकासखंडों से प्रथम पंच स्थान प्राप्त छात्र- छात्राओं के दल ने सहभागिता की। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी दलों ने जादू जैसी दिखने वाली विभिन्न घटनाओं एवं क्रियाओं को विज्ञान के माध्यम से प्रदर्शित कर सिद्ध किया कि यह जादू नहीं विज्ञान है। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शा.सांदीपनि पी.के. स्कूल को प्राप्त हुआ। विद्यालय की ओर से प्रतिभागी छात्राएं प्रिया पटेल एवं प्रिया मिश्रा थीं। दूसरा स्थान शा. एस के स्कूल को मिला। इस अवसर पर एडीपीसी राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान नवीन श्रीवास्तव, सांदीपनि पी.के. स्कूल के प्राचार्य वरुणेंद्र प्रताप सिंह एवं प्राचार्य आर. के. जैन के अलावा प्रतिभागी विद्यालयों के शिक्षक एवं छात्र-छात्रा उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि सांदीपनि पी.के. स्कूल के मार्गदर्शी शिक्षक भूपेंद्र कुमार वर्मा रहे एवं छात्राओं की तैयारी में संस्था के उप प्राचार्य मुन्नालाल पटेल एवं भौतिकी के उच्च माध्यमिक शिक्षक आर.के. गुप्ता का विशेष योगदान रहा। छात्राओं की सफलता के लिए विद्यालय के प्राचार्य वरुणेंद्र प्रताप सिंह एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बधाई दी है।

नन्हें-मुन्ने बच्चों ने हर्षोल्लास से मनाया क्रिसमस सेलिब्रेशन

रीवा। विंध्य विहार कॉलोनी स्थित लिटिल बैम्बिनोज स्कूल में क्रिसमस का पर्व नन्हें-मुन्ने बच्चों की मुस्कान, उल्लास और रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ अत्यंत हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। विद्यालय परिसर को क्रिसमस ट्री, सांता क्लॉज और आकर्षक सजावट से सुसज्जित किया गया, जिससे बच्चों में उत्सव का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की डायरेक्टर डॉ. गायत्री शुक्ल के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने क्रिसमस पर्व के संदेश प्रेम, करुणा, सेवा और भाईचारे पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने क्रिसमस स्पीच प्रस्तुत कर पर्व के महत्व को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रज्ञा श्रीवास्तव, सुधा सोनी, श्वेता मिश्रा, श्वेता सिंह तिवारी, रश्मि मिश्रा, रूपमाला पांडे, श्रेया सोनी, स्वाति सोनी एवं विवेक चतुर्वेदी की सक्रिय सहभागिता रही।

खेलों से सामाजिक समरसता और भाईचारे का विकास होता है: उप मुख्यमंत्री

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने स्टेडियम में आयोजित मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों से जीवन में सामाजिक समरसता और भाईचारे का विकास होता है। खेलों से तन और मन स्वस्थ्य रहते हैं तथा स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा का विकास होता है। रीवा में 30 जिलों के अधिवक्ताओं की खेल प्रतिभा को देखने का अवसर मिल रहा है। यह हम सबके लिए बहुत बड़ा सौभाग्य है। रीवा तेजी से विकास के सोपानों पर आगे बढ़ रहा है यहां स्पोर्टस कॉम्पलेक्स में आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके साथ-साथ खेलों के लिए कई स्टेडियम हैं। अब रीवा को विकास के पंख लग गये हैं। रीवा ने विकास के नये आयामों से पिछड़ेपन के कलंक को मिटा दिया है। उप मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा के साथ उत्कृष्ट खेल की शुभकामनाएं दी। समारोह में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल सदैव रीवा और विन्ध्य के विकास के लिए चिंतित रहते हैं। उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से रीवा का महानगर के रूप में तेजी से विकास हो रहा है। यहां फोर लेन सड़कें, एयरपोर्ट, रेल मार्ग, फ्लाई ओवर, विकसित बाजार तथा विभिन्न संस्थानों का तेजी से विकास हुआ है।

कक्षा-3 के विद्यार्थियों के लिए होगा एफएलएस का आयोजन

टेबलेट बेस आयोजित होगी परीक्षा

जागरण,रीवा। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार एवं परख एनसीईआरटी नई दिल्ली द्वारा कक्षा-3 के विद्यार्थियों के बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को परखने की दृष्टि से फाउण्डेशनल लर्निंग स्टडी (एफएलएस) का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए 26 फरवरी 2026 की तारीख निर्धारित की गई है। जिला शिक्षा केन्द्र से मिली जानकारी अनुसार कक्षा 3 के छात्रों पर यह स्टडी आयोजित होगी। कक्षा 1 एवं 2 के लिए जो दक्षताएं निपुण भारत अभियान अंतर्गत निर्धारित की गई हैं। कक्षा तीसरी के छात्रों से प्रश्न पूछकर उनको इस स्टडी में परखा जाएगा।

डीएलएड प्रशिक्षणार्थियों की ली जाएगी मदद : फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी अर्थात एफएलएस के लिए सैंपल शालाओं का चयन शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा किया जाएगा। सैंपल अंतर्गत शासकीय, अशासकीयए नवोदय, केन्द्रीय विद्यालय एवं अन्य विद्यालयों का चयन यू-डाइस डाटा के आधार पर किया जाएगा अर्थात फिल्स में जिले की कोई भी शाला चयनित की जा सकती है। प्रशासन फील्ड इन्वेस्टिगेटर्स के द्वारा डाइट में अध्ययनरत डीएलएड प्रशिक्षणार्थियों को फील्ड इन्वेस्टिगेटर नियुक्त किया जाकर सैंपल शालाओं में एफएलएस प्रशारित किया जाएगा। उक्त स्टडी की निष्पक्षता, शुचिता एवं विश्वसनीयता को सुनिश्चित करने की दृष्टि से फील्ड इन्वेस्टिगेटर के रूप में शिक्षकों, बीआरसीसी, बीएसी इत्यादि को नियुक्त नहीं किया जाएगा। डाइट प्राचार्य द्वारा फील्ड इन्वेस्टिगेटर्स के चयन की प्रक्रिया की जाना है।

टेबलेट में टूल पहले से लोड रहेगा

बताया गया कि फील्ड इन्वेस्टिगेटर्स के रूप में ऐसे प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जाएगा जो तकनीकी रूप से कुशल एवं सुदृढ़ हो क्योंकि यह स्टडी टेबलेट बेस्ड होना है। जिन जिलों में डाइट नहीं है उन जिलों में संबद्ध डाइट/मदर डाइट प्राचार्य द्वारा फील्ड इन्वेस्टिगेटर्स का प्रबंध किए जाएंगे। वहीं एफएलएस की प्रक्रिया में प्रयुक्त होने वाला टूल बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर आधारित होंगे। छात्रों पर स्टडी प्रशासित करने हेतु एनसीईआरटी द्वारा फील्ड इन्वेस्टिगेटर्स को टेबलेट दिए जाएंगे अर्थात यह स्टडी पेपर-पेंसिल बेस्ड न होकर टेबलेट बेस्ड होगा। बताया गया कि टेबलेट में टूल पहले से लोड रहेगा और फील्ड इन्वेंटिगेटर्स द्वारा सेम्पल शाला के कक्षा-3 के एक-एक छात्र को बुलाकर वन टू वन प्रश्न पूछे जाएंगे और विद्यार्थियों के रिस्पांस को साथ-साथ फील्ड किया जाएगा। छात्रों के लेखन कौशल को भी परखा जाएगा। जिसमें पठन बोध, मौखिक पठन प्रवाह और बोध, लेखन-लेखन के लिए क्रिया शब्दों, नामकरण शब्दों और विराम चिह्नों का उपयोग आदि से जुड़े प्रश्न शामिल होंगे। इस आयोजन उपरांत रिपोर्ट कार्ड जारी किया जाएगा। रिपोर्टिंग यूनिट स्टेट रहेगा। जिलेवार रिपोर्ट कार्ड जारी नहीं किया जाएगा।

श्वानों में नेत्र रोग और चिकित्सकीय प्रबंधन की दी गई जानकारी

जागरण, रीवा। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विवि जबलपुर के अंतर्गत संचालित पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय में बुधवार को श्वानों में होने वाले सामान्य नेत्र रोग एवं उनका चिकित्सकीय प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय चिकित्सकीय कार्यशाला कुलगुरु प्रो. मनदीप शर्मा के मुख्य संरक्षण तथा अधिष्ठाता डॉ. अजीत प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उपरोक्त कार्यशाला में महाविद्यालय के चतुर्थ वर्ष, इंटर्नशीप एवं स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राओं द्वारा सहभागीता की गई। उद्घाटन अवसर पर अधिष्ठाता अजीत प्रताप सिंह ने कहा वर्तमान समय में पालतू पशुओं विशेषकर श्वानों में नेत्र संबंधी रोगों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। ऐसे में पशु चिकित्सकों के लिए नेत्र रोगों की पहचान, निदान एवं उपचार संबंधी अद्यतन ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस प्रकार की कार्यशालाओं को व्यावहारिक ज्ञान अर्जन के लिए उपयोगी बताया। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में में अतिथि वक्ता डॉ. नरेन्द्र चौहान, पशु नेत्र विज्ञान विशेषज्ञ ने श्वान एवं बिल्लियों में पाए जाने वाले सामान्य नेत्र रोगों, उनकी पहचान, आधुनिक जांच विधियों एवं उपचार प्रबंधन पर व्याख्यान देते हुए नेत्र परीक्षण की विभिन्न तकनीकों, उपकरणों के प्रयोग व उपचार में सावधानियों पर भी प्रकाश डाला। प्रतिभागियों को व्यावहारिक दृष्टातों के माध्यम से नेत्र रोगों के सफल प्रबंधन की जानकारी दी। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच पशु नेत्र विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं उनके व्यावसायिक कौशल को सुदृढ़ करना रहा। अंत में अतिथि वक्ता डॉ. चौहान ने दो स्नातक के छात्र, दो शल्य चिकित्सा स्नातकोत्तर के छात्र एवं दो मेडिसिन के स्नातकोत्तर के छात्रों को निःशुक इंटर्नशिप प्रदान करने की बात कही। आयोजक सचिव डॉ. स्वतंत्र कुमार सिंह, सह आयोजक सचिव डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. नीलम टांडिया, समन्वयक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, डॉ. राजीव रंजन, सह समन्वयक डॉ. अनिल कुमार सिंह, डॉ. सोमेश कुमार मेूश्राम, डॉ. शैलेष कुमार पटेल एवं सदस्य के रूप में डॉ. अभिलाषा सिंह, डॉ. अंकुश किरण निरंजन, डॉ. प्रिया सिंह एवं डॉ. श्रुति पाण्डेय उपस्थित रहे। संचालन डॉ. श्रुति पाण्डेय ने किया, आभार डॉ. नीलम टांडिया ने माना।

कार्यालय अनंतपुर गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/गृ.नि./2025/1477 **आवश्यक सूचना** रीवा, दिनांक 24.12.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अनंतपुर गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. रीवा की शारदानगर में प्लाट नं. 58/60 सदस्यता नं. 844 सदस्य श्री कपूरचन्द्र गुप्ता s/o श्री द्वारिका प्रसाद गुप्ता सराफा बाजार सीधी का वारिसाना नामांतरण हेतु प्रार्थी श्री अंजनी कुमार गुप्ता s/o स्व. कपूरचन्द्र गुप्ता – वार्ड नं. 19 म.नं.–50 कोतवाली रोड सराफा बाजार सीधी म.प्र. ने प्लाट का वारिसाना अपने स्वयं के नाम (अंजनी कुमार गुप्ता) करने हेतु दिनांक 16.09.2025 को आवेदन प्रस्तुत किया है। उपरोक्तानुसार भूखंड/भवन वारिसाना नामांतरण में यदि किसी व्यक्ति / संस्था को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति के 15 दिवस के अंदर संस्था कार्यालय में प्रमाणित अभिलेखों सहित लिखित में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, निर्धारित समयावधि पश्चात् कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जायेगी और न ही मान्य की जावेगी। प्रकरण में यदि कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो इस दशा में संस्था द्वारा प्रकरण की सुनवाई एकपक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जायेगा।

प्रबंधक
अनंतपुर गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. रीवा (म.प.)

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं0 : JHS-N-W-66-25 दिनांक :- 22.12.2025

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार अभियंता उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : JHS-N-W-66-25	**कार्य लागत लगभग :** Rs. 12224992.18
कार्य का नाम : प्रोविजन ऑफ़ S&T वर्क्स इन कनेक्शन विथ CTR/TRR पैच रिन्यूअल एक्टिविटीज इन दी झाँसी-कानपुर सेंट्रल एंड झाँसी-खैरार जंक्शन, सेक्शन ऑफ़ झाँसी डिवीज़न।	
धरोहर राशि : Rs. 211100/-	**निविदा प्रपत्र का मूल्य :** Nil.
निविदा खुलने की तिथि : 15.01.2026 Time 15:00	
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि : 12 माह	

• निविदा **दिनॉक 15.01.2026 को 15:00 बजे** तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in (NORTH CENTRAL RLY/JHANSI DIVISION-S AND T) पर देखें। 2468/25 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

मऊगंज के खिलाफ सिंगरौली ने पहली पारी में बनाए 245 रन

रीवा। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशानुसार एवं रीवा डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के आयोजकत्व मे स्थानीय एमपीसीए क्रिकेट मैदान में खेली जा रही स्व. नरेन्द्र सिंह स्मृति अंतरजिला क्रिकेट प्रतियोगिता (सीनियर) का पहला 2 दिवसीय क्वार्टर फाइनल मैच सिंगरौली एवं मऊगंज की टीमों के बीच आरंभ हुआ, जिसमें पहले दिन के खेल में सिंगरौली की टीम ने अपनी पहली पारी में 245 रनों का स्कोर बनाया। उक्त जानकारी देते हुये आरडीसीए सह सचिव अनुराग सेठी ने बताया कि इस मैच में टॉस सिंगरौली की टीम ने जीता तथा पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। ओपनिंग बल्लेबाजों शार्दुल सिंह एवं अभिनव यादव ने पहले विकेट के लिये 72 रनों की साझेदारी कर टीम को एक अच्छी शुरुआत दी जिसका लाभ अगले आने वाले बल्लेबाजों ने भी उठाया पर कोई बल्लेबाज विकेट पर टिक कर एक लंबी पारी खेलने में कामयाब नहीं हो सका, जिसके कारण सिंगरौली की पहली पारी 62 ओवरों में 245 रनों पर समाप्त हो गयी। सिंगरौली की ओर से शार्दुल सिंह एवं संजू जायसवाल ने सर्वाधिक 47-47 रनों की पारियाँ खेलीं। उनके अतिरिक्त चंद्रप्रकाश सिंह ने 39 रन एवं विपिन गौड ने 25 रनों की उपयोगी परियाँ खेलीं। मऊगंज की ओर से नपी-तुली गेंदबाजी करते हुये संदीप दुबे ने 3 विकेट लिये जबकि मनीष प्रजापति, प्रियांशु एवं आकाश शुक्ला को 2-2 विकेट हासिल हुये। सिंगरौली की पारी के समाप्त होने के पश्चात मऊगंज ने अपनी पहली पारी आरंभ की तथा पहले दिन के खेल के खत्म होने के समय तक मऊगंज ने 1

जेके सीमेंट ने किया टेक कनेक्ट इवेंट का आयोजन

रीवा। भारत के अग्रणी सीमेंट निर्माताओं में से एक, जेके सीमेंट लिमिटेड द्वारा हेटल शार्क इन में एक दिवसीय टेक कनेक्ट इवेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जोनल हेड (टेक्निकल) सुधीर मिश्रा, ज़ोनल हेड सुधीर मिश्रा, एरिया मेनेजर राकेश तिवारी , जिले के बी ओ रामनाथ सिंह परिहार और चिरंजीव अंकुर परिहार (चिराग) एवं वरिष्ठ अभियंताओं द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण जेके सीमेंट द्वारा नई ग्राहक सेवाओं और सीमेंट के नए उत्पाद जैसे कि ओपीसी 43 ग्रेड, जेके प्रोटेक्ट, स्ट्रांग पर आयोजित विशेष सत्र था। इस सत्र में सभी उपस्थित इंजीनियर्स को भविष्य में निर्माण में होने वाले कार्यों और इंजीनियरिंग स्तर के विकास पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया गया। टेक्निकल रिलेशनशिप मैनेजर गुलशन विश्वकमा ने बताया कि इस इवेंट के दौरान रीवा क्षेत्र के उत्कृष्ट योगदानकर्ताओं को सम्मानित किया गया। जिले के सेल्स प्रमोटर रामनाथ सिंह परिहार द्वारा सभी आए अतिथियों का आभार प्रकट किया। टेक कनेक्ट (इंजिनियर मीटिंग) इवेंट के सफल आयोजन पर रीवा जेके सीमेंट के विपणन ब्रांच मैनेजर राकेश तिवारी सहित जेके सीमेंट की पूरी टीम ने उपस्थित गणमान्यजनों और इंजीनियर्स को बधाई दी। बधाई देने वालों में टीम सदस्य शिवम मिश्रा, सतीश तिवारी, उपेन्द्र द्विवेदी, शशांक सिंह, आशीष तिवारी, राहुल कुशवाहा, सिद्वार्थ सिंह, शुभम , विवेक, और समस्त डीलर शामिल थे।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला रीवा (म0प्र0)

क्रमांक 596 / विशेष विवाह/2025 रीवा, दिनांक 13/11/2025

इश्तहार

आवेदक श्री अभिषेक कुमार उपाध्याय पिता श्री मनमोहनलाल उपाध्याय उम्र - 25 निवासी रैतियान टोला, ग्राम पो. तिवनी तहसील मनगवां जिला रीवा म0प्र0 एवं आवेदिका अंचल प्रजापति पिता श्री अनिल प्रजापति उम्र - 22 वर्ष निवासी वार्ड नं. 16 ग्राम काटी पो. - डेल्ही जिला रीवा म0प्र0 के द्वारा उपस्थित होकर विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अन्तर्गत विवाह अनुष्ठान हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, अंकसूची की छायाप्रति, निवास प्रमाण पत्र एवं 100/-रू. चालान प्रस्तुत किया गया है, जो विचाराधीन है।

अतः उक्त विवाह अनुष्ठान के सम्बंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति स्वतः अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि को उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

पेशी दिनांक - 22/1/2026

विवाह अधिकारी
आरएन- 82972 जिला रीवा (म.प्र.)

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा

शाखा–विद्युत (परियोजना)

उप मुख्य विद्युत अभियंता (परियोजना) पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑन–लाइन के माध्यम से प्रतिष्ठित और अनुभवी ठेकेदारों से ई–निविदाएं आमंत्रित करते है। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और प्राप्त ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। **निविदा क्रमांक**--ईएल-जेबीपी-प्रोजेक्ट-25-पी.एम.एस.-01 दिनांक 19.12.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**-ईपीसी मोड के अंतर्गत मिशन 3000 एमटी लोडिंग लक्ष्य को पूरा करने के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के इटारसी–श्रीधाम, श्रीधाम–भदनपुर, भदनपुर –मानिकपुर–सतना–रीवा एव कटनी– सिंगरौली खंडों से 132/55 केवी स्कॉट–कनेक्टेड ट्रैक्शन सब स्टेशन तथा 2x25 केवी एटी फीडिंग सिस्टम हेतु स्विचिंग पोस्ट सहित स्काडा कार्यो के उन्नयन के डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग के कार्य के लिए परियोजना प्रबंधन सेवाएँ प्रदान करने हेतु प्राधिकृत इंजीनियर की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं। **निविदा का अनुमानित मूल्य (रूपए में)**–रूपए 16,06,11,008.98/–, **निविदा फार्म की कीमत**-निल, **कार्यालय का पता**–उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (प्रोजेक्ट) पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर ग्राउंड फ्लोर, मुख्य परियोजना प्रबंधक (प्रोजेक्ट), कार्यालय, रेलवे स्टेडियम के बाजू में जबलपुर (म.प्र.)482001, **बिड सिक्यूरिटी**–रूपए 9,53,100/–, **समापन**–21 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय**–दिनांक–29.01.2026 (15:00 बजे तक), **निविदा खुलने की तिथि एवं समय**–दिनांक–30.01.2026 (11:00 बजे तक) निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेब साइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (प्रोजेक्ट) के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। **(हस्ता.)**

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (प्रोजेक्ट)
पश्चिम मध्य रेलवे / जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

नोटिस रजि0ए0डी0

मेरे पक्षकार रामबहादुर सिंह तनय अवधबिहारी सिंह निवासी ग्राम पोस्ट मझिगवां तहसील-सिरमौर, थाना-बैकुण्ठपुर जिला रीवा म0प्र0 से आप द्वितीय पक्ष प्रमोद कुमार श्रीवास्तव तनय विपिन बिहारीलाल श्रीवास्तव निवासी ग्राम पोस्ट मझिगंवा तहसील सिरमौर, थाना-बैकुण्ठपुर, जिला-रीवा म0प्र0 द्वारा अपने स्वत्व आधिपत्य व कब्जे दखल की आराजी नम्बर-1029/1/1 रकबा 0.260हे0 स्थित मौजा मझिगवा, तहसील-सिरमौर, थाना-बैकुण्ठपुर, जिला-रीवा म0प्र0 का विक्रय अनुबन्ध दिनांक 04.11.2024 को किया जिसकी कीमत 47 हजार रू0 प्रति डिसमिल के 3008000/-रू0 निर्धारित की गई अनुबंध के समय 1 लाख प्रदान किये गये। 4 लाख रू0 सीमांकन / नक्शा तरमीम के पश्चात दिया जाना था। शेष 2508000/-रू का भुगतान अपने या अपने मनचाहे व्यक्ति के नाम 12 माह के अन्दर रजिस्टर्ड विक्रय पत्र तहरीर करवाते समय भुगतान करना था। शर्त यह भी थी कि क्रेता रोड डालकर प्लाट की रजिस्ट्री भी करा सकता है मुताबिक अनुबन्ध मेरे पक्षकार ने 3,75,000/-रू0 आनलाइन व 25,000/-रू0 नगद कुल 4,00,000/-रू0 दिया। इस प्रकार आप द्वितीय पक्ष को 5,00,000/-रू0 प्रदान किये गये। बार-बार निवेदन किया कि शेष 25,08,000/-रू0 प्राप्त कर उक्त अनुबन्धित आराजी की रजिस्ट्री करा दे किन्तु बार-बार आप द्वितीयपक्ष द्वारा टाल मटोल की गई जिससे व्यथित होकर जरिये अधिवक्ता नोटिस दिनांक-12.12.2025 को आप द्वितीय पक्ष के पते पर रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित की गई परन्तु उक्त नोटिस लिफाफा प्राप्त कर्ता दिये गये पते पर नहीं मिले अतः प्रेषक को वापस की टीप के साथ पोस्ट आफिस विभाग द्वारा वापस कर दी गई है। जिसकी सूचना इस न्यूज पेपर प्रकाशन के माध्यम से दी जाकर आप द्वितीय पक्ष को आगाह किया जा रहा है कि न्यूज पेपर प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर शेष 25,08,000/-रू0 प्राप्त कर उक्त अनुबन्धित आराजी का रजिस्टर्ड विक्रय पत्र मेरे पक्षकार या उसके मनचाहे व्यक्ति के नाम तहरीर करवा दे अन्यथा वाद म्याद मेरा पक्षकार न्यायालय में दावा प्रस्तुत करेगा जिसके समस्त हर्जे खर्चे के आप द्वितीय पक्ष स्वयं जिम्मेदार होगे। मेरे पक्षकार द्वारा अधिकृत के आधार पर मेरे द्वारा यह विधिक नोटिस / सूचना प्रकाशित की जा रही है।

दिनांक-24-12-2025 भवदीय

मुकेश सिंह एडवोकेट
जिला एवं सत्र न्यायालय रीवा जिला-रीवा म0प्र0
आरएन- 83116 **मो0.नं0-8458900300**

नोटिस रजिस्टर्ड ए.डी.

मेरे पक्षकार रामबहादुर सिंह तनय अवध बिहारी सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट मझिगवां, तहसील सिरमौर व थाना बैकुण्ठपुर, जिला रीवा म0प्र0 से आप द्वितीयपक्ष अवध बिहारी लाल श्रीवास्तव तनय स्व0 अम्बिका प्रसाद श्रीवास्तव निवासी ग्राम व पोस्ट मझिगवाँ, तहसील सिरमौर व थाना बैकुण्ठपुर, जिला रीवा म0प्र0 द्वारा अपने स्वत्व आधिपत्य व कब्जे दखल की आराजी खसरा क0-1029/1/1/7 रकवा 0.036 हे., 1029/1/1/8 रकवा 0.072हे., 1029/4 रकवा 0.210हे0 कुल किता 03 कुल रकवा 0.318हे0 यानि 0.80 एकड़ स्थित मौजा मझिगवां, तहसील सिरमौर जिला रीवा म0प्र0 का विक्रय अनुबंध दिनांक 24.10.2024 को किया गया था, जिसकी कीमत 35 लाख रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से निर्धारित कर 28 लाख रूपये निर्धारित की गई थी, अनुबंध के समय एक लाख रूपये दिया गया था, एवं 04 लाख रूपये उक्त आराजियो के सीमांकन/नक्शा तर्मीम के बाद दिया जाना था, शेष 23 लाख रूपये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के समय भुगतान करना था, अनुबंध की समय सीमा 12 माह निर्धारित की गई थी. अनुबंध में शर्त यह भी थी कि क्रेता रोड डालकर खण्ड खण्ड मे आवासीय प्लाट बनाकर रजिस्टर्ड विक्रय पत्र तहरीर करवाना चाहता है तो विक्रेता को कोई आपत्ति नहीं होगी। मेरे पक्षकार द्वारा आप द्वितीयपक्ष को अनुबंधित समय सीमा के अन्दर कुल 07 लाख रूपये प्रदान भी किये जा चुके है, शेष 21 लाख रूपये प्राप्त कर उक्त अनुबंधित आराजियों का रजिस्टर्ड विकय पत्र तहरीर करवाने का निवेदन बार बार मेरे पक्षकार द्वारा किया जाता रहा, किन्तु आप द्वितीयपक्ष द्वारा कोई न कोई बहाना बनाकर टाल मटोल किया जाता रहा, जिससे व्यथित होकर जरिये अधिवक्ता नोटिस दिनांक 12.12.2025 को आप द्वितीयपक्ष के पते पर रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित की गई, परन्तु उक्त नोटिस लिफाफा प्राप्तकर्ता दिये गये पते पर नहीं मिले अतः प्रेषक को वापस की टीप के साथ पोस्ट आफिस विभाग द्वारा वापस कर दी गई है. जिस कारण यह सूचना इस न्यूज पेपर प्रकाशन के माध्यम से दी जाकर आप द्वितीयपक्ष को आगाह किया जा रहा है कि न्यूज पेपर प्रकाशन से 15 दिनों के अन्दर शेष 21 लाख रूपये प्राप्त कर उक्त अनुबंधित आराजियों का रजिस्टर्ड विकय पत्र मेरे पक्षकार या मेरे पक्षकार के मनचाहे व्यक्ति के नाम तहरीर करवा दे, अन्यथा वाद म्याद मेरा पक्षकार सक्षम न्यायालय में दावा प्रस्तुत करेगा, जिसके समस्त हर्जे खर्चे के आप द्वितीयपक्ष स्वयं जिम्मेदार होगे। मेरे पक्षकार द्वारा अधिकृत के आधार पर मेरे द्वारा यह विधिक नोटिस/सूचना प्रकाशित की जा रही है।

दिनांक 24.12.2025

भवदीय
मुकेश सिंह एडवोकेट जिला एवं सत्र न्यायालय रीवा म0प्र0
आरएन- 83115 **मो0नं0-8458900300**

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं0 JHS-N-W-74-25 दिनांक - 22.12.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार अभियंता उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : JHS-N-W-74-25	
कार्य का नाम : प्रोविजन / डेवलपमेंट ऑफ़ सर्कुलटिंग एरिया ऑफ़ सेकंड एंट्री एट डबरा स्टेशन।	
कार्य लागत लगभग : Rs. 5854039.05/-	**धरोहर राशि :** Rs. 117100/-
निविदा प्रपत्र का मूल्य : Nil	**निविदा खुलने की तिथि :** 15.01.2026 Time 15:00
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि : 12 माह	

● निविदा दिनॉक **15.01.2026** को **15:00** बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in (NORTH CENTRAL RLY/JHANSI DIVISION-S AND T)** पर देखें। **2472/25(AS)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-इन्जी0-सी-2025-195 **दिनांकः** 22.12.2025

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम : बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी सेक्शनः रॉक फॉल प्रोटेक्शन, स्लोप स्टेबिलाइजेशन एंड अदर एंसीलरी वर्क्स इन कटिंग एरिया टू प्रोटेक्ट दी रॉक फाल्लिंग अंडर एडीईएन/ललितपुर जूरिडिक्शन।	
अनुमानित लागत (रू): ₹65284885.12	**अमानत राशि (रू):** ₹476400.00
निविदा बन्द होने की तिथि: 13.01.2026 at 15:00 hrs.	
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 12 माह	

● निविदा **दिनांक 13.01.2026** को **15.00 बजे** तक आन लाईन जमा कर सकेगें।
● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के बेवसाईट www.ireps.gov.in पर देखें। **2474/25(A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

खुली निविदा संख्याः JHS-RCNK-M-VBFUR-25-26-46 **दिनांकः** 22.12.2025

ई-निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, झाँसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए अनुभवी और इच्छुक ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नामः वंदे भारत रेक में सफाई, फर्निशिंग के कार्यो की आउटसोर्सिंग जिसमें ICF द्वारा जारी फ्लोर बदलने और CAI लागू करने के मुख्य शेड्यूल शामिल हैं।	
कार्य की लागतः ₹ 46,02,277.25 (18% जीएसटी सहित)	
अग्रिम राशिः ₹ 92,100.00	**कार्य पूरा होने का समयः** दो महीने
ऑनलाइन निविदा समापन तिथि एवं समयः 14.01.2026 समय 11:00 बजे तक	

निविदा एवं निविदा प्रारूप के बारे में विस्तृत जानकारी **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। **2482/25(A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना **दिनांक : 22.12.2025**

वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार अभियंता उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : JHS-N-W-71-25	**कार्य लागत लगभग :** Rs. 3046426.56
कार्य का नाम : कोम्प्रेहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट ऑफ़ OVD & IVD at VGLJ & GWL स्टेशन ऑफ़ झाँसी डिवीज़न (फॉर two इयर्स)	
धरोहर राशि : Rs. 60900/-	**निविदा प्रपत्र का मूल्य :** Nil
निविदा खुलने की तिथि : 15.01.2026 Time 15:00	
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि : 24 माह	

• निविदा दिनांक **15.01.2026** को **15:00** बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in (NORTH CENTRAL RLY/JHANSI DIVISION-S AND T)** पर देखें। **2469/25 (D)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

बेचना है

होण्डा सिटी, टाटा छोटा हाथी
2015 Model Honda City Diesel
2020 Model TATA ACE
छोटा हाथी Diesel Showroom
कंडीशन में बेचना है।
मो. 8305178203

आर-जीएम सर(27/12)

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

रीवा से सीएसएमटी के लिए नए साल में दो स्पेशल ट्रेनें

रीवा। नए साल में दो स्पेशल ट्रेनें दौड़ेंगी। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों के लिए 02187/02188 रीवा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्पेशल ट्रेन रीवा से 1 एवं 8 जनवरी को तथा छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई से 2 एवं 9 जनवरी को दो-दो फेरे लगाएंगी। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से होकर गंतव्य को जाएगी। स्पेशल ट्रेन 02187 रीवा से दोपहर 3.50 बजे प्रस्थान कर शाम को 7.50 बजे जबलपुर पहुंचेगी, वहीं वहां से नरसिंहपुर होते हुए दूसरे दिन दादर से 11.55 बजे छूटकर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस 12.20 बजे पहुंचेगी।

कार्यालय कलेक्टर जिला रीवा एवं पदेन अपरसचिव म.प्र. शासन, राजस्व विभाग

-: अधिसूचना :-

क्र.831/भू-अर्जन/2025 रीवा दिनांक 11/12/2025

चूकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है की इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके नीचे दिए गए सार्वजनिक प्रयोजन लिए आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यावस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-11 की उपधारा (1) के उपबंधो के अनुसार सभी सम्बंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची खाने के (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के समबन्ध में धारा-11 द्वारा दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है। साथ ही अधिनियम की धारा 11 (4) के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई संव्यवहार नहीं करेगा या कोई संव्यवहार नहीं कराएगा अथवा ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इस अध्याय के अधीन कार्यवाहियों के पूरा हो जाने के समय उस भूमि पर कोई विल्लंगम सृजित नहीं करेगा।

अनुसूची

भूमि का विवरण			लगभग	धारा (1)12 की धारा द्वारा	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम	क्षेत्रफल	प्राधिकृत अधिकारी	
1	2	3	4	5	6
रीवा	हुजूर	बरा-2	0.182 हे.	कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ./स.) संभाग क्र.-1 जिला रीवा (म.प्र.)	अजगरहा इटहा मोड से दुबहा बहुरीबांध पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य हेतु।

भूमि का नक्सा (प्लान) का अवलोकन कलेक्टर (भू-अर्जन शाखा) रीवा के कार्यालय में देखा जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार

(प्रतिभा पाल)
कलेक्टर
जिला रीवा एवं पदेन अपर सचिव
राजस्व विभाग

G-23268/25

कार्यालय कलेक्टर जिला रीवा एवं पदेन अपरसचिव म.प्र. शासन, राजस्व विभाग

अधिसूचना भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 "धारा-11"

क्र.789/भू-अर्जन/2025 रीवा दिनांक 11/12/2025

चूकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है की इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके नीचे दिए गए सार्वजनिक प्रयोजन लिए आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यावस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-11 की उपधारा (1) के उपबंधो के अनुसार सभी सम्बंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची खाने के (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के समबन्ध में धारा-11 द्वारा दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है। साथ ही अधिनियम की धारा 11 (4) के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई संव्यवहार नहीं करेगा या कोई संव्यवहार नहीं कराएगा अथवा ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इस अध्याय के अधीन कार्यवाहियों के पूरा हो जाने के समय उस भूमि पर कोई विल्लंगम सृजित नहीं करेगा।

अनुसूची

भूमि का वर्णन			लगभग	धारा 12 के लिए	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	ग्राम	क्षेत्रफल(हे.में)	प्राधिकृत अधिकारी	
1	2	3	4	5	6
रीवा	मनगवां	बुढ़गवां	0.625 हे.	कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग रीवा (म.प्र.)	रीवा जिले के अंतर्गत बुढ़गवां से बसौली वाया हरदी खुर्द मार्ग में महाना नदी पर पुल एवं पहुँचमार्ग के निर्माण कार्य।

1. भूमि का नक्सा (प्लान कलेक्टर जिला रीवा के कार्यालय में देखा जा सकता है)

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार

(प्रतिभा पाल)
कलेक्टर जिला रीवा एवं पदेन
अपर सचिव
म.प्र. शासन राजस्व विभाग

G-23270/25

कार्यालय कलेक्टर जिला मऊगंज एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

-: अधिसूचना :-

पत्र क्र. 338 प्रवा./भू-अर्जन/2025 मऊगंज दिनांक 11/11/2025

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है की नीचे दी गयी अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यावस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-19 के अंतर्गत इसके द्वारा घोषित किया जाता है कि निजी/शासकीय भूमि पर स्थित सपत्ति के अर्जन हेतु आवश्यकता है:-

।। अनुसूची।।

भूमि का विवरण :-
जिला - मऊगंज
तहसील - मऊगंज
ग्राम - पंडित पुरवा 642
क्षेत्रफल - 0.001 हे.

क्र.	खसरा क्र.	अर्जित रकबा (हे.में.)
1	28/1/1, 28/1/2/1, 28/1/2/2, 28/2/1, 28/2/2, 28/3, 28/4, 28/5, 28/6, 28/7, 28/8, 28/9	0.001

1. सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-"बाणसागर नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना अंतर्गत डी.बी. निर्माण" में आने वाले निजी/शासकीय भूमि एवं उस पर स्थित संपत्तियों के अर्जन हेतु। **2.** भूमि का नक्सा (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर जिला मऊगंज के कार्यालय में देखा जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(विवेकानंद तिवारी) अनुविभागीय अधिकारी नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना उपसंभाग क्रमांक 2, मनगवां जिला रीवा (म.प्र.)	(बी.पी. मिश्रा) कार्यपालन यंत्री नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना संभाग रीवा (म.प्र.)	(संजय कुमार जैन) कलेक्टर जिला मऊगंज एवं पदेन उपसचिव म.प्र.शासन राजस्व विभाग

G-23260/25

कार्यालय कलेक्टर जिला मऊगंज एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

-: अधिसूचना :-

पत्र क्र. 316 प्रवा./भू-अर्जन/2025 मऊगंज दिनांक 11/11/2025

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है की नीचे दी गयी अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यावस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-19 के अंतर्गत इसके द्वारा घोषित किया जाता है कि निजी/शासकीय भूमि पर स्थित सपत्ति के अर्जन हेतु आवश्यकता है:-

।। अनुसूची।।

भूमि का विवरण :-
जिला - मऊगंज
तहसील - मऊगंज
ग्राम - ऊधौ पुरवा
क्षेत्रफल - 0.005 हे.

क्र.	खसरा क्र.	अर्जित रकबा (हे.में.)
1	90/1/1,/90/1/2/1,90/1/2/2,/90/2,/90/3/1,	0.001
	90/3/2,90/4/1,90/4/2	
2	121/1,121/2,	0.001
3	254	0.001
4	360	0.001
5	426,426/27/1,426/27/2,426/27/3	0.001

1. सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-"बाणसागर नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना अंतर्गत डी.बी. निर्माण" में आने वाले निजी/शासकीय भूमि एवं उस पर स्थित संपत्तियों के अर्जन हेतु।

2. भूमि का नक्सा (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर जिला मऊगंज के कार्यालय में देखा जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(विवेकानंद तिवारी) अनुविभागीय अधिकारी नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना उपसंभाग क्रमांक 2, मनगवां जिला रीवा (म.प्र.)	(बी.पी. मिश्रा) कार्यपालन यंत्री नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना संभाग रीवा (म.प्र.)	(संजय कुमार जैन) कलेक्टर जिला मऊगंज एवं पदेन उपसचिव म.प्र.शासन राजस्व विभाग

G-23258/25

संक्षिप्त खबरें

आज हिंदी विवि का दीक्षांत समारोह, दिए जाएंगे पदक

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विवि गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मशती एवं विवि के स्थापना दिवस पर दीक्षांत समारोह का आयोजन करने जा रहा है। कुशाभाऊ ठाकरे हॉल में आयोजित समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल मंगुभाई पटेल करेंगे। कार्यक्रम सुबह 11 बजे प्रारंभ हो जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति के अध्यक्ष रविंद्र रामचंद्र कान्हेरे उपस्थित होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में हिंदी विवि के संस्थापक कुलपति मोहनलाल छीपा शिरकत करेंगे। वर्तमान में वे पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति जयपुर में अध्यक्ष के तौर पर कार्यरत हैं। कार्यक्रम में कुलगुरु देवआनंद हिंडोलिया और कुलसचिव शैलेंद्र कुमार जैन उपस्थित रहेंगे।

मना सुशासन दिवस, डीजीपी ने दिलाई स्टाफ को शपथ

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को पुलिस मुख्यालय में सुशासन दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाणा ने मुख्यालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सुशासन की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान सभी ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे प्रदेश में शासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनकल्याणकारी बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। यह आयोजन पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा स्थापित आदर्शों और मूल्यों को याद करने और उन्हें सेवा में आत्मसात करने के उद्देश्य से किया गया।

आयोग लागू कर रहा है मनुवादी एजेंडा : माकपा

जागरण, भोपाल। एसआइआर के बाद चुनाव आयोग द्वारा जारी ड्राफ्ट में 42 लाख 73 हजार 846 वोटों का काटा जाना सिर्फ हर 13वें मतदाता को सूची से बाहर कर देना ही नहीं है, बल्कि आरएसएस के साम्प्रदायिक और मनुवादी एजेंडे को लागू करने की साजिश का हिस्सा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संघ के मनुवादी एजेंडे को संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग लागू कर रहा है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने इस संबंध में अपने बयान में कहा है कि भले ही भाजपा और उसकी सरकार इसे घुसपैठियों को बाहर निकालने का तर्क दे रही हो, लेकिन तब भी माकपा ने आशंका व्यक्त की थी कि इसका सबसे ज्यादा शिकार महिलाएं, अल्पसंख्यक, आदिवासी और दलित ही होंगे और यह बात चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों से जारी हो गई है।

सरकार और संगठन को लेकर शाह ने नेताओं से की चर्चा

बंद कमरे में सीएम ने की शाह से मुलाकात, संभावित मंत्रिमंडल विस्तार और निगम-मंडलों में नियुक्तियों को लेकर हुई चर्चा

विशेष संवाददाता, भोपाल। केंद्रीय मंत्री अमित शाह बुधवार को ग्वालियर पहुंचे, जहां उन्होंने देर रात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अलावा अन्य दूसरे वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रदेश के विकास के रोडमैप को लेकर चर्चा की। शाह ने सीएम के साथ अलग से बैठक की। सूत्रों की मानें तो इस बैठक में प्रदेश के संभावित मंत्रिमंडल विस्तार और निगम मंडलों की नियुक्तियों को लेकर चर्चा की गई है। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री शाह बुधवार देर शाम विशेष विमान से ग्वालियर पहुंचे, जहां से वे ऊषा किरण पैलेस होटल पहुंचे। यहां पर शाह ने पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से बंद कमरे में चर्चा की। बताया जा रहा है कि इस चर्चा के दौरान सीएम ने शाह को अपने दो साल के कार्यकाल का फीडबैक दिया और प्रदेश में किए गए नवाचारों की जानकारी दी है। उन्होंने अगले तीन साल के रोडमैप के बारे में भी शाह को अवगत कराया है। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक के दौरान मंत्रिपरिषद के संभावित विस्तार और फेरबदल को लेकर भी सीएम की शाह से चर्चा हुई है। इसी तरह निगम मंडलों में सरकारी नियुक्तियों को लेकर भी मुख्यमंत्री द्वारा आ रहे अवरोधों के बारे में शाह को जानकारी दी गई है। चर्चा के दौरान सीएम ने ग्रोथ समिट को लेकर भी केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया है। बैठक के बाद शाह ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। जिसमें मुख्यमंत्री के अलावा केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, ग्वालियर के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, स्थानीय सांसद, मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, नारायण सिंह कुशवाहा भी मौजूद रहे। बताया गया है कि बैठक में ग्वालियर सहित पूरे प्रदेश के विकास को लेकर चर्चा की गई है, जिसके लिए शाह द्वारा आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने भी की मुलाकात

जानकारी के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने भी केन्द्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। उनके अलावा कुछ दूसरे नेताओं ने शाह से मुलाकात की। इससे पहले केन्द्रीय शाह विशेष विमान से रात 9:40 मिनट पर ग्वालियर एयरपोर्ट पहुंचे। जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित दूसरे नेताओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया। यहां से शाह अपने काफिले के साथ सीधे ऊषा किरण पैलेस पहुंचे।

25 हजार लाभार्थी रहेंगे मौजूद : सीएम

शाह से साथ बैठक के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्रोथ समिट को लेकर पत्रकारों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समिट में ऐसे 25 हजार ऐसे लोग भी उपस्थित रहेंगे, जो लाभार्थी बने हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में ग्वालियर में टेलीकॉम सहित दूसरे सेक्टर में कई सौगातें मिलेंगी। इससे देश में ग्वालियर की अलग ही आदर्श पहचान बनेगी। पूरे मध्यप्रदेश में निवेश को लेकर देश भर में अलग तरह का माहौल बना हुआ है। सीएम ने कहा कि हमारी सरकार पार्टी संगठन के साथ मिलकर गरीब, युवा, महिला और अन्नदाता सहित सभी समाज वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मशताब्दी वर्ष में पूरे साल को उद्योग वर्ष के रूप में मनाया है। पूरे साल देश और विदेश में कई स्थानों पर इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव व रोड शो किए, जिसका अच्छा प्रतिसाद मिला और निवेशक मध्यप्रदेश पर भरोसा कर निवेश कर रहे हैं। व्यापार, व्यवसाय और उद्योग के लिए 25 दिसंबर से ग्वालियर में व्यापार मेला लगता है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा कई निर्णय लिए जाते है।

डिप्टी सीएम सहित कई मंत्री करेंगे शाह की अगुवानी

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह गुरुवार की दोपहर को रीवा पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उनके साथ रहेंगे। रीवा एयरपोर्ट पर शाह का उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, रीवा के प्रभारी मंत्री प्रहलाद पटेल के अलावा सांसद गणेश सिंह, जर्नादन मिश्रा सहित पार्टी के विधायक व अन्य नेता मौजूद रहेंगे। शाह रीवा के बसामन मामा में आयोजित कार्यक्रम के उपरांत दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

2025 में पुलिस ने प्रदेशभर से किया लाल आतंक का खात्मा, यही सबसे बड़ी उपलब्धि

ई-चालान के जुर्माने से मिले 239 करोड़ से खरीदेंगे सुरक्षा उपकरण, सुरक्षा के नजरिए से नई तकनीकी सुविधाएं भी शुरू

मुख्य संवाददाता, भोपाल। साल 2025 अपनी विदाई के साथ प्रदेश में चल रहे नक्सल आतंकवाद को भी अपने साथ अतीत में ले जाएगा। सन् 1900 से चुनौती बना हुआ लाल आतंक 35 सालों के संघर्ष के बाद दिसंबर में खत्म हो गया। बालाघाट में एक्टिव अंतिम दो नक्सलियों दीपक और रोहित के सरेंडर के साथ ही प्रदेश को औपचारिक तौर पर नक्सल मुक्त करने की घोषणा कर दी गई। इस लंबे संघर्ष के दौरान पुलिस के 38 जवानों और अफसरों ने इस आतंक से निपटते हुए अपने प्राणों का बलिदान भी दिया। इसके अलावा प्रदेश में साल 2025 में सुरक्षा के नजरिए से कई नई तकनीकी सुविधाएं शुरू करने के साथ कई नवाचार भी किए। एमपी पुलिस के नशा मुक्ति अभियान ने देश के साथ ही विदेश में भी अपनी पहचान बनाई और इस अबियान को विश्व कीर्तिमान में शामिल करते हुए ब्रिटिश संसद में भी सम्मानित किया गया।

इस साल पुलिस की अहम उपलब्धियां

■ **टाइम लिमिट से पहले नक्सलवाद का खात्मा:** प्रदेश से पूरी तरह मुक्त घोषित हो गया। लाल आतंक के खात्मे के लिए पुलिस और केंद्र की फोर्स ने अपने ऑपरेशन्स के जरिए साल भर में 10 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया। इन ऑपरेशन के कारण 15 नक्सलियों ने एमपी और प्रदेश में एक्टिव 30 से ज्यादा अन्य माओवादियों ने पड़ोसी छत्तीसगढ़ में जाकर हथियार डाले। प्रदेश को नक्सली मुक्त कराने के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाइन थी लेकिन इससे 3 माह 20 दिन पहले ही टारगेट हासिल कर लिया गया।

■ **पुलिस में हजारों पदों पर भर्तियां फिर चालू:** पुलिस भर्ती परीक्षा 2023 के नजीते आने के बाद प्रदेश में आरक्षक के लगभग 4 हजार नए पदों पर नियुक्तियां हो गईं। इसके अलावा पुलिस भर्ती परीक्षा 2025 के जरिए आरक्षकों के 7,500, सब इंस्पेक्टर के 500 और क्लेरिकल स्टाफ के 500 पदों पर भी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की है। अगले साल अप्रैल तक इन पदों को भरने की तैयारी है। पुलिस ने 8 साल के अंतराल के बाद सब-इंस्पेक्टर के 500 पदों पर भर्ती निकाली। इस बार पुलिस ने भर्ती नियमों में शारीरिक दक्षता के अंकों को चयन का मुख्य आधार बनाते हुए आइरिस स्कैनर की व्यवस्था लागू की है ताकि धोखाधड़ी पर लगाम लग सके।

■ **साइबर फ्रॉड में 404 करोड़ की रिकवरी:** गृह विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 2025 में साइबर अपराधों से होने वाले आर्थिक नुकसान में कमी आई है। आंकड़ों के अनुसार साल भर में लगभग 404 करोड़ के सायबर अपराधों में से 45.51 करोड़ की राशि पीड़ितों के खातों में वापस कराई गई है। इस तरह के अपराधों से निपटने के लिए इस साल से साइबर हेल्प डेस्क जिला स्तर के बजाय तहसील स्तर पर शुरू करने का फैसला लिया गया।

■ **सिहंस्थ 2028 की तैयारियां अभी से शुरू, एआई से होगी निगरानी:** 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ कुंभ के लिए गृह विभाग ने इस साल से ही अपनी तैयारी शुरू कर ली है। सिंहस्थ के लिए 5 हजार से ज्यादा होमगार्ड जवानों की नियुक्ति के अलावा पुलिस के 25 हजार पद अगले तीन साल में भरने की तैयारी शुरू है। इसके अलावा उज्जैन और आसपास के इलाकों में सिंहस्थ से पहले एआई आधारित सीसीटीवी निगरानी प्रणाली और क्राउड मैनेजमेंट के लिए आधुनिक कंट्रोल रूम बनाने की तैयारी भी की जा रही है।

■ **महिला एवं बाल सुरक्षा के लिए पिंक पेट्रोलिंग, बॉडी वार्न कैमरों से लैस हुई पुलिस:** महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में पिंक पेट्रोलिंग शुरू की गई। स्कूल-कॉलेज के पास सादे कपड़ों में पुलिस की तैनाती के लिए विशेष सेल बनाए गए। इसके अलावा स्मार्ट पुलिसिंग के लिए पुलिस को ड्रोन, बॉडी वॉर्न कैमरा और नाइट विजन डिवाइस से लैस किया गया। अपराधियों की पहचान के लिए अब एआई-आधारित फेस रिकग्निशन सिस्टम ने भी प्रदेश में काम करना शुरू कर दिया गया है।

■ **26 लाख ई-चालान, 239 करोड़ से होगी सुरक्षा उपकरणो की खरीदी:** राज्य सरकार के गृह विभाग के अनुसार साल 2025 में लगभग 26 लाख ई चालान काटे गए। इनसे जुर्माने के रूप में मिलने वाली 239 करोड़ की रकम से पुलिस कर्मियों के लिए सुरक्षा उपकरण खरीदे जाएंगे। इस साल पुलिस ने अपनी छवि सुधारने पर फोकस किया है जिसमें स्टाफ को संवाद, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के जरिए कार्रवाई करने को कहा गया। इस साल पुलिस थानों का आधुनिकीकरण बी शुरू हुआ। इसके अलावा पुलिस अधिकारियों को डिजिटल एविडेंस (साक्ष्य) के साथ नई कानूनी धाराओं के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

■ **अभियानों को मिली ग्लोबल पहचान:** प्रदेश की पुलिस ने 2025 में दो बड़े सामाजिक अभियान चलाए। पहला अभियान डिजिटल साक्षरता को लेकर सेफ क्लिक अभियान चलाया। इसके जरिए खासकर युवाओं और बुजुर्गों को डिजिटल ट्रेनिंग के जरिए ठगी से बचने की सलाह दी गई। पुलिस ने इसके अलावा नशामुक्ति के लिए नशे से दूरी है जरूरी अभियान चलाया जो प्रदेश और देश के लगभग 6 करोड़ लोगों तक पहुंचा। पुलिस के इस अभियान को रिकॉर्ड बुक में शामिल करने के साथ ही ब्रिटिश पार्लियामेंट में भी सम्मानित किया गया।

मंत्री ने कहा-33 हजार पेड़ कटे, कांग्रेस विधायक बोले तीन लाख काटे गए

विशेष संवाददाता, भोपाल। सिंगरौली के घिरौली कोल ब्लॉक में पेड़ काटे जाने को लेकर प्रदेश में जमकर राजनीति हो रही है। कांग्रेस ने जहां अपने दल भेजकर अंधाधुंध कटाई होने का आरोप लगाया तो सरकार और भाजपा ने इसे सिरे से नकार दिया है। बुधवार को सिंगरौली की प्रभारी मंत्री संपत्तिया उइके के कहा कि कांग्रेस पेड़ कटने की काल्पनिक संख्या बता रही है। इस पर आदिवासी कांग्रेस ने कहा कि वहां पेड़ों की नंबरिंग गलत तरीके से की जा रही है। गौरतलब है कि सिंगरौली के घिरौली ब्लांक में पेड़ों की कटाई का मुद्दा पिछले एक पखवाड़े से सुर्खियों में है। इस मामले में कांग्रेस का 11 सदस्यीय दल भी घिरौली ब्लांक का भ्रमण कर चुका है, जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित दूसरे बड़े नेता शामिल रहे। इस दल ने भोपाल पहुंचकर अब तक 3 लाख पेड़ों के काटने जाने का आरोप लगाया। जिसे सिंगरौली की प्रभारी मंत्री संपतिया उइके ने नकार दिया है। उनका कहना है कि अब तक मात्र 33 हजार पेड़ ही काटे गए है। हालांकि चिन्हित क्षेत्र में 6 लाख पेड़ों की कटाई प्रस्तावित है, लेकिन अभी इतने पेड़ काटे नहीं गए है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि काल्पनिक बातें कही जा रही है, जबकि हकीकत कुछ और है। इस संबंध में सिंगरौली जाने वाले दल में शामिल रहे आदिवासीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. विक्रात भूरिया का कहना है कि अब तक वहां पर 3 लाख से ज्यादा पेड़ काट दिए गए है। जबकि अब तक 33 हजार पेड़ ही काटे जाने की बात कही जा रही है। सरकार का लक्ष्य 20से 25 लाख पेड़ काटे जाने का है। उन्होंने कहा कि वहां पर काटे गए पेड़ों की नंबरिंग गलत तरीके से की जा रही है। एक पेड़ काटा जा रहा है और पांच से छह पेड़े छोड़े जा रहे है।

सिंगरौली के घिरौली कोल ब्लॉक में पेड़ों की कटाई पर राजनीति जारी

प्रो. समर को बीयू में रजिस्ट्रार बनाने रीवा विवि से परिहार कार्यमुक्त

प्रोफेसर कोटे से सिर्फ 25 फीसदी प्रतिनियुक्ति पर भेजकर रजिस्ट्रार बनाने के नियम के कारण करनी पड़ी मशक्कत

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने बाबूलाल गौर कालेज के प्रोफेसर समर बहादुर सिंह को बरकतउल्ला विवि का रजिस्ट्रार नियुक्त किया है। 200 किमी दूर सम्राट विक्रामादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के प्रभारी कुलसचिव डॉ. अनिल शर्मा को बीयू के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया है। विभाग ने सिंह को बीयू का प्रभार देने से पहले अवधेश प्रताप सिंह विवि रीवा के कुलसचिव सुरेंद्र सिंह परिहार को कार्यमुक्त किया। यहां डिप्टी रजिस्ट्रार नीरजा शर्मा को प्रभारी कुलसचिव नियुक्त किया गया है। आदेश जारी होने के चार घंटे बाद ही सिंह ने कार्यभार संभालते ही अधिकारियों की ली बैठक और दिश निर्देश जारी किए। काफी जद्दोजहद के बाद विभाग ने भेल कालेज के प्रोफेसर समर बहादुर सिंह को बीयू का रजिस्ट्रार नियुक्त कर दिया है। उन्हें रजिस्ट्रार बनाने के पहले विभाग का 500 किमी दूर एपीएस विवि रीवा के प्रभारी कुलसचिव सुरेंद्र सिंह परिहार को कार्यमुक्त करना पड़ा है। उनके स्थान पर डीआर शर्मा को कुलसचिव का प्रभार दिया गया है। विभाग को इतनी मशक्कत सिर्फ इसलिए करनी पड़ी है, क्योंकि प्रदेश के सभी विवि में प्रोफेसर कोटे से सिर्फ 25 फीसदी प्रतिनियुक्ति पर भेजकर रजिस्ट्रार बनाया जा सकता है।

परीक्षा और रिजल्ट पर फोकस

प्रो सिंह ने पदभार ग्रहण करते समय सबसे पहले परीक्षा और रिजल्ट के विलंब होने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने तत्काल परीक्षाएं कराने और रिजल्ट जारी करने के लिए असिस्टेंट रजिस्ट्रार सुनील नायक और मनोज भटनागर को निर्देशित किया है। इसके अलावा एआर पुनीत शुक्ला को कार्यपरिषद की रूप-रेखा तैयार करने के लिए कहा है। एआर पिंकी मनकारी को पीएम-ऊषा के तहत आए बजट को लेकर लेखाजोखा तलब किया है। इस दौरान एआर अभय गुप्ता और शरद पटेल नदारद रहे।

विधायक आरिफ मसूद के कालेज की जांच की थी

भोपाल मध्य के कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के इंदिरा प्रियदर्शनी कालेज की जांच रिपोर्ट तैयार करने में प्रो सिंह ने अहम भूमिका निभाई थी। उक्त रिपोर्ट के आधार पर कालेज की मान्यता समाप्त की गई थी। हालांकि अभी बीयू ने उसकी संबद्धता समाप्त करने की कार्रवाई पूरी नहीं की है, जो आगामी कार्यपरिषद की बैठक में हो सकती है।

विश्वविद्यालयों के पदस्थ कुलसचिव

विश्वविद्यालय	कुलसचिव
बरकतउल्ला विश्वविद्यालय	प्रो समर बहादुर सिंह
भोज मुक्त विश्वविद्यालय	सुशील मंडेरिया
पं. शंभूनाथ शुक्ल विवि शहडोल	प्रो आशीष तिवारी
राजा शंकर शाह विवि छिंदवाड़ा	प्रो. युवराज पाटिल
क्रांतिसूर्य टंटया भील विवि खरगौन	प्रो एसके सुमानी
क्रांतिवीर तत्या टोपे विवि गुना	प्रो ललित नामदेव
रानी अवंतीबाई विवि सागर	प्रो शक्ति जैन
पतांजलि संस्कृत विवि उज्जैन	प्रो दिलीप सोनी
ग्रामोदय महात्मा गांधी विवि चित्रकूट	प्रो आरसी त्रिपाठी
जीवाजी विवि ग्वालियर	राजीव मिश्रा
अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विवि	शैलेंद्र कुमार जैन
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय	प्रज्ज्वल खरे
अवधेश प्रताप सिंह विवि रीवा	नीरजा नामदेवा
रानी दुर्गावती विवि जबलपुर	आरएस बघेल
सम्राट विक्रमादित्य विवि उज्जैन	अनिल शर्मा
महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विवि	छतरपुर यशवंत पटेल
बीआर अंबेडकर विवि महू	अजय वर्मा

एमपी कैडर के 4 एसपीएस अफसर बने आईपीएस, 21 नवंबर को हुई थी डीपीसी

मीणा के नाम पर अंतिम समय में लगा ब्रेक, पांच के बजाय चार नामों को मंजूरी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। एमपी कैडर के राज्य पुलिस सेवा के चार अफसरों को आईपीएस कैडर मिल गया है। विक्रांत मुराब, सुरेंद्र कुमार जैन, आशीष खरे और राजेश रघुवंशी को आईपीएस अवार्ड करने के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को आदेश जारी कर दिए। गृह मंत्रालय के ऑर्डर के मुताबिक एमपी कैडर के राज्य पुलिस सेवा के ये चारों अफसर एक साल के लिए परिवीक्षा अवधि में रहेंगे। राज्य शासन ने 1997 और 1998 बैच के इन अफसरों को आईपीएस पद पर प्रमोट करने के लिए 21 नवंबर को डीपीसी की थी। इसके बाद 15 नामों को आईपीएस के प्रमोशन के लिए भेजा गया था, जिनमें से पांच नामों को मंजूरी मिलने की उम्मीद थी। केंद्र ने इस सूची पर एक माह तक विचार करने के बाद 1997 बैच के एसपीएस विक्रांत मुराब और 1998 बैच के सुरेंद्र कुमार जैन, आशीष खरे और राजेश रघुवंशी के नामों को हरी झंडी देते हुए नोटिफिकेशन जारी कर दिया।

डीई के कारण ससत्या और कास्ट सर्टिफिकेट के कारण मीणा हुए बाहर

राज्य सरकार ने 12 सितंबर को आईपीएस के पदों पर प्रमोशन के लिए डीपीसी बैठक की थी। इसका नोटिफिकेशन जारी होने में देरी और प्रशासनिक कारणों से उसे निरस्त कर 21 नवंबर को फिर से डीपीसी की थी। सीएस अनुराग जैन, डीजीपी कैलाश मकवाणा और एसीएस होम शिवशेखर शुक्ला ने 15 नामों का पैनल तैयार कर इसे मंजूरी के लिए केंद्र को भेजा था। इस साल पांच एसपीएस से प्रमोट कर पांच अफसरों को आईपीएस अवार्ड की उम्मीद थी। लिस्ट में ऊपर सीताराम ससत्या व अमृत मीणा का नाम था पर ससत्या के खिलाफ विभागीय जांच (डीई) लंबित होने के कारण उनके नाम पर मंजूरी मिलना पहले से ही मुश्किल था। इसके बाद लिस्ट में दूसरे नंबर पर अमृत मीणा का नाम था, लेकिन उनके जाति प्रमाण पत्र के कारण मामला अटक गया। इसके बाद केंद्र ने पांच के बजाय चार नामों पर सहमति दी। इस लिस्ट में शामिल निमिषा पांडेय, राजेश कुमार मिश्रा, मलय जैन, अमित सक्सेना, मनीषा पाठक सोनी, सुमन गुर्जर, सव्यसाची सर्राफ, समर वर्मा और सत्येंद्र सिंह तोमर के नामों पर अब अगले साल विचार होगा।

कांन्फ्रेंस — तीन मंत्रियों ने अपने विभागों में पिछले दो साल में किए गए कार्यों की दी जानकारी

प्रदेश की हर पैक्स को जोड़ा जाएगा तीन व्यवसायों से: सारंग

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार के सहकारिता और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग का कहना है कि प्रदेश में पैक्स समितियों को मजबूत बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां (पैक्स) के माध्यम से किसानों और युवाओं को व्यापार के अवसर प्रदान कराए जाएंगे। नवाचार के तौर पर प्रत्येक पैक्स को तीन व्यवसायों से जोड़ा जाएगा। मंत्री सारंग बुधवार को अपने विभागों में पिछले दो साल में किए गए कार्यो को लेकर पत्रकारो संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पैक्स को सिर्फ खाद-बीज तक सीमित न रखकर नवकरणीय ऊर्जा, कृषि-उद्योगों और अन्य क्षेत्रों में भी जोड़ा जा रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ जिला सहकारी बैंकों की स्थिति खराब है। हमें प्रदेश सरकार ने 300 करोड़ की राशि प्रदान की ,जिसे हमने 6 बैंकों को 50-50 करोड़ रुपए देकर उनकी वित्तीय स्थिति को सुधारा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को दुग्ध मूवमेंट को तेज गति से आगे बढ़ाना चाहते है। इसी तरह प्रदेश में 'एमपी चीता' सहकारी बीज ब्रांड की शुरुआत, मॉडल के माध्यम से निजी निवेश और सहकारी क्षेत्र का समन्वय बनाया गया है।

पुलिस की भर्ती में खेल कोटा

सारंग ने खेल विभाग की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा प्रदेश के खिलाड़ी आज राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पदक अर्जित कर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। वर्ष 2024 में पेरिस (फ्रांस) में आयोजित ओलम्पिक व पैरा ओलम्पिक 2024 में प्रदेश के खिलाड़ियों ने प्रतिभागिता कर पदक अर्जित किये।प्रदेश के खिलाडियों ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कुल 57 पदक तथा राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 391 पदक अर्जित किए। क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 की विजेता भारतीय महिला टीम की सदस्य प्रदेश की सुश्री क्रांति गौड़ को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा 1 करोड़ रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई है। सारंग ने बताया कि युवाओं को शासन की योजनाओं से जोड़ने हेतु 'मेरा युवा मध्यप्रदेश' पोर्टल को सशक्त किया जा रहा है, जिस पर विभिन्न विभागों की युवा केंद्रित योजनाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

ग्राम सभाओं में सत्यापित होंगे हितग्राही: राजपूत

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि दो साल में विभाग में योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं निगरानी व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई है। हमने हितग्राहियों को वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के जरिए खाद्यान्न पहुंचाने का काम किया है। विभाग ने तय किया है कि जल्द ही हम राशन सामग्री को हितग्राहियों के घर तक पहुंचाएं। इस दिशा में विदिशा में प्रयास शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हम राशन की दुकानों को मार्ट के रुप विकसित करेंगे। जहां किराने का समान ,जनरल स्टोर व अन्य जरुरत का समान मिल सके। राजपूत ने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत प्रदेश के 5 करोड़ 25 लाख से अधिक हितग्राहियों को लगभग 22 हजार 800 करोड़ रुपये मूल्य का निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया गया। इसके अतिरिक्त 26 जनवरी एवं 2 अक्टूबर को ग्राम सभाओं में पात्र हितग्राहियों की सूची का वाचन किया जा रहा है। राजपूत ने बताया कि विभाग द्वारा ई-केवाईसी प्रक्रिया में उल्लेखनीय प्रगति की गई है। प्रदेश में दो वर्ष में लगभग 1 करोड़ 70 लाख से अधिक हितग्राहियों का ई-केवाईसी सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है। अब तक 4 करोड़ 97 लाख हितग्राहियों के ई-केवाईसी कराये जा चुके हैं। इस तरह से अब तक लगभग 93 प्रतिशत ई-केवाईसी पूर्ण हो चुके हैं। बायोमेट्रिक के साथ-साथ फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से भी ई-केवाईसी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

तकनीकी नवाचारों से आमजन को राहत: वर्मा

राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा दो वर्षों में राजस्व प्रशासन को अधिक पारदर्शी, त्वरित और जनोन्मुखी बनाने ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। अभियानों और तकनीकी नवाचारों से नागरिकों को बड़ी राहत मिली है तथा लंबे समय से लंबित मामलों का तेजी से निराकरण संभव हुआ है। राजस्व मंत्री बुधवार को कुशाभाऊ विभाग की दो वर्ष की उपलब्धियों एवं नवाचारों पर पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। वर्मा ने कहा कि प्रकरणों के त्वरित समाधान के लिए 2024-25 में राजस्व महाअभियान के तीन चरण संचालित किए, जिनमें एक करोड़ ने कहा कि प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए राजस्व न्यायालयों में न्यायिक एवं गैर-न्यायिक कार्यों के लिए अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है 24 जिलों में जिसने राजस्व न्यायालयों के लिए समर्पित अधिकारियों की नियुक्ति कर त्वरित एवं नियमित न्यायिक कार्यवाही सुनिश्चित की है। वर्मा ने सायबर तहसील को विभाग की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि 29 फरवरी 2024 से नामांतरण की प्रक्रिया पूरी तरह पेपरलेस और फेसलेस कर दी गई है। अब 20 दिनों के भीतर नामांतरण पूरा कर आदेश व्हाट्सएप एवं ई-मेल के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। सायबर तहसील से अब तक 6 लाख 26 हजार से अधिक नामांतरण प्रकरणों का निराकरण किया गया है, जिसके लिए इसे प्रधानमंत्री उत्कृष्टता प्रमाण पत्र भी प्राप्त हुआ है।

आज हड़ताल पर रहेंगे शिक्षक, अंबेडकर पार्क में लगेगा जमाबड़ा

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश में गुरुवार को शिक्षक हड़ताल पर रहेंगे। राजधानी के अंबेडकर पार्क में सुबह 11 बजे से शिक्षकों का जमावड़ा लगेगा। मप्र राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने बताया कि प्रदेश में सरकारी विद्यालयों की तस्वीर बदली है। बुनियादी सुविधाओं से लेकर शैक्षणिक गुणवत्ता तक सुधार हुआ है। दसवीं-बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में लगातार सरकारी स्कूलों के छात्र अव्वल आ रहे हैं। इसके बावजूद शिक्षक अपनी मूलभूत मांगों के समाधान के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। शिक्षकों का कहना है कि सरकार ने उनसे अपेक्षाएं तो बढ़ाईं, लेकिन वर्षों से लंबित समस्याओं पर ठोस निर्णय नहीं लिया। इसी क्रम में गुरुवार को प्रदेश भर के राज्य शिक्षा सेवा में नियुक्त शिक्षक भोपाल के अंबेडकर पार्क में धरना प्रदर्शन करेंगे। धरना स्थल पर शिक्षक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराएंगे।

विनम्रता और सुशासन के प्रतीक वाजपेयी

प्रो. सतपाल

भारत के राजनीतिक इतिहास में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ऐसा नाम है जिसकी स्मृति केवल शासन और नीतियों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि करोड़ों भारतीयों के हृदय में भावनात्मक रूप से अंकित है। उनकी जयंती राष्ट्र को यह स्मरण कराती है कि महानता पद से नहीं, बल्कि विचारों की ऊंचाई, आचरण की सादगी और राष्ट्रहित की अटूट प्रतिबद्धता से उपजती है। अटल जी का जीवन ऐसे गौरवशाली आदर्श का प्रतीक था, जहां कविता और राजनीति, संवेदना और निर्णय, विनम्रता और दृढ़ता एक साथ निवास करते थे।

अटल जी का राजनीतिक जीवन अत्यंत संघर्षपूर्ण किंतु प्रेरणादायक रहा है। राजनीति में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान एक सक्रिय छात्र नेता के रूप में उनका पदार्पण माना जाता है। तत्पश्चात वर्ष 1951 में जनसंघ की स्थापना के बाद वे उसके प्रमुख युवा चेहरों में शामिल हो गए। वर्ष 1952 में उन्होंने पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा, लेकिन सफलता नहीं मिली, लेकिन सन 1957 में चुनाव जीत कर पहली बार लोकसभा

> **अटल जी का राजनीतिक जीवन अत्यंत संघर्षपूर्ण किंतु प्रेरणादायक रहा है। राजनीति में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान एक सक्रिय छात्र नेता के रूप में उनका पदार्पण माना जाता है। तत्पश्चात वर्ष 1951 में जनसंघ की स्थापना के बाद वे उसके प्रमुख युवा चेहरों में शामिल हो गए।**

पहुंचे। उन्होंने अपनी प्रभावशाली भाषण शैली से संसद में एक विशिष्ट स्थान बनाया। उनके भाषणों को सुनने के लिए विपक्षी नेता भी सदन में उपस्थिति सुनिश्चित करते थे। भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष तथा भारतीय जनता पार्टी के प्रथम अध्यक्ष के रूप में भी अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन किया। उनकी विलक्षण प्रतिभा को देखते हुए सन 1977 में मोरारजी देसाई के नेतृत्व की जनता पार्टी सरकार में उन्हें विदेश मंत्री का जिम्मा सौंपा गया। यह वो दौर था जब अंग्रेजी को वैश्विक संवाद एवं कूटनीतिक भाषा के रूप में देखा जाता था। लेकिन वे पहले ऐसे भारतीय थे जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र में पहली बार हिंदी में भाषण देकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय अस्मिता का गौरव बढ़ाया।

1996, 1998 और 1999 में भारत के प्रधानमंत्री बने। देश के लिए उनका विकास दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है जिसमें वर्ष 1998 का पोखरण परमाणु परीक्षण प्रमुख है, जिसने भारत को वैश्विक पटल पर एक दृढ़ और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना के तहत देश के चारों कोनों को आधुनिक सड़क नेटवर्क से जोड़ा गया। वहीं देश की सबसे महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के माध्यम से लाखों गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़कर ग्रामीण जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आया, जिसकी प्रतिध्वनि हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्यों में आज भी सुनाई देती है। दूरसंचार क्षेत्र में सुधारों ने मोबाइल क्रांति की नींव रखी। इसके अतिरिक्त रोहतांग सुरंग की परिकल्पना, जो आज 'अटल टनल' के रूप में जानी जाती है, उनकी दूरदृष्टि का प्रतीक है जिसने हिमाचल के लाहौल-स्पीति को वर्ष भर देश से जोड?र विकास और पर्यटन को नई ऊर्जा देने का काम किया। अद्भुत प्रतिभा के धनी अटल जी का व्यक्तित्व साहित्यिक संवेदनाओं से समृद्ध था। उनके लिए राजनीति कभी विरोध का माध्यम नहीं, बल्कि संवाद का सेतु थी। विपक्षी नेताओं के प्रति सम्मान, निर्णयों में संतुलन और भाषणों में संस्कृति, ये सब उनके व्यक्तित्व की पहचान थे। पोखरण के साहस और लाहौर बस यात्रा की शांति, दोनों को साथ लेकर चलने का अद्वितीय उदाहरण अटल जी ने ही प्रस्तुत किया। अटल बिहारी वाजपेयी को कई प्रतिष्ठित सम्मान मिले, जिनमें 2015 में भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न, 1992 में दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण, 1994 में सर्वश्रेष्ठ सांसद पुरस्कार और बांग्लादेश सरकार द्वारा फ्रेंड्स ऑफ बांग्लादेश लिबरेशन वॉर अवार्ड शामिल हैं, जो उनकी कद एवं काबीलियत का प्रतिबिम्ब है। उनकी जयंती हमें प्रेरणा देती है कि राष्ट्र निर्माण समावेशी सोच व स्वच्छ राजनीति से ही संभव है।

आज भी लोकप्रिय हैं अटल जी की कविताएं

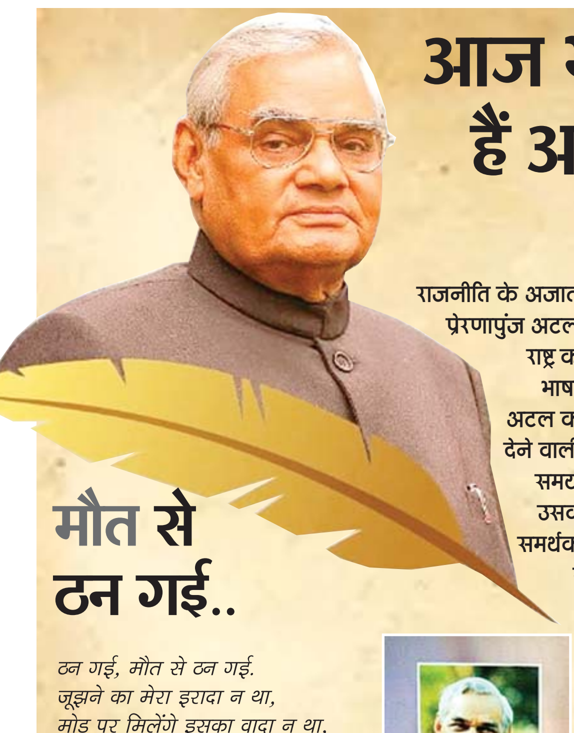

राजनीति के अजातशत्रु, महामानव, स्टेटसमैन और देश के प्रेरणापुंज अटल बिहारी वाजपेयी एक मंझे हुए राजनेता, राष्ट्र कवि, और प्रखर वक्ता थे। वे हमेशा अपने भाषणों में अपनी कविताएं सुनाया करते थे। अटल की कविताएं ललकारने वाली और प्रेरणा देने वाली होती थी। उन्होंने कई कविताएं लिखीं। समय-दर-समय उन्हें संसद और दूसरे मंचों से उसका पाठ भी किया। उनकी कुछ कविताएं समर्थकों में खासा लोकप्रिय है। उनकी कविता संग्रह 'मेरी 51 कविताएं' से उनकी कुछ चुनिंदा कविताएं प्रस्तुत हैं।

मौत से ठन गई..

ठन गई, मौत से ठन गई.
जूझने का मेरा इरादा न था,
मोड़ पर मिलेंगे इसका वादा न था,
रास्ता रोक कर वह खड़ी हो गई,
यों लगा जिन्दगी से बड़ी हो गई
मौत की उमर क्या है? दो पल भी नहीं,
जिन्दगी सिलसिला, आज कल की नहीं
मैं जी भर जिया, मैं मन से मरूँ,
लौटकर आऊँगा, कूच से क्यों डरूँ?
तू दबे पाँव, चोरी-छिपे से न आ,
सामने वार कर फिर मुझे आज़मा
मौत से बेख़बर, जिन्दगी का सफ़र,
शाम हर सुरमई, रात बंसी का स्वर
बात ऐसी नहीं कि कोई ग़म ही नहीं,
दर्द अपने-पराए कुछ कम भी नहीं
प्यार इतना परायों से मुझको मिला,
न अपनों से बाक़ी हैं कोई गिला
हर चुनौती से दो हाथ मैंने किये,
आंधियों में जलाए हैं बुझते दिए
आज झकझोरता तेज़ तूफ़ान है,
नाव भँवरों की बाँहों में मेहमान है
पार पाने का क़ायम मगर हौसला,
देख तेवर तूफ़ाँ का, तेवरी तन गई
मौत से ठन गई

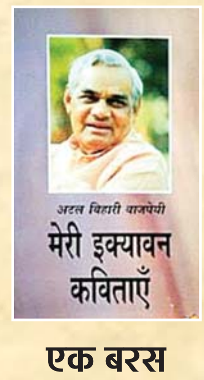

एक बरस बीत गया..

झुलासाता जेठ मास
शरद चांदनी उदास
सिसकी भरते सावन का
अंतर्घट रीत गया
एक बरस बीत गया
सीकचों मे सिमटा जग
किंतु विकल प्राण विहग

दो अनुभूतियां..

पहली अनुभूति

बेनकाब चेहरे हैं, दाग बड़े गहरे हैं
टूटता तिलिस्म आज सच से भय खाता हूं
गीत नहीं गाता हूं
लगी कुछ ऐसी नज़र बिखरा शीशे सा शहर
अपनों के मेले में मीत नहीं पाता हूं
गीत नहीं गाता हूं
पीठ मे छुरी सा चांद, राहू गया रेखा फांद
मुक्ति के क्षणों में बार बार बंध जाता हूं
गीत नहीं गाता हूं

दूसरी अनुभूति

गीत नया गाता हूं
टूटे हुए तारों से फूटे बासंती स्वर
पत्थर की छाती मे उग आया नव अंकुर
झरे सब पीले पात कोयल की कुहुक रात
प्राची में अरुणिम की रेख देख पता हूं
गीत नया गाता हूं
टूटे हुए सपनों की कौन सुने सिसकी
अन्तर की चीर व्यथा पलकों पर ठिठकी
हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा,
काल के कपाल पे लिखता मिटाता हूं
गीत नया गाता हूं

कदम मिलाकर चलना होगा..

बाधाएं आती हैं आएं
घिरें प्रलय की घोर घटाएं,
पावों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएं,
निज हाथों में हंसते-हंसते,
आग लगाकर जलना होगा.
कदम मिलाकर चलना होगा.

हास्य-रूदन में, तूफानों में,
अगर असंख्यक बलिदानों में,
उद्यानों में, वीरानों में,
अपमानों में, सम्मानों में,
उन्नत मस्तक, उभरा सीना,
पीड़ाओं में पलना होगा.
कदम मिलाकर चलना होगा.

उजियारे में, अंधकार में,
कल कहार में, बीच धार में,
घोर घृणा में, पूत प्यार में,
क्षणिक जीत में, दीर्घ हार में,
जीवन के शत-शत आकर्षक,
अरमानों को ढलना होगा.
कदम मिलाकर चलना होगा.

सम्मुख फैला अगर ध्येय पथ,
प्रगति चिरंतन कैसा इति अब,
सुस्मित हर्षित कैसा श्रम श्लथ,
असफल, सफल समान मनोरथ,
सब कुछ देकर कुछ न मांगते,
पावस बनकर ढलना होगा.
कदम मिलाकर चलना होगा.

कुछ कांटों से सज्जित जीवन,
प्रखर प्यार से वंचित यौवन,
नीरवता से मुखरित मधुबन,
परहित अर्पित अपना तन-मन,
जीवन को शत-शत आहुति में,
जलना होगा, गलना होगा.
क़दम मिलाकर चलना होगा.

दूध में दरार पड़ गई

खून क्यों सफेद हो गया?
भेद में अभेद खो गया.
बंट गये शहीद, गीत कट गए,
कलेजे में कटार दड़ गई.
दूध में दरार पड़ गई.

खेतों में बारूदी गंध,
टूट गये नानक के छंद
सतलुज सहम उठी, व्यथित सी बितस्ता है.
वसंत से बहार झड़ गई
दूध में दरार पड़ गई.

अपनी ही छाया से बैर,
गले लगने लगे हैं ग़ैर,
खुदकुशी का रास्ता, तुम्हें वतन का वास्ता.
बात बनाएं, बिगड़ गई.
दूध में दरार पड़ गई.

विचार और संवेदना के संगम अटल बिहारी

हेमन्त खण्डेलवाल
प्रदेश अध्यक्ष भाजपा

25 दिसंबर केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की वैचारिक यात्रा का स्मरण दिवस है। यह वह दिन है, जब राष्ट्र अटल बिहारी वाजपेयी जैसे युगद्रष्टा नेता की जन्मजयंती मनाता है। उनका जन्मशताब्दी वर्ष हमें उनके विचारों, संकल्पों और सपनों को और गहराई से आत्मसात करने का अवसर देता है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा अटल स्मृति वर्ष के रूप में इस कालखंड को मनाना, अतीत के गौरव को वर्तमान की जिम्मेदारी और भविष्य के संकल्प से जोड़ने का सशक्त प्रयास है।

अटल जी का व्यक्तित्व विचार और संवेदना का दुर्लभ संगम था। वे दृढ़ राष्ट्रवादी थे, किंतु संवाद और सहमति के पक्षधर भी। सत्ता में रहते रहते हुए भी उनकी भाषा में मर्यादा और व्यवहार में विनम्रता रही। कविता उनकी आत्मा थी और राष्ट्रसेवा उनका जीवन-संकल्प। यही कारण है कि वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गरिमा के प्रतीक के रूप में स्मरण किए जाते हैं। प्रधानमंत्री के रूप में अटल जी ने सुशासन को व्यवहार में उतारा। पोखरण परमाणु परीक्षणों से भारत की सामरिक आत्मनिर्भरता स्थापित हुई, तो कारगिल जैसे कठिन समय में उन्होंने पूरे देश को एकजुट नेतृत्व दिया। स्वर्णिम चतुर्भुज, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और दूरसंचार क्षेत्र में किए गए सुधार-ये सभी उस विकसित भारत की आधारशिला बने, जिसकी दूरदृष्टि अटल जी ने वर्षों पहले देख ली थी। अटल बिहारी वाजपेयी जी का मध्यप्रदेश से रिश्ता केवल राजनीतिक नहीं, ऐतिहासिक और भावनात्मक भी था। ग्वालियर को कर्मभूमि बनाकर उन्होंने इस प्रदेश से आत्मीय संबंध स्थापित किया। ग्वालियर की जनता ने उन्हें लोकसभा में भेजा, तब यह केवल एक चुनावी विजय नहीं थी, बल्कि कठिन समय में दिया गया वह विश्वास था जिसने अटल जी को राष्ट्रीय नेतृत्व की नई ऊर्जा प्रदान की। अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्मशताब्दी वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ग्वालियर की धरती का पुनः राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनना कोई संयोग नहीं, बल्कि वैचारिक निरंतरता

> **अटल जी का सपना था-एक ऐसा भारत जो मजबूत भी हो, विकास करे, पर मूल्यों से विमुख न हो; जो आत्मनिर्भर बने, पर विश्व के साथ संवाद बनाए रखे।**

का प्रतीक है। 25 दिसंबर को गृह मंत्री अमित शाह की ग्वालियर में अभ्युदय एमपी ग्रोथ समिट-2025 कार्यक्रम में सहभागिता, अटल जी की विकास दृष्टि को वर्तमान भारत से जोड़ने वाला सशक्त संदेश है। ग्वालियर आज उनके विचारों के अनुरूप विकास, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के नए अध्याय का साक्षी बन रहा है।

अटल जी का सपना था-एक ऐसा भारत जो मजबूत भी; जो विकास करे, पर मूल्यों से विमुख न हो; जो आत्मनिर्भर बने, पर विश्व के साथ संवाद बनाए रखे। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ता राष्ट्र उसी अटल दृष्टि का आधुनिक और सशक्त विस्तार है। डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, मजबूत आधारभूत संरचना और वैश्विक मंच पर भारत की निर्णायक भूमिका ये सभी अटल जी के स्वप्न को साकार करते हुए दिखाई देते हैं।

अटल जी के विचारों की दृढ़ता को यदि किसी ने निकट से जिया है, तो वह हमारी पीढ़ी है। मुझे स्मरण है वर्ष 1980 का वह समय, जब मैं मात्र 16 वर्ष का था। उसी वर्ष मेरे पिताजी स्वर्गीय विजय खंडेलवाल जी बैतूल जिले के पहले निर्वाचित भाजपा जिला अध्यक्ष बने। जनता पार्टी से अलग होकर भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई थी। उसी दौर की एक स्मृति आज भी मन में ताज़ा है। अटल बिहारी वाजपेयी जी हमारे घर आए थे, साधारण माहौल, खाने की मेज पर बातचीत, कभी हल्की मुस्कान, कभी आत्मीय ठहाका। अटल बिहारी वाजपेयी जी कभी बोझिल नहीं दिखते थे। चुनौतियाँ थीं, लेकिन उनके चेहरे पर निराशा नहीं होती थी। वे बड़े सहज भाव से कहते थे कि आज हम कम ज़रूर हैं, पर हमारा भरोसा मजबूत है, और यही भरोसा आगे चलकर ताक़त बनेगा। उनका विश्वास था कि यह यह सत्ता का नहीं, राष्ट्रसेवा का मार्ग है। उनकी वही सहजता, आत्मबल और भविष्य पर अडिग भरोसा हम जैसे युवाओं के लिए उस समय सबसे बड़ा संबल बन गया।

आज पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो लगता है कि अटल जी की वही अडिग दृष्टि आज पूर्ण सिद्धि को प्राप्त हुई है। भारतीय जनता पार्टी आजा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। यह केवल संगठनात्मक विस्तार नहीं, बल्कि विचार की विजय है। अटल स्मृति वर्ष हम सभी के लिए अवसर है अपने सार्वजनिक जीवन, सामाजिक आचरण, और राष्ट्रीय कर्तव्यों में उन मूल्यों को अपनाने का जिनका प्रतिनिधित्व अटल जी करते थे। उनके विचारों को स्मरण में नहीं आचरण में उतारना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

विंस जैम्पेला का निधन

दीवार से टकराई फरारी कार के परखच्चे उड़े

कैलिफोर्निया, जेएनएन। वीडियो गेम इंडस्ट्री के दिग्गज और विश्वप्रसिद्ध गेम 'कॉल ऑफ ड्यूटी' के निर्माता विंस जैम्पेला का एक भीषण सड़क हादसे में निधन हो गया। 55 वर्षीय जैम्पेला कैलिफोर्निया के एंजेल्स क्रेस्ट हाईवे पर फरारी कार से यात्रा कर रहे थे, जब उनकी कार तेज रफ्तार में टनल से बाहर निकलते ही कांक्रीट की दीवार से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें आग लग गई। इस दुर्घटना में जैम्पेला के ड्राइवर और एक करीबी दोस्त की भी मौत हो गई। कैलिफोर्निया हाईवे पेट्रोल के अनुसार, दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है, हालांकि शुरुआती जानकारी में ओवरस्पीडिंग को हादसे की बड़ी वजह माना जा रहा है। फरारी कार टनल से निकलते समय असंतुलित हुई और कुछ ही सेकेंड में कांक्रीट की दीवार से जा टकराई। टक्कर के तुरंत बाद कार में आग लग गई। जैम्पेला और उनके ड्राइवर गाड़ी के अंदर ही फंस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

ऑक्सफोर्ड यूनियन में भारतीय-पाकिस्तानी छात्रों में डिबेट

भारतीय छात्र बोला-पाक बेशर्म देश, उसे शर्मिंदा नहीं कर सकते

लंदन, जेएनएन। ब्रिटेन की मशहूर ऑक्सफोर्ड यूनियन सोसाइटी में भारतीय और पाकिस्तानी छात्र के बीच डिबेट हुई थी। इस डिबेट में भारतीय पक्ष की तरफ से मुंबई के छात्र विरांश भानुशाली और पाकिस्तानी पक्ष की तरफ से मूसा हर्राज ने हिस्सा लिया था। यह डिबेट 27 नवंबर को हुई थी, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है। बहस का टाइटल 'इंडियास पॉलिसी टूवड्र्स पाकिस्तान इज ए पॉपुलिस्ट स्ट्रेट्जी सोल्ड एज सिक्योरिटी पॉलिसी' रखा गया था। बहस के दौरान भानुशाली ने मुंबई के 26/11 हमले को कड़वा सबक बताते हुए कहा कि हमने यह बात मुश्किल तरीके से सीखी है कि जिस देश (पाकिस्तान) में शर्म नहीं होती, उसे आप शर्मिंदा नहीं कर सकते।

विरांश बोले- भारत की पॉलिसी दिखावे की नहीं, सुरक्षा की: बहस के दौरान मूसा हर्राज ने भारतीय पक्ष पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा- भारत में जब भी कोई समस्या होती है, हर बात के लिए पाकिस्तान को दोष दे दिया जाता है। भारत की सरकार पाकिस्तान के नाम पर डर दिखाकर लोगों का समर्थन पाना चाहती है। क्या यह सुरक्षा है या सिर्फ राजनीति? इस पर विरांश भानुशाली ने

तार्किक जवाब दिया। उन्होंने कहा- मैं मुंबई से हूं। मैंने 26/11 के हमले अपनी आंखों के सामने होते देखे हैं। उस रात मेरी मौसी उसी स्टेशन से गुजरती थीं, जहां आतंकियों ने हमला किया। वह संयोग से बच गईं, लेकिन 166 लोग नहीं बच सके। क्या आप इसे राजनीति कहेंगे? हर्राज ने फिर सवाल किया-लेकिन हर देश में हिंसा होती है। क्या हर बार सख्त नीति अपनाना जरूरी है? क्या यह जनता को खुश करने का तरीका नहीं है? भानुशाली ने जवाब दिया-अगर घर के आसपास चोरियां हो रही हों, तो क्या आप दरवाजे पर ताला नहीं लगाएंगे? क्या ताला लगाना दिखावा है या सुरक्षा? भारत की नीति भी ऐसी ही है।

अंडरवर्ल्ड डॉन मस्तान की बेटी बोली-मेरा रेप हुआ

12 साल की थी, जब ममेरे भाई ने जबरन शादी की

नई दिल्ली, जेएनएन। अंडरवर्ल्ड डॉन रहे हाजी मस्तान की बेटी हसीन मस्तान मिर्जा अपनी जबरन शादी और रेप से जुड़े दावों को लेकर इन दिनों चर्चा में हैं। हसीन मस्तान का दावा है कि 1996 में उनकी जबरन शादी उनके मामा के बेटे से कराई गई थी। उस समय वह सिर्फ 12 साल की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के बाद उनके साथ रेप हुआ, शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न किया गया। उनकी पिता की संपत्ति पर कब्जा भी कर लिया गया। हसीन का यह भी कहना है कि उसका पूर्व पति उनसे पहले आठ शादियां कर चुका था। हसीन के मुताबिक, उसके पूर्व पति का नाम नासिर हुसैन है, वह इस समय हैदराबाद में है। हसीन ने कहा- उसने पहले मेरे साथ रेप किया, फिर मेरे साथ इतनी बुरी तरह से मारपीट की कि मेरे बच्चे की मौत हो गई। मैं तब सिर्फ 13 साल की थी। हसीन ने यौन शोषण और संपत्ति हड़पने के मामले में पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से न्याय की गुहार लगाई है। 23 दिसंबर को हसीन मस्तान मिर्जा ने एक एजेंसी को दिए इंटरव्यू में यह आपबीती सुनाई।

हसीन का दावा-पिता की मौत के बाद जबरन शादी हुई: हसीन ने बताया, मैं महज 12 साल की थी, जब मेरे पिता की मौत हो गई। मामा की पहले ही मौत हो चुकी थी। मामी और उनका बेटा नसीर हुसैन हमारे बंगले में ही रहते थे। मामा का बेटा 24 साल का था। उसकी चार बार शादी हो चुकी थी और तलाक भी हो चुका था, मैं उसे राखी बांधती थी। उन्होंने मेरे साथ रेप करने की कोशिश की।

थाईलैंड ने कंबोडिया में विष्णु की मूर्ति तोड़ी, बुलडोजर से गिराई

लाओस/नाम पेन्ह, जेएनएन। थाईलैंड और कंबोडिया की बॉर्डर पर थाई सेना ने भगवान विष्णु की एक मूर्ति तोड़ दी। रिपोर्ट के मुताबिक थाई सैनिकों ने बुलडोजर चलाकर मूर्ति को गिरा दिया। घटना सोमवार, 22 दिसंबर की बताई जा रही है। कंबोडिया ने इसे लेकर नाराजगी जताते हुए कहा, मूर्ति उसके इलाके में थी, जिसे थाईलैंड ने अवैध तरीके से गिरा दिया। मूर्ति की ऊंचाई 30 फीट बताई जा रही है। कंबोडिया के प्रीह विहार प्रांत के सरकारी प्रवक्ता किम चानपनहा ने कहा कि इस मूर्ति को 2014 में थाईलैंड की सीमा से करीब 100 मीटर दूर बनाया गया था। भारत ने मूर्ति तोड़े जाने की खबरों पर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को धार्मिक प्रतीकों का अपमान दुनियाभर के श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करता है और ऐसे काम नहीं होने चाहिए। थाईलैंड-कंबोडिया के बीच 6 महीने से संघर्षः थाईलैंड और कंबोडिया के बीच पिछले 6 महीने से प्रीह विहार मंदिर के इलाके को लेकर विवाद चल रहा है। जून में दोनों देशों के बीच जंग भी हुई थी। हालांकि ट्रम्प की मध्यस्थता के बाद सीजफायर हो गया था, लेकिन दिसंबर में एक बार फिर विवाद भड़क गया है।

भारत बोला- ऐसे काम न करें, यह लोगों की आस्था पर हमला

साल 2025 की बड़ी राजनीतिक घटनाएं जिन्होंने देशभर में उथल-पुथल मचाई

2025 गुजरता साल
यादगार लम्हे

2025 में कई घटनाएं ऐसी हुई, जिन्होंने देश की राजनीति में काफी हलचल मचाई। दो बड़े चुनाव नतीजों से लेकर चुनाव आयोग और न्यायपालिका तक विवादों में आ गए, जिनमें पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को भी लंबे समय तक भूलना मुश्किल होगा। कई घटनाएं ऐसी भी हैं, जिनका नए साल 2026 में भी असर देखने को मिलेगा। 2025 के शुरू में अरविंद केजरीवाल की हार, और साल के आखिर में नीतीश कुमार की जीत महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना के रूप में दर्ज है।

2025 की कई राजनीतिक घटनाओं पर देश भर में विवाद और बहस हुई। सबसे बड़ा वाकया तो इस लिहाज से ऑपरेशन सिंदूर रहा, जब पूरा देश एकजुट नजर आया। वोट चोरी के आरोपों के बीच चुनाव आयोग की तरफ से एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण कराए जाने को लेकर भी खासा विवाद हुआ। इस साल देश की न्यायपालिका भी कुछ घटनाओं और विवादों की वजह से सुर्खियों का हिस्सा बनी।

भाषा विवाद

2025 में भाषा का सवाल एक बार फिर शुद्ध सांस्कृतिक मुद्दा न रहकर सीधा राजनीतिक विवाद बन गया। केंद्र सरकार पर हिंदी को 'राष्ट्रभाषा' की तरह थोपने के आरोप लगे। खासकर महाराष्ट्र, तमिलनाडु और पूर्वोत्तर राज्यों में तीखी प्रतिक्रियाएं दिखीं। क्षेत्रीय दलों ने इसे 'संघीय ढांचे और भाषाई अस्मिता पर हमला' बताया। शिक्षा, प्रशासन में हिंदी की बढ़ती मौजूदगी ने यह बहस तेज की और यह विवाद सत्ता बनाम संघवाद की राजनीति का प्रतीक बन गया।

दो बड़े विधानसभा चुनाव

इस साल देश की दो विधानसभाओं के नतीजे अप्रत्याशित रहे। बिहार चुनाव में नीतीश कुमार की सत्ता में वापसी से भी महत्वपूर्ण रहा विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल का महज 25 सीटों पर सिमट जाना। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को शिकस्त देकर भारतीय जनता पार्टी की रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री बन गईं। आप के नेता अरविंद केजरीवाल की वैसे ही विदाई हो गई, जैसे 2013 के चुनावों में उनकी जोरदार एंट्री हुई थी।

ठाकरे बंधुओं का गठबंधन

राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के गठबंधन की राजनीतिक पृष्ठभूमि 5 जुलाई 2025 को ही तैयार हो गई थी, जब दोनों नेता पहली बार 'मराठी एकता' के मंच पर मुंबई के वर्ली डोम में एक साथ आए। उस रैली में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने भाषा और मराठी अस्मिता को साझा राजनीतिक मुद्दे के रूप में रखा। दिसंबर के अंत में दोनों ने औपचारिक राजनीतिक गठबंधन की भी घोषणा कर दी। 20 साल बाद हुआ यह गठबंधन इस साल की बड़ी राजनीतिक घटना रहा।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम

8 अप्रैल से देशभर में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 लागू कर दिया गया। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन से जुड़े इस कानून का कुछ मुस्लिम संगठनों और विपक्ष ने विरोध किया। नए वक्फ कानून की संवैधानिकता के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दर्जन भर याचिकाएं दाखिल भी की गईं। सितंबर में सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

जगदीप धनखड़ का इस्तीफा

21 जुलाई को अचानक जगदीप धनखड़ ने सेहत दुरुस्त न होना बताकर उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया और फिर सीन से ही गायब हो गए। इस पर विपक्ष लगातार सरकार को घेरता रहा, और सार्वजनिक रूप से जगदीप धनखड़ की गैर मौजूदगी पर सवाल खड़ा करता रहा। 12 सितंबर को नए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कार्यभार संभाल लिया।

विदेश में सांसद प्रतिनिधिमंडल

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार ने विदेशों में अपना पक्ष रखने के लिए सांसद प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला किया। यह कदम कूटनीतिक पहल से आगे बढ़कर राजनीतिक विवाद में बदल गया। तृणमूल कांग्रेस ने अपने किसी सांसद को भेजने से इनकार कर दिया। वहीं कांग्रेस के आधिकारिक रुख और असहमति के बावजूद शशि थरूर का प्रतिनिधिमंडल में शामिल होना बहस का कारण बना।

विवादों में ज्यूडिशियरी

देश की न्यायपालिका से जुड़ी कई घटनाओं ने सुर्खियां बटोरी। कुछ विवाद भी हुए और हाई कोर्ट के एक जज के खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग भी की गई।

- 6 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान तत्कालीन सीजेआई बीआर गवई पर एक वकील ने जूता फेंक दिया। वकील राकेश किशोर पर अवमानना का मुकदमा चलाए जाने की मांग हुई। बार काउंसिल ने उनका लाइसेंस सस्पेंड कर दिया और सदस्यता खत्म कर दी।
- 14 मार्च को होली के दिन दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में आग लगने के बाद बंगले के स्टोर रूम में बोरियों में भरे 500-500 रुपये के अधजले नोट मिले थे। 21 मार्च को जस्टिस वर्मा के बंगले से 15 करोड़ रुपये कैश मिलने की खबर आई, जिसने न्यायाधीशों के आचरण पर सवालिया निशान लगाए।
- इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस शेखर कुमार यादव अपने एक बयान के कारण काफी दिनों तक विवादों में बने रहे। विश्व हिन्दू परिषद के एक कार्यक्रम में यूनिफॉर्म सिविल कोड के मुद्दे पर जस्टिस यादव ने कहा था, हिन्दुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यक के अनुसार ही देश चलेगा।
- मद्रास हाई कोर्ट द्वारा तमिलनाडु के एक मंदिर में हिंदू परंपरा के नाम पर दीपक जलाने का पक्ष लेते हुए राज्य सरकार को आदेश देने और अवमानना का आदेश जारी करना भी चर्चा में रहा। हाई कोर्ट में आदेश जारी करने वाले जस्टिस जीआर स्वामीनाथन के खिलाफ विपक्ष ने महाभियोग की मांग की।

130वां संविधान संशोधन विधेयक

केंद्र सरकार 20 अगस्त 2025 को लोकसभा में 130वां संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को अगर 30 दिन से अधिक समय तक जेल में रखा जाता है तो उन्हें पद से हटाया जा सकता है। विपक्ष ने इसे असंवैधानिक करार दिया और आरोप लगाया कि यह कदम एजेंसियों का दुरुपयोग करने, गैर-भाजपा मुख्यमंत्रियों को फंसाने और राज्य सरकारों को अस्थिर करने का एक तरीका है।

विजय हजारे ट्रॉफी: लिस्ट ए क्रिकेट में विराट के सबसे तेज 16 हजार रन, रोहित के सबसे ज्यादा 150+ स्कोर

कोहली ने तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड, रोहित ने की वॉर्नर की बराबरी

जेएनएन, बेंगलुरु

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 15 साल बाद विजय हजारे ट्रॉफी खेलते हुए शानदार शतक लगाया, जिसकी मदद से दिल्ली ने ग्रुप-डी के पहले मैच में बुधवार को आंध्र को चार विकेट से हराया। कोहली ने लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 16000 रन पूरे करके दिग्गज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। कोहली 330 पारियों में इस मुकाम पर पहुंचे, जबकि सचिन ने 391 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। कोहली के नाम अब लिस्ट ए में 10000 से लेकर 16000 रन सबसे कम पारियों में बनाने का रिकॉर्ड है। विराट ने इस मैच में 101 गेंद में 131 रन बनाए, जबकि नीतिश राणा ने 55 गेंद में 77 और प्रियांश आर्य ने 44 गेंद में 74 रन का योगदान दिया। कोहली ने आर्य के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 और राणा के साथ तीसरे विकेट के लिए 160 रन जोड़े। यह लिस्ट ए क्रिकेट में विराट का 58वां शतक था। दिल्ली ने 299 रन का लक्ष्य 37.4 ओवर में हासिल कर लिया। इससे पहले रिकी भुई ने 122 रन बनाए, जिसके दम पर आंध्र ने आठ विकेट पर 298 रन बनाए। दिल्ली की जीत में तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह का भी योगदान रहा, जिन्होंने 54 रन देकर पांच विकेट लिए। कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले महीने होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज और 2027 वनडे विश्व कप के लिए उनका दावा पुख्ता होगा। कोहली ने कई चिर परिचित दर्शनीय स्ट्रोक्स लगाते हुए पहले पचास रन 39 गेंद में पूरे किए और 83 गेंद में शतक लगाया। पिछली बार कोहली ने फरवरी 2010 में विजय हजारे ट्रॉफी का मुकाबला खेला था। उस मुकाबले और इस मुकाबले के बीच उनका पूरा टेस्ट करियर बीत गया। 2024-25 की शुरुआत में जब कोहली ने दिल्ली में रणजी ट्रॉफी का मुकाबला खेला था, तब प्रशंसकों का हुजूम उमड़ पड़ा था, हालांकि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बंद दरवाजे के बीच खेले गए इस मुकाबले में भीड़ नहीं थी। नीतीश कुमार रेड्डी के खिलाफ इनसाइड आउट कवर के ऊपर से शॉट खेलने के लिए कोहली को तीन गेंदें लगीं।

कोहली के नाम अब लिस्ट-ए में 10,000 से लेकर 16,000 रन सबसे कम पारियों में बनाने का रिकॉर्ड है।

कर्नाटक का दूसरा बड़ा सफल चेज

अहमदाबाद। इशान किशन के 39 गेंद में 125 रन पर देवदत्त पडिक्कल की 147 रन की पारी भारी पड़ गई और झारखंड को कर्नाटक ने पांच विकेट से हरा दिया। कर्नाटक ने 15 गेंद बाकी रहते 413 रन का मुश्किल लक्ष्य हासिल कर लिया। कर्नाटक ने 413 रनों का पीछा करते हुए जीत हासिल की और यह लिस्ट-ए क्रिकेट में 400 से ऊपर का सिर्फ दूसरा सफल चेज है। इससे पहले 2006 में दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 435 रनों का पीछा करके रिकॉर्ड बनाया था। विजय हजारे ट्रॉफी में इससे पहले सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल करके जीतने का रिकॉर्ड आंध्र का था, जिन्होंने 2011-12 में गोवा के खिलाफ 384 रन बनाए थे। इशान ने 39 गेंद में सात चौकों और 14 छक्कों की मदद से 125 रन बना डाले। शिखर मोहन ने 44, विराट सिंह ने 88 और कुमार कुशाग्र ने 63 रन का योगदान दिया, जिससे झारखंड को नौ विकेट पर 412 रन तक पहुंचाया। जवाब में कर्नाटक के लिए कप्तान मयंक अग्रवाल ने 34 गेंद में 54 और पडिक्कल ने 118 गेंद में 147 रन बनाए। दोनों ने 11.5 ओवर में 114 रन की साझेदारी की।

■ मध्यप्रदेश ने राजस्थान को 99 रन से हराया। सलामी बल्लेबाज यश दुबे के शतक की मदद से मध्यप्रदेश ने पांच विकेट पर 287 रन बनाए। जवाब में राजस्थान की टीम 43.2 ओवर में 188 रन पर आउट हो गई। ऑफ स्पिनर सारांश ने तीन विकेट लिए। केरल ने एक अन्य मैच में त्रिपुरा को 145 रन से हराया।

■ पंजाब ने महाराष्ट्र को 51 रन से हराया। नमन धीर ने 97 और कप्तान अभिषेक शर्मा ने 48 रन बनाकर जीत के सूत्रधार की भूमिका निभाई। पंजाब ने छह विकेट पर 347 रन बनाए। जवाब में महाराष्ट्र आठ विकेट पर 296 रन ही बना पाया।

रोहित सबसे उम्रदराज शतकवीर बने

जयपुर। सात साल बाद इस टूर्नामेंट में खेलने वाले रोहित शर्मा ने बिल्कुल 'हिटमैन' शैली में शतकीय पारी खेलकर गुलाबी शहर के क्रिकेटप्रेमियों के लिए क्रिसमस की पूर्व संध्या पर शानदार तोहफा दिया। इस मुकाबले को देखने के लिए 20000 से ज्यादा लोग स्टेडियम में जमा थे और सभी के लिए वजह सिर्फ एक थी..रोहित शर्मा। रोहित ने करियर का 37वां लिस्ट-ए शतक जमाते हुए 94 गेंदों में 155 रन बनाए। रोहित इस प्रारूप में सर्वाधिक नौ बार 150 से अधिक का स्कोर बनाकर डेविड वॉर्नर की बराबरी की। इस पारी में उनके शानदार पूल, हवाई शॉट्स और स्वीप शॉट देखने को मिले। ऐसा लग रहा था कि लोग अपने पसंदीदा गायक के कन्सर्ट में आए हैं, जो एक के बाद एक हिट गाने सुना रहा है। प्लेयर ऑफ द मैच रोहित के शतक की बदौलत मुंबई ने सिक्किम को आठ विकेट से हराया। सिक्किम ने सात विकेट पर 236 रन बनाए। जवाब में मुंबई 30.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। रोहित ने आज 38 वर्ष और 238 दिन की उम्र में शतक जड़ा और वह इस टूर्नामेंट में शतक जड़ने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बन गए। इस टूर्नामेंट में शतक जड़ने वाले सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बंगाल के अनुस्तुप मजूमदार हैं जिन्होंने 39 वर्ष की उम्र में 2023-24 सीजन में दो शतक जड़े थे। सिक्किम के कप्तान लि योंग ने कहा कि यह हमारे जीवन का सबसे बड़ा दिन है कि इतने महान क्रिकेटर के साथ मैदान पर उतरे।

बिहार का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड, लिस्ट-ए में बनाया 574 का स्कोर

रांची। युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी (84 गेंदों में 190 रन), कप्तान साकिबुल गनी (40 गेंदों में 128 रन) और आयुष लोहारुका (56 गेंदों में 116 रन) के तेज शतकों की बदौलत बिहार ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ छह विकेट पर 574 रन बनाए, जो लिस्ट-ए में एक पारी में सर्वाधिक स्कोर का नया विश्व रिकॉर्ड है। बिहार ने तमिलनाडु के लिस्ट-ए में सर्वाधिक स्कोर के पिछले रिकार्ड को तोड़ दिया। तमिलनाडु में नवंबर 2022 में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ ही दो विकेट पर 506 रन बनाए थे। बिहार का स्कोर सभी लिस्ट-ए मिलाकर दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले 2007 में श्रीलंका के महिला घरेलू वनडे टूर्नामेंट में कंड्यान लेडीज क्रिकेट क्लब ने पुष्पादना लेडीज के खिलाफ 632/4 का स्कोर बनाया था। गनी ने महज 32 गेंदों में शतक पूरा किया। बिहार ने पारी में 49 चौके और 38 छक्के लगाए। सूर्यवंशी के नाम सबसे कम उम्र में लिस्ट ए शतक लगाने वाले खिलाड़ी का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है।

38 छक्के बिहार की पारी में लगे, जो लिस्ट-ए का नया रिकॉर्ड। उन्होंने कनाडा का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2019 में मलेशिया के खिलाफ 28 छक्के लगाए थे। सूर्यवंशी (15) और गनी (12) ने 10 से ज्यादा छक्के लगाए और पहली बार एक ही पारी में दो बल्लेबाजों ने 10 से ज्यादा छक्के लगाए।

■ लोहारुका ने भी 50 से कम गेंदों में शतक पूरा किया और ऐसा पहली बार हुआ है, जब एक ही पारी में तीन बल्लेबाजों ने 50 से कम गेंदों में शतक पूरा किया। इससे पहले सिर्फ एक बार दो बल्लेबाजों ने 50 से कम गेंदों में शतक पूरा किया था-कोरी एंडरसन (36) और जेसी राइडर (46) ने 2014 में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह कारनामा किया था।

बुमराह और पंत ने माफी मांग ली, हमारे कोच को भी बेहतर शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए: बावुमा

जोहानिसबर्ग, जेएनएन। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने भारत के हालिया दौरे के दौरान की गई टिप्पणियों के बारे में बात करते हुए कहा कि जसप्रीत बुमराह और रिषभ पंत ने एक आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए माफी मांग ली थी। उन्होंने साथ ही माना कि दक्षिण अफ्रीका के कोच शुकरी कॉनराड को भारत को घुटने पर लाने जैसी टिप्पणी करने से बचना चाहिए था। दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच वाले इस दौरे पर दक्षिण अफ्रीका ने भारत में लंबे प्रारूप में 25 साल बाद जीत दर्ज की, लेकिन फिर सफेद गेंद की सीरीज गंवा बैठा। बावुमा ने ईएसपीएनक्रिकइंफो पर कॉलम में लिखा, मुझे पता है कि मेरे साथ एक घटना हुई थी, जहां उन्होंने अपनी भाषा में मेरे बारे में कुछ कहा था। पर दिन के आखिर में दो सीनियर खिलाड़ी पंत और बुमराह आए और उन्होंने माफी मांग ली। उन्होंने कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान हुई घटना का जिक्र किया, जिसमें बुमराह और पंत ने उन्हें उनके कद पर टिप्पणी करते हुए बौना कहा था। उन्होंने कहा, जब माफी मांगी गई तो मुझे नहीं पता था कि यह किस बारे में था। मैंने उस समय इसे नहीं सुना था और मुझे इसके बारे में अपने मीडिया मैनेजर से बात करनी पड़ी।

एशेज सीरीज: इंग्लैंड की मुश्किलें बढ़ीं, चौथा टेस्ट मेलबर्न क्रिकेट स्टेडियम में 26 दिसंबर से

आर्चर बाहर, पोप की जगह बेथेल टीम में

जेएनएन, मेलबर्न

इंग्लैंड के गेंदबाज जोफ्रा आर्चर मांसपेशियों में खिंचाव के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाकी बचे दो एशेज टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाएंगे। टीम के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। इससे इंग्लैंड की मैदान और मैदान से इतर की समस्याएं और बढ़ गई हैं। इसमें उसके सलामी बल्लेबाज बेन डकेट पर नशे में धुत होकर रास्ता भटकने का आरोप भी शामिल हैं। 30 साल के आर्चर पिछले चार वर्षों से पीठ और दाहिनी कोहनी में स्ट्रेस फ्रैक्चर सहित कई तरह की फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे थे। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट शुक्रवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में शुरू होगा, जबकि पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच चार जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में अभी 3-0 से आगे है और उसने एशेज अपने पास बरकरार रखी है। आर्चर बुधवार को एमसीजी में अभ्यास सत्र के लिए मैदान पर पहुंचे, लेकिन उन्होंने अभ्यास नहीं किया।

इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट मैच के लिए बुधवार को अपनी टीम की घोषणा की, जिसमें आर्चर की जगह गस एटकिंसन को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है।

चौथे टेस्ट के लिए टीम: जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ, विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, जोश टोंग।

शराब के नशे में होटल का रास्ता भूले डकेट, जांच शुरू

इंग्लैंड के पुरुष क्रिकेट के प्रबंध निदेशक रॉब की ने कहा है कि एशेज सीरीज के दौरान समुद्र तट पर रिसॉर्ट में छुट्टियां मनाने के दौरान शराब के अत्यधिक सेवन की खबरों के बाद इंग्लैंड टीम की शराब पीने की लत की जांच कर दी गई है। टीम ने दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच मिले ब्रेक के दौरान ब्रिस्बेन के उत्तर में स्थित शहर नूसा में एक रिसॉर्ट में चार रात बिताई थी। यह हालांकि उसके कार्यक्रम का हिस्सा था। मंगलवार को एक वीडियो सामने आया, जिसमें दिखाया गया है कि इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को होटल वापस जाने का रास्ता याद नहीं आ रहा है। एक्स पर पोस्ट किए गए इस वीडियो में डकेट लोगों से बात कर रहे हैं। जब एक महिला ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें अपने होटल तक जाने का रास्ता पता है, तो उन्होंने कथित तौर पर नहीं जवाब दिया।और फिर बातचीत जारी रही, जिसमें डकेट भ्रमित दिखाई दिए।

टी-20: विजय पारोचे के अर्धशतक से कमिश्नर एकादश फाइनल में

भोपाल, खेप्र। नगर निगम कमिश्नर एकादश ने डीआरपी लाइन भोपाल को 59 रनों से करारी शिकस्त देकर स्व. ठाकुर हुकुम सिंह स्मृति ग्रीन पैराडाइज कप क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया। ओल्ड कैंपियन मैदान पर कमिश्नर एकादश ने 6 विकेट खोकर 207 रन बनाए। विजय पारोचे (86) ने अर्धशतक जड़ा। रणवीर वैद्य ने 46 और बिट्टू चौहान ने 37 रन बनाए। डीआरपी लाइन भोपाल के संदीप लोधी और गौतम ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में डीआरपी लाइन की टीम सात विकेट खोकर 148 रन बना सकी। सर्वेश यादव ने 44, फिरोज अली बिट्टू ने 31 और एपी सिंह ने 27 रन बनाए।

खेल रत्न के लिए भारतीय हॉकी के उप कप्तान हार्दिक का नाम

दिव्या, टीजे और मेहुली अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह के नाम की अनुशंसा इस साल मेजर ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार के लिए की गई है, जबकि युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और डेकाथलीट तेजस्विन शंकर समेत 24 खिलाड़ियों के नाम अर्जुन पुरस्कार के लिए दिए गए हैं। चयन समिति की बैठक में यह फैसला लिया गया। मिडफील्डर हार्दिक टोक्यो ओलंपिक 2021 और पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। इस साल एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में भी वह शामिल थे। सूत्रों ने बताया कि खेल मंत्रालय से औपचारिक मान्यता मिलने के पांच साल बाद पहली बार योगासन खिलाड़ी आरती पाल का नाम भी अर्जुन पुरस्कार के लिए दिया गया है। आरती राष्ट्रीय और एशियाई चैम्पियन है। एशियाई खेल 2026 में योगासन नुमाइशी खेल के रूप में शामिल होगा। चयन समिति ने बुधवार को हुई बैठक में अर्जुन पुरस्कार के लिए 21 अन्य नाम तय किए हैं।

अर्जुन पुरस्कार: तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स), प्रियंका (एथलेटिक्स), नरेंदर (मुक्केबाजी), विदित गुजराती (शतरंज), दिव्या देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (बधिर निशानेबाजी), प्रणति नायक (जिम्नास्टिक), राजकुमार पाल (हॉकी), सुरजीत (कबड्डी), निर्मला भाटी (खोखो), रूद्रांक्ष खंडेलवाल (पैरा निशानेबाजी), एकता भयान (पैरा एथलेटिक्स), पद्मनाभ सिंह (पोलो), अरविंद सिंह (नौकायन), अखिल श्योराण (निशानेबाजी), मेहुली घोष (निशानेबाजी), सुतीर्था मुखर्जी (टेबल टेनिस), सोनम मलिक (कुश्ती), आरती (योग), त्रिसा जॉली (बैडमिंटन), गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन), लालरेम्सियामी (हॉकी), मोहम्मद अफजल (एथलेटिक्स) और पूजा (कबड्डी)।

आर्सेनल इंग्लिश लीग कप के सेमीफाइनल में

लंदन, जेएनएन। आर्सेनल ने मंगलवार को खेले गए एक रोमांचक मैच में क्रिस्टल पैलेस को पेनल्टी शूटआउट में 8-7 से हराकर इंग्लिश लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उसका सामना चेल्सी से होगा। केपा अरिजाबलागा ने एमिरेट्स स्टेडियम में खेले गए मैच में मैक्सेंस लैक्रोइक्स की पेनल्टी किक को रोककर आर्सेनल की शूटआउट में जीत पक्की की। निर्धारित समय तक यह मैच 1-1 से बराबरी पर था। इससे पहले लैक्रोइक्स ने 80वें मिनट में आत्मघाती गोल किया, जिससे आर्सेनल ने बढ़त हासिल की। मार्क गुएही ने स्टॉपेज टाइम में पैलेस के लिए बराबरी का गोल दागा। दूसरे सेमीफाइनल में मैनचेस्टर सिटी का मुकाबला मौजूदा चैंपियन न्यूकैसल से होगा।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,रीवा जिला रीवा (म.प्र.)

निविदा सूचना क्र.18/25-26/ ब०ले०लि०/का०यं०/लो.स्वा.यां./2025 रीवा, दिनांक08.12.2025

(ई - टेण्डरिंग निविदा आमंत्रण सूचना (चतुर्थ आमंत्रण)

1. निम्नलिखित कार्यो हेतु ई - टेण्डरिंग के माध्यम से आन लाइन निविदायें एपेन्डिक्स2.10 में प्रतिशत दर पर प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल की नलकूपों के खनन एवं अन्य कार्य से संबंधित दिनांक 03.07.2018 से प्रभावशील एकीकृत दर सूची एवं निविदा सूचना जारी होने के दिनांक तक किए गए समस्त संशोधनों के आधार पर केन्दीयकृत नवीन पंजीयन के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा आनॅ लाइन प्रक्रिया के तहत आमंत्रित की जाती है।

आनॅ लाइन निविदा पब्लिशिंग का दिनांक 10.12.2025 डाक्यूमेंट डाउन लोड/ टेण्डर फार्म क्रय प्रारम्भ तिथि 10.12.2025 टेण्डर फार्म क्रय की अंतिम तिथि 31.12.2025 बिड सबमिशन प्रारंभ का दिनांक 10.12.2025 एवं बिड दिनांक सब्रमिशन का अंतिम तिथि 31.12.2025 को सांय 5.30 बजे तक निर्धारित है। manadatory A & Financial bid open का दिनांक 02.01.2026 को अपरान्ह 3.30 बजे निर्धारित है।

(02) उक्त निविदा आमंत्रण सूचना विभागीय बेवसाइट (http//www.mptenders.gov.in) पर प्रदर्शित है।

(03) निविदाऍ निर्धारित तिथि दिनांक 02.01.2026 को खोली जावेंगी।

(04) कार्य का विवरण :-

रीवा जिले के विकासखण्ड रीवा एवं रायपुर के विभिन्न ग्रामो की योजनाओं में जल जीवन मिशन के तहत पुनरीक्षित डी.पी.आर. अन्तर्गत उच्चस्तरीय टंकी निर्माण, सम्पवेल निर्माण, ट्यबवेल पर आधारित रेट्रोफिटेड पाइप जलापूर्ति का निर्माण, निष्पादन, सबमर्सिबल मोटर पंप की स्थापना क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन, 90 दिवस के ट्रायल रन एवं कमिशनिंग आदि समस्त कार्य सामग्री एवं लेबर सहित।

ई- टेण्डर नं०	योजना का नाम	विकास खण्ड	कार्य की अनु० लागत (रू०लाख में)	प्रतिभूति राशि रू० मे	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
2025_PHED_466858_1	पडोखर, कुल्लू, चौडियार, रकरिया, ओढकीकला,करहिया, न०1 भटलो, कपुरी, रमकुई, नीगा, महसॉव रूपौलीबरा, खजुहाखुर्द, नैकिन, कठार	रीवा	466.86	466860.00	15000.00	9 माह (वर्षा ऋतु सहित)
2025_PHED_466861_1	अगडाल, गडारिया, जोरी, डकवार, करहिया, नं०2 छिरेहटा	रीवा	247.18	47180.00	15000.00	9 माह (वर्षा ऋतु सहित
2025_PHED_466863_1	माढी, पतौता, पोडी, पथरहा, कांटी,बेला, बेनीपुरवा, इटारपहाड, अहिरगॉव , हर्दी नं०2पलिया-352, नयागॉव उन्मूलन, अमवा- 10	रायपुर	468.01	468010.00	15000.00	9 माह (वर्षा ऋतु सहित)
2025_PHED_466864_1	तिवारिगवॉ डेल्ही, सिलपरी, सोनारूपा,मोहगढ, कछिगवॉ, मेथौरी, नदहा, हिनोती मनिकवार-2, परसवार, माजन, धवैया- 290 , महुआ, अतरैला, पलिया- 351	रायपुर	496.77	496770.00	15000.00	9 माह (वर्षा ऋतु सहित
2025_PHED_466865_1	इटार, बडागॉव, सिलचट टोला, लोही, हरदुआ, नर्रहा ,सेमरीकला धवैया - 291, पलिया - 350, महुली, महगना, पलिया-349, कोलाईया, कसई, जलदर बंधवा, रमपुरवा, बरयाटोला, दुअरा- 274, दुअरा-275 , महिया, हटवा, मानपुर,	रायपुर	315.89	315890.00	15000.00	9 माह (वर्षा ऋतु सहित

निविदा सूचना से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी विभागीय बेवसाइट (hyyp//eee.mpyrnfrtd.gov.in) पर प्रदर्शित है।

G-23275/25

(चित्रांशु)
कार्यपालन यंत्री

समाचार पत्रों में विज्ञापन हेतु

कार्यालय, कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग उमरिया (म०प्र०)

(कलेक्ट्रेट भवन, शहपुरा रोड उमरिया ☎ 07653-222558)

Email – eeresumaria@mp.gov.in

क्रमांक/ 1245 /निविदा/ग्रायांसेवा/2025 उमरिया, दिनांक 19 /12 /2025

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक --02-/2025-26

म०प्र० के राज्यपाल की ओर से Cover-2 (दो लिफाफा पद्धति) के आधार पर ऑनलाईन प्रतिशत दर निविदा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-उमरिया के निम्नांकित सिविल कार्य हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में अथवा अन्य राज्यों/उपक्रमों/संस्थाओं/प्राधिकरण समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा संशोधित प्रपत्र अपेंडिक्श 2.10 अनुसार अद्यतन संशोधन निर्धारित तिथि (Key Date) अनुसार सिविल निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग की दिनांक 11.04.2022 से प्रभावशील दर अनुसूची (निविदा विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक तक संशोधित) एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा से प्रभावशील दर अनुसूची (निविदा विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक तक संशोधित) के आधार पर निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। विवरण निम्नानुसार है –

क्र०	सिस्टम टेण्डर आई.डी. नम्बर	कार्य का नाम	जनपद पंचायत	निविदा लागत (PAC) (रूपये लाख में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (राशि रूपये में)	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	आमंत्रण क्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_RES_467181_pack1	शासकीय हाई स्कूल चिल्हारी में फिजिक्स लैब निर्माण कार्य	मानपुर	1462479	29250	2000	120 दिवस	
2	2025_RES_467185_pack1	शासकीय हाई स्कूल चिल्हारी में कैमिस्ट्री लैब निर्माण कार्य	मानपुर	1518702	30400	2000	120 दिवस	
3	2025_RES_467187_pack1	शासकीय हाई स्कूल चिल्हारी में बायोलॉजी लैब निर्माण कार्य	मानपुर	1462228	29250	2000	120 दिवस	
4	2025_RES_467188_pack1	शासकीय हाई स्कूल निगहरी में फिजिक्स लैब निर्माण कार्य	करकेली	1462479	29250	2000	120 दिवस	
5	2025_RES_467190_pack1	शासकीय हाई स्कूल निगहरी में कैमिस्ट्री लैब निर्माण कार्य	करकेली	1518702	30400	2000	120 दिवस	
6	2025_RES_467192_pack1	शासकीय हाई स्कूल निगहरी में बायोलॉजी लैब निर्माण कार्य	करकेली	1462228	29250	2000	120 दिवस	
7	2025_RES_467193_pack1	शासकीय हायर सेकेन्ड्री स्कूल बिजौरी में फिजिक्स लैब निर्माण कार्य	मानपुर	1462479	29250	2000	120 दिवस	
8	2025_RES_467195_pack1	शासकीय हायर सेकेन्ड्री स्कूल बिजौरी में कैमिस्ट्री लैब निर्माण कार्य	मानपुर	1518702	30400	2000	120 दिवस	
9	2025_RES_467198_pack1	शासकीय हायर सेकेन्ड्री बिजौरी में बायोलॉजी लैब निर्माण कार्य	मानपुर	1462228	29250	2000	120 दिवस	
10	2025_RES_467199_pack1	शासकीय हायर सेकेन्ड्री स्कूल नौगवां में फिजिक्स लैब निर्माण कार्य	मानपुर	1462479	29250	2000	120 दिवस	
11	2025_RES_467200_pack1	शासकीय हायर सेकेन्ड्री स्कूल नौगवां में कैमिस्ट्री लैब निर्माण कार्य	मानपुर	1518702	30400	2000	120 दिवस	
12	2025_RES_467201_pack1	शासकीय हायर सेकेन्ड्री नौगवां में बायोलॉजी लैब निर्माण कार्य	मानपुर	1462228	29250	2000	120 दिवस	
13	2025_RES_467203_pack1	शासकीय हायर सेकेन्ड्री स्कूल पडवार में फिजिक्स लैब निर्माण कार्य	मानपुर	1462479	29250	2000	120 दिवस	
14	2025_RES_467205_pack1	शासकीय हायर सेकेन्ड्री स्कूल पडवार में कैमिस्ट्री लैब निर्माण कार्य	मानपुर	1518702	30400	2000	120 दिवस	
15	2025_RES_467207_pack1	शासकीय हायर सेकेन्ड्री पडवार में बायोलॉजी लैब निर्माण कार्य	मानपुर	1462228	29250	2000	120 दिवस	

उपरोक्त निविदाओं के निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय करने की दिनांक 28.12.2025 से प्रारंभ होकर दिनांक 05.01.2026 समय 05:30 बजे सायं तक तथा निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने की प्रारंभ तिथि 29.12.2025 से प्रारंभ होकर दिनांक 05.01.2026 समय 05:30 बजे सायं तक निर्धारित है। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

संशोधन की सूचना अलग से प्रकाशित नहीं की जावेगी। संशोधन संबंधित सूचनायें केवल वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर ही अपलोड की जावेगी।

G-23282/25

कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग-उमरिया(म०प्र०)

खुशहाली की राह पर खेती
श्री नरेन्द्र मोदी, माननीय प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, माननीय मुख्यमंत्री
प्राकृतिक खेती के नए सोपान
कृषक सम्मेलन
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
प्राकृतिक, जैविक खेती क्षेत्र में विस्तार, गौ-पालन एवं संरक्षण पर
संवाद तथा हितग्राहियों को लाभ वितरण
मुख्य अतिथि
श्री अमित शाह
माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
25 दिसम्बर, 2025 | अपराह्न 3:00 बजे
बसामन मामा गौ-वंश वन्य विहार, (पुर्वा) रीवा
सम्मेलन के माध्यम से सशक्त होंगे हितधारक
प्रगतिशील कृषक एवं कृषि उत्पादक संगठन के सदस्य
कृषि सखी, कृषि दीदी एवं कृषक मित्र
पशुपालक एवं डेयरी संचालक
कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि शोध छात्र
मत्स्य पालक कृषक
स्व-सहायता समूहों की लखपति दीदी
खाद्य प्रसंस्करण के युवा उद्यमी
क्षेत्रीय जनमानस
विकास और सेवा के 2 वर्ष
सीधा प्रसारण
webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
D-11173/25
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री
श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी
की 101वीं जयंती के अवसर पर
मध्यप्रदेश के औद्योगिक एवं
आर्थिक विकास की दिशा तय करता
ऐतिहासिक आयोजन

श्री नरेन्द्र मोदी, माननीय प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, माननीय मुख्यमंत्री

निवेश से रोज़गार का अटल संकल्प

अभ्युदय

मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट

मुख्य अतिथि

श्री अमित शाह

माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

25 दिसम्बर, 2025 । पूर्वाह्न 11:00 बजे । मेला ग्राउंड, ग्वालियर

मुख्य आकर्षण

- ₹2 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों का भूमिपूजन, भूमि आबंटन और एलओआई
- ₹5000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण
- अटल जी के जीवन एवं औद्योगिक नवाचार तथा सफल उद्योगों पर प्रदर्शनी

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11172/25

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP | invest.mp.gov.in

प्रभारी मंत्री आज आएंगे, विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

रीवा। पंचायत ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल दमोह से सुबह 8 बजे प्रस्थान कर 25 दिसंबर को दोपहर रीवा आएंगे। तदुपरांत दोपहर 12.15 बजे पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय रीवा में आरोग्य एवं नवग्रह वाटिका का उद्घाटन करेंगे। प्रभारी मंत्री दोपहर एक बजे बसामन मामा गौअभ्यारण्य के लिए रवाना होंगे तथा वहां आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मतदान दिवस पर बंद रहेगी शराब की दुकानें

रीवा। त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के तहत जिले में नगरीय निकाय सेमरिया के अध्यक्ष एवं एक पार्षद पद के लिये चुनाव 29 दिसंबर को संपन्न होगा। इसी प्रकार ग्राम पंचायतों के दो सरपंच व 13 पंच पद के लिये भी निर्वाचन होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिभा पाल ने मतदान दिवस पर मतदान समाप्त होने के 48 घंटे से शराब की दुकानें बंद रखने तथा शराब का क्रय विक्रय प्रतिबंधित रखने के आदेश दिए हैं।

ईओडब्ल्यू एसपी से की खनिज अधिकारी की शिकायत

रीवा। कांग्रेस पार्टी के पिछड़ा वर्ग विभाग के केंद्रीय समन्वय किसान नेता कुंवर सिंह पटेल ने आर्थिक अपराध ब्यूरो के पुलिस अधीक्षक से मिलकर बताया कि रीवा जिले में पदस्थ जिला खनिज अधिकारी एवं उपसंचालक खनिज रीवा द्वारा अपने शासकीय नौकरी के दौरान अत्यंत भ्रष्टाचार करके कई 100 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति अर्जित की गई है। इसके पूर्व कटनी व सतना में पदस्थ होने के बावजूद कई शिकायतें होने के बाद भी उनकी संपत्ति की किसी प्रकार की कोई जांच नहीं की गई है। इनके द्वारा मध्य प्रदेश सरकार को भी कई बार करोड़ों रुपए का राजस्व का नुकसान हुआ है। दीपमाला तिवारी द्वारा दो क्रशर सतना जिले में स्थापित किए गए हैं व अपने पद का दुरुपयोग करते हुए प्रिज्म सीमेंट में 50 से ज्यादा डंपर लोडिंग के लिए इन्हीं के नाम से चलाए जा रहे हैं।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे साय 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखूनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैण्ड रीवा (म.प्र.) 9399312433 9981287311

यूपी-एमपी बॉर्डर में अब वर्दी और नेमप्लेट में रहेंगे अधिकारी-कर्मचारी

जागरण,रीवा। हनुमना यूपी-एमपी बॉर्डर पर परिवहन चेक पॉइंट्स से अवैध वसूली की शिकायतों के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। अब यदि किसी चेक पॉइंट पर प्राइवेट व्यक्ति गाड़ियों की जांच करता मिला तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी। अवैध वसूली और दलालों रोकने के लिए परिवहन विभाग ने सभी अफसर और कर्मचारियों को वर्दी में तैनात रहना और नेम प्लेट लगाना अनिवार्य कर दिया है। जिसके बाद अब बिना वर्दी और पहचान पत्र के कोई भी व्यक्ति चेकिंग नहीं कर पाएगा। मऊगंज कलेक्टर संजय कुमार जैन ने बताया कि चेक पॉइंट्स पर पारदर्शिता और निगरानी बढ़ाने के लिए बॉर्डर एरिया में कैमरे लगाए जाएंगे। इससे तैनात स्टाफ की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा सकेगी। वहीं इस नए आदेश को लेकर परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा ने बताया कि मऊगंज कलेक्टर और एसपी से चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि दलालों की मौजूदगी से अवैध वसूली बढ़ती है, विभाग की छवि भी खराब होती है। ये निर्देश प्रदेश में संचालित सभी 45 चेक पॉइंट्स के लिए किए गए हैं।

मनगवां हाइवे पर ट्रक में घुसी बाइक, दो की मौत

रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र जोगिनहाई टोल प्लाजा के समीप हुई घटना

जागरण,रीवा

जिले के मनगवां हाइवे में बुधवार को भीषण हादसा हो गया, जिसमें दो की मौत हो गई व एक घायल हो गया है। घायल का उपचार एसजीएमएच में किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक रायपुर कर्चुलियान स्थित जोगिनहाई टोल प्लाजा के समीप एक तेज रफ्तार बाइक खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, तो वही एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया, वहीं स्थानीय लोगों ने सूचना पुलिस तो मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया। प्रत्यक्षर्शियों की माने तो हाईवे में हुए इस हादसे के दौरान बाइक सवार तीन युवकों में दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया है की बाइक सवार युवक रायपुर से मनगवां की ओर जा रहे थे, इसी दौरान वह सड़क के किनारे खड़े ट्रक में जा घुसे है। बताया गया कि बाइक सवार रजनीश कोल पिता राजभान कोल उम्र 24 वर्ष निवासी पैपखरा मनगवां व संजय कोल पिता मुनेश कोल उम्र 18 वर्ष निवासी खजुहा महसांव की मौत हो गई है। वहीं अभय कोल पिता लालजी कोल उम्र 19 वर्ष निवासी पैपखरा गंभीर रूप से घायल है। जानकारी के मुताबिक तीनों मुम्बई में नोकरी करते थे, संजय कोल अपनी बाइक से दोनों को लेकर पैपखरा गांव छोड़ने जा रहा था और इसी दौरान यह घटना हो गई। शव को स्वास्थ्य केन्द्र में रखा दिया गया है, आज पीएम होगा।

दहेज लोभियों को 3 वर्ष का सश्रम कारावास

रीवा। न्यायालय चौदहवें अपर सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार तिवारी ने न्यायालय में विचाराधीन सत्र प्रकरण क्र.101/2020 में निर्णय पारित कर आरोपी रजनी पुरुस्वानी पति अशोक पुरुस्वानी उम्र 64 वर्ष, अशोक पुरुस्वानी पिता नानकराम पुरुस्वानी उम्र 65 वर्ष, जीतेन्द्र पुरुस्वानी पिता अशोक पुरुस्वानी उम्र 39 वर्ष सभी निवासी दैनिक आलोक प्रेस के पास घोघर को धारा 306, 498 ए. भा.द.वि. एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधि. के अपराध में धारा 306 में तीन वर्ष का सश्रम कारावास एवं जुर्माना 2000 रु., 498 ए भादवि में 2 वर्ष की सजा एवं 1000 रु.अर्थदण्ड, धारा 4 दहेज प्रतिषेध अधि.में 2 वर्ष एवं 1000 रु.अर्थदण्ड से दण्डित किया है। अर्थदण्ड की राशि न जमा करने की स्थिति में 3-3 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। अभियोजन की ओर से प्रकरण की पैरवी अपर लोक अभियोजक डी.एन.मिश्रा के द्वारा की गई है। अभियोजन की कहानी अनुसार मृतका वंशिका पुरुस्वानी का विवाह आरोपी जीतेन्द्र पुरुस्वानी के साथ कटनी में सम्पन्न हुआ था। शादी के बाद मृतका ने एक पुत्री काव्या को जन्म दिया। मृतका के माता-पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार पुत्री को गृहस्थ सामग्री देकर विदा कर दिया था लेकिन आरोपी की मां रजनी पुरुस्वानी, पिता अशोक पुरुस्वानी, पति जीतेन्द्र पुरुस्वानी बात-बात पर मृतका को ताने देते थे, जिससे मृतका मानसिक रूप से परेशान रहती थी। दिनांक 5.12.2019 को मृतका अपने कमरे में लगे सीलिंग फैन में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली पुलिस ने मर्ग कायम कर प्रकरण की विवेचना पूर्ण करते हुए चालान न्यायिक दण्डाधिकार प्रथम श्रेणी रीवा के न्यायालय में पेश किया। प्रकरण में अभियोजन 12 साक्षियों का परीक्षण कराया गया जिस पर मृतका की पुत्री काव्या पुरुस्वानी जो नाबालिग थी, उसने न्यायालय के समक्ष मां के साथ घटित हुई घटना की सारी बात बताई, जिससे न्यायालय द्वारा भारतीय साक्ष्य अधि.1872 की धारा 118 के प्रावधान अनुसार बाल साक्षी के साक्ष्य पर विश्वास करते हुए आरोपीगणों को दहेज प्रतिषेध अधि.में 2 वर्ष एवं 1000 रु.अर्थदण्ड से दण्डित किया है। अर्थदण्ड की राशि न जमा करने की स्थिति में 3-3 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई।

मृतक नवविवाहिता ने लिखा 10 पेज का सुसाइड नोट

पति और सास को ठहराया जिम्मेदार

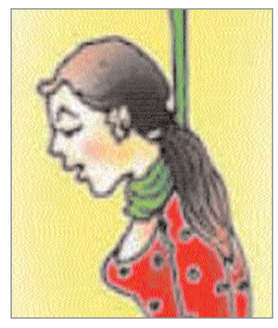

जागरण, रीवा। मऊगंज जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक नवविवाहिता ने ससुराल वालों से प्रताड़ित होकर मायके में फांसी लगा ली, मृतका ने 10 पेज का सुसाइड नोट छोड़ा है। जिसमें अपने ऊपर बीते दर्द को साझा किया है, मामला हनुमना थाना अंतर्गत पांती का है, बधैया में नवविवाहिता मृतका करुणा द्विवेदी जिसका विवाह पीछले साल 8 मई को हुआ था, उसने आत्म हत्या कर ली और शुसाइड नोट के मुताबिक मृतका को पति और सास के द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा था, सारे दर्द को झेलते हुए बुधवार की सुबह करीब 5 बजे अपने मायके पांती मिश्रान में कच्चे मकान में कपड़े के फंदे में शव झूलता मिला, जब परिजनों ने बिस्तर देखा तो तकिए के नीचे 10 पेज का सुसाइड नोट मिला। जिसमे शादी के बाद से कई तरह की प्रताड़ना की जिक्र और सिग्नेचर किया गया था, मृतका ने मोबाइल फोन का पासवर्ड भी लिखा था जिसमे कई फोटो और कॉल रिकॉर्डिंग सुरक्षित है, मृतका करुणा ने अपने 10 पेज के सुसाइड नोट में पति से सम्मान ना मिलना, मारपीट और पीरियड के दौरान भी जबरन शारीरिक संबंध बनाने और मना करने पर मारपीट का जिक्र किया है, मृतका ने लिखा, मैं आप दोनों मां बेटे को कभी माफ नहीं करूँगी। मुझे जितना मारा पीटा है गाली दी है उसका फल दोनों को मिलेगा। मृतिका करुणा के भाई कुलदीप द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि 14 नवंबर मैं अपनी बहन को उसके ससुराल से अपने घर ले आया था, वजह थी मारपीट, मेरी बहन को आए दिन प्रताड़ित किया जाता था सास और पति के द्वारा कहा जाता था कि तुम्हारे जैसी 20 लड़कियां रिजेक्ट की है, ना तुम पैसा लाई ना कुछ, मृतका के पिता की मौत पहले ही हो चुकी है। ऐसे में जमीन बेच कर 15 से 20 लाख रुपए खर्च कर बहन की शादी की अब वही जीवित नहीं है। हाटा चौकी प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम पांती में 24 वर्षीय नवविवाहिता ने सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या कर ली हम इस पूरे मामले की जांच कर रहे आगे की जांच एसडीओपी करेंगी। फिलहाल पंचनामा तैयार कर शव को पीएम के लिए हनुमना लाया गया है, जिसके बाद परिजनों को सौंपा जायेगा।

ए पॉजिटिव ब्लड ग्रुप के मरीज को बता दिया ओ पॉजिटिव

एसजीएमएच में सामने आई बड़ी लापरवाही, नोटिस जारी

जागरण, रीवा। सतना के ब्लड बैंक में हुई घोर लापरवाही के बाद अब रीवा के ब्लड बैंक में लापरवाही का बड़ा मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि ए पॉजिटिव ब्लड ग्रुप वाले मरीज की ब्लड बैंक में जांच के दौरान ओ पॉजिटिव बताया गयाए जिसे जानकार परिजन भी हैरान रह गए। गनीमत रही कि परिजनों की सजगता के चलते मरीज को दूसरे ग्रुप का ब्लड नहीं चढ़ाए, जिससे उसकी जान बच गई। लापरवाही का यह मामला रीवा के संजय गांधी अस्पताल के ब्लड बैंक का है, जहां एक मरीज को पहले ए पॉजिटिव ब्लड चढ़ाया गया था। बाद में उसी मरीज की जब दोबारा जांच हुई तो उसका ओ पॉजिटिव ब्लड बताया गया, जबकि मरीज का ब्लडग्रुप ए पॉजिटिव ही है। फिलहाल इस लापरवाही के सामने आने के बाद अब अस्पताल प्रबंधन ने मामले की जांच कर कार्यवाही की बात कही है। वही परिजनों ने ब्लड बैंक के टेक्नीशियन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग की है। दरअसल अपनी पत्नी के घुटना का प्रत्यारोपण कराने पहुंचे एक सेवानिवृत कर्मचारी ने संजय गांधी अस्पताल के ब्लड बैंक के टेक्नीशियन पर गंभीर आरोप लगाए है। उन्होंने ब्लड बैंक में पदस्थ टेक्नीशियन की कार्य कुशलता पर ना सिर्फ सवाल उठाए हैं, बल्कि इस तरह गंभीर लापरवाही करने वाले कर्मचारियों पर प्रबंधन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। बताया गया है कि उमेश कुमार यादव निवासी नईगढ़ी जिला मऊगंज अपनी पत्नी के घुटना का प्रत्यारोपण कराने संजय गांधी अस्पताल पहुंचे थे। जहां रिप्लेसमेंट से पहले पेशेंट को लगने वाले ब्लड की जरूरत को ध्यान में रखते हुए, चिकित्सकों ने महिला मरीज का ब्लड ग्रुप चेक कराने के बादए मरीज के परिजन से संबंधित ब्लड ग्रुप की मांग की, जिसके बाद ब्लड बैंक पहुंचे महिला के पति ने पहले तो ब्लड ग्रुप चेक करने की प्रक्रिया पूरी की। इसी दौरान जब टेक्नीशियन ने मरीज के परिजन को ओ पॉजिटिव ग्रुप की पर्ची बनाकर दी तो वो हैरान रह गए। क्योंकि उन्हें पहले से ही पता था कि उसकी पत्नी का ब्लड ग्रुप ओ नहीं बल्कि ए पॉजिटिव है। जब महिला के परिजन ने पूरे मामले में अपनी आपत्ति दर्ज कराई तो अस्पताल प्रबंधन ने आनन-फानन में ब्लड बैंक के दो कर्मचारियों को नोटिस जारी कर दिया। फिलहाल इस पूरे घटनाक्रम को लेकर अस्पताल अधीक्षक डॉ.राहुल मिश्रा ने कहा कि ठंड में अक्सर इस तरह के भ्रामक परिणाम आ जाते हैं। जिनका टेक्निशियनों को गहन परीक्षण करने की आवश्यकता थी लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। जबकि मरीज के परिजन उमेश यादव का कहना है कि अगर वह समय रहते टेक्नीशियन द्वारा की गई गलती को नहीं पकड़ पाते तो उसकी पत्नी की जान भी जा सकती थी।

केसीसी कंपनी का प्लांट ग्रामीणों के लिए बना जानलेवा, धूल-धुआं मिट्टी से ग्रामीण हो रहे बीमार

जागरण,रीवा। बायपास मार्ग को चौड़ीकरण करने का कार्य इन दोनों प्रगति पर है। इसी सड़क निर्माण को लेकर केसीसी कंपनी द्वारा शहर से लगे हुए ग्राम हरिहरपुर में डामर और मिक्सर प्लांट डाला गया है, जहां से निकलने वाले धूल मिट्टी और धुएं के प्रदूषण के चलते हरिहरपुर सहित आसपास के ग्रामीण परेशान हैं और उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही है, साथ ही फसल को भी नुकसान हो रहा है। जिसके चलते ग्रामीणों ने प्लांट का घेराव कर कंपनी प्रबंधन से इसे बंद करने की मांग की, इसके बाद कंपनी प्रबंधन ने प्लांट को बंद कर यहां लगे हुए बैग हाउस को चेंज करने का आश्वासन दिया है। कंपनी प्रबंधन का कहना है कि बैग हाउस चेंज करने के बाद धूल, धुआं, मिट्टी और प्रदूषण पूरी तरह से बंद हो जाएगा। हरिहरपुर निवासी महेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इन दिनों बायपास मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य प्रगति पर है। इस निर्माण कार्य का ठेका सरकार द्वारा केसीसी कंपनी को दिया गया है। महेंद्र सिंह ने बताया कि कंपनी के द्वारा ग्राम हरिहरपुर में डामर और मिक्सर प्लांट लगाया गया है जिसके चलते हरिहरपुर सहित आसपास के क्षेत्र में प्लांट से निकलने वाले धूल मिट्टी और धुएं के चलते जहां आम लोगों को विभिन्न बीमारियां हो रहीं और सांस लेने में तकलीफहै, वहीं खेत में लगी फसल में भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। जिसके चलते बुधवार को ग्रामीणों ने मिलकर प्लांट का घेराव कर कंपनी प्रबंधन से इसे बंद करने की मांग की है। वहीं कंपनी प्रबंधन का कहना है कि उनके द्वारा यहां पर संचालित किएजा रहे प्लांट से निकलने वाले धुआं धूल और मिट्टी को बंद करने के लिए बैग हाउस को बदला जा रहा है , इसके बाद ग्रामीणों की समस्याएं खत्म हो जाएंगी।

गठिया एवं पुराने रोगों के लिए नवीनतम आयुर्वेद चिकित्सा
शुद्ध आयुर्वेदिक इलाज के साथ-साथ पंचकर्म चिकित्सा एवं आहार-विहार परामर्श उपलब्ध है।
डॉ. ब्योमेश उपाध्याय
Ayurved Medical Officer, M. D. (Kayachikitsa),
जनरल मेडिसिन (आयुर्वेद)
विशेषताएं:-
• जोड़ो का दर्द व सूजन, गठिया वात, साइटिका वात, कमर दर्द
• एड़ी का दर्द, सिर का दर्द (माइग्रेन)
• लकवा • दमा (सांस का रोग) • पुराना कब्ज व खांसी
• स्किन एलर्जी, त्वचा में होने वाले रोग (सोरायसिस) • थायराइड
• बवासीर • लीवर के रोग • शुगर (डायबिटीज) • शारीरिक कमजोरी
परामर्श समयः प्रत्येक सोमवार से शनिवार (रविवार अवकाश) शाम 05 से रात 08 बजे तक
पताः श्री सांवरिया फार्मेसी, न्यू बस स्टैण्ड से 300 मी. आगे आशीयाना मैरिज गार्डन गेट के सामने, गुलाब नगर समान रीवा (म.प्र.)
सम्पर्क सूत्रः 9630597027

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
समय-प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्शः- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेषः- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गढ्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/-
परामर्श क्लीनिकः शॉप नं. 86 तानसेन कॉप्लेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

कैंसर OPD प्रतिदिन रीवा में
डॉ विनीत कुमार तिवारी
MBBS, MS (सर्जरी) (कैंसर सर्जन)
परामर्श समय प्रतिदिन दोपहर 1.30 से 03 बजे तक एवं शाम 06 से 07 बजे तक
DrNB सुपरस्पेशलिटी (ऑन्को सर्जरी), FALS (रोबोटिक और मिनिमल एसेस सर्जरी)
पूर्व सर्जन, मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर (MICC) दिल्ली NCR एवं AIIMS भोपाल
विशेषता
• मुख कैंसर सर्जरी
• स्तन कैंसर सर्जरी
• थायोराइड एवं इंडोक्राइन कैंसर सर्जरी
• स्त्री रोग कैंसर सर्जरी
• प्रोस्टेट एवं यूरोलॉजिक कैंसर सर्जरी
• पेट, लीवर एवं पैंक्रियाज कैंसर सर्जरी
• मेलोनेमा एवं त्वचा कैंसर सर्जरी
• सिर, चेहरा एवं गर्दन कैंसर सर्जरी
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) मो.: 9399312433, 9981287311

ग्राहक बनकर आये दो युवक लूट ले गये पांच लाख की ज्वेलरी

जागरण, रीवा। जिला मुख्यालय से पैंतालीस किलोमीटर दूर स्थित लालगांव कस्बे में संचालित अन्नपूर्णा ज्वेलर्स की दुकान में ग्राहक बनकर पहुंचे दो बदमाशों ने लगभग पांच लाख रुपए के कीमत की सोने की ज्वैलरी लूट ले गये। दुकान में मौजूद निर्मला सोनी जब तक कुछ समझ पाती लुटेरे अपना काम करके फरार हो गये। लूट की यह घटना विगत 22 दिसंबर को 11से 11.30 बजे के बीच घटित हुई। पीड़ित रामनिधि सोनी ने बताया कि जब यह घटना कारित हुई उस समय वे एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बनारस गये हुए थे। दुकान पर उनकी पत्नी निर्मला सोनी मौजूद थीं। ग्राहक बनकर मोटर साइकिल से आए दो युवकों ने चांदी का चंद्रमा खरीदा और उसके बाद सोने का लाकेट दिखाने के लिए कहा। दुकान पर मौजूद निर्मला सोनी ने जैसे ही दराज खोला उसी वक्त दो में से एक युवक ने आभूषण से भरा पूरा डिब्बा निकाल लिया जिसमें सोने के छः लाकेट सहित अन्य आभूषण रखे हुए थे। डिब्बे में लगभग चार से पांच लाख रुपए कीमत के जेवरात रखे हुए थे। दोनों युवक मौके से जेवरात लेकर फरार हो गये। पीड़ित रामनिधि सोनी की पत्नी निर्मला सोनी ने लालगांव पुलिस उप-थाना में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता ने न्याय की मांग करते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ने और सारा आभूषण वापस दिलाने की गुहार लगाई है। लालगांव के स्थानीय व्यापारियों में इस बात को लेकर काफी आक्रोश है कि दिन दहाड़े लूट और डकैती जैसी घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपी अभी तक लालगांव पुलिस की पकड़ से दूर हैं। इस घटना से लालगांव के व्यापारी स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

कपड़े की झोली बनाकर कंधों के सहारे ले जाना पड़ा शव

जागरण, रीवा। जिले में सिरमौर विधानसभा क्षेत्र से एक बार फिर सरकारी सिस्टम को शर्मसार करने वाली तस्वीर सामने आई है। यहां एक पचपन वर्षीय अधेड़ की मौत के बाद उसके शव को गांव तक ले जाने के लिए झोली बनाकर कंधों के सहारे ले जाना पड़ा। सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत रौली के ग्रामीणों ने बताया कि 55 वर्षीय कमलेश दुबे का चिरायु अस्पताल भोपाल में कैंसर का इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जिसके बाद एंबुलेंस से उनके शव को गांव के पास तक लाया गया लेकिन गांव में सड़क नहीं होने से घर तक शव वाहन नहीं पहुंचा। जिसके परिजनों सहित ग्रामीणों ने कपड़े की झोली बनाई और कंधे के सहारे शव लाद कर घर तक ले गए ले। इस पूरे घटना क्रम का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, जो सरकार की योजनाओं और विकास की सच्चाई खुद बयां कर रहा है।

नीरजा नामदेव बनी एपीएसयू कुलसचिव

रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय कुलसचिव की कुर्सी में बदलाव किया गया है। कुलसचिव की जिम्मेदारी उप रजिस्टार नीरजा नामदेव को दी गई है। अभी तक यह जिम्मेदारी सुरेन्द्र सिंह परिहार संभाल रहे थे। इस संबंध में आदेश बुधवार को जारी हुए हैं।

आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ लगातार आंदोलन होते रहेंगे

रीवा। मंगलवार को होटल लैंडमार्क में अखंड ब्राह्मण सेवा समित भारत वर्ष इकाई के कार्यक्रम में अधिवक्ता ग्वालियर अनिल मिश्रा एवं श्रीमंत प्रभाकर नरसिंह राव पेशवा द्वारा एक प्रेस वाता आयोजित की गयी। कार्यक्रम में अधिवक्ता अनिल मिश्रा का एवं श्रीमंत प्रभाकर का स्वागत व सम्मान अखंड ब्राह्मण सेवा समित भारतवर्ष के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। एड.अनिल मिश्रा ने प्रेस वार्ता में अखंड ब्राह्मण सेवा समिति भारतवर्ष इकाई को भोपाल आंदोलन में सहभागिता देने की बात कही। प्रेस वार्ता में श्रीमंत प्रभाकर राव ने कहा की ब्राह्मण समाज की लड़ाई की अभी शुरूआत है, आंदोलन होते रहेंगे और हम चुप नहीं बैठेंगे। आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ लगातार आंदोलन होते रहेंगे । आजह्य 25 दिसंबर को भी सेमरिया क्षेत्र में आंदोलन रखा गया है। राजघराने से पंडित विनय मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में मौजूद रहे।

रिक्शे में सवार होकर शिकायत लेकर एसपी ऑफिस पहुंचे फरियादी।

Minerva The Medicity A MULTI SUPERSPECIALITY HOSPITAL
मिनर्वा द मेडिसिटी
मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा
जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज
फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा
विशेष सूचना
दिनांकः 03,04,05 जनवरी 2026
कार्डियक सर्जरी
पुनः निःशुल्क उपलब्ध
असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.)
9893516364, 8770288324 | टोल-फ्री नंबरः- 18008892250

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
* IUI, IVF, ICSI
* फ्रोजन एंब्रियो ट्रांसफर साइकिल (FET)
* एग फ्रीजिंग
* एंब्रियो फ्रीजिंग
* स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
निःसंतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com